ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:54 उपरांत मूल विक्रम संवत 2083

आज का मौसम
31.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29
सूर्यास्त 06.42

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मंगलवार, 5 मई 2026, वर्ष 4, अंक 254, पृष्ठ 16 मूल्य 5 रुपये

बंगाल-असम में भगवा आंधी

प.बंगाल में पहली बार खिला कमल, असम में हिमंता सरकार दोबारा, पुडुचेरी में भी एनडीए

पूर्वी भारत के राजनीतिक मानचित्र पर आज एक ऐसा 'भगवा सूर्योदय' हुआ है, जिसने दशकों पुराने स्थापित समीकरणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। पश्चिम बंगाल से लेकर असम की वादियों तक चली प्रचंड 'भगवा आंधी' में विपक्ष के तमाम किले ताश के पत्तों की तरह ढह गए। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस का किला ढह गया है। भाजपा यहां 200 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करके पहली बार सत्ता पर काबिज होने जा रही है। असम के चुनावी नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर में भगवा रंग अब स्थायी हो चुका है। पहले गठबंधन के सहारे सरकार चलाने वाली भाजपा ने पहली बार स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

कोलकाता/ नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सोमवार को एक नया इतिहास रचा गया। मां, माटी, मानुष के नारे को पीछे छोड़ते हुए बंगाल की जनता ने इस बार 'परिवर्तन' के पक्ष में मतदान किया। भाजपा ने 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में देर रात तक 199 सीटें पर जीत हासिल कर ली है और 7 सीटों पर बढ़त है। इस तरह से उसकी जीत का आंकड़ा 207 तक पहुंचता दिख रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने केवल 69 सीटों पर जीत हासिल की और 11 सीटों पर बढ़त के साथ उसकी झोली में अधिकतम 80 सीट ही आ सकेंगी। कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं और आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) ने भी दो ही सीटों पर विजय हासिल की है।

- **ऐतिहासिक परिवर्तन: तृणमूल के 15 साल के शासन का अंत**

2021 के विधानसभा चुनाव में बड़ा बदलाव देखा गया, जहां तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 213 सीटें जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की थी, जबकि भाजपा 38.13 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 77 सीटों पर सिमट गई थी। इस चुनावी मैदान में एक तरफ जुझारू ममता बनर्जी ने अपनी पूरी शक्ति झोंक दी थी, लेकिन सत्ता विरोधी लहर और विकास के वादों के सामने उनकी घेराबंदी विफल रही। आखिरकार, कोलकाता के मुख्यालय से लेकर सुदूर गांवों तक भगवा की लहर दौड़ गई है और बंगाल की धरती पर पहली बार कमल खिला है।

असम में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बाद लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाने के लिए तैयार है। राजग ने सोमवार को 126 सदस्यीय विधानसभा में 101 सीटों पर जीत दर्ज की। उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को 10-10 सीट पर जीत मिली है। भाजपा एक सीट पर आगे चल रही थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस उम्मीदवार बिदिशा नियोग को 89,434 मतों से हराकर लगातार छठी बार जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई जोरहाट में अनुभवी नेता और मौजूदा भाजपा विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी से 23,181 मतों के अंतर से हार गए। भाजपा के चुनाव जीतने वाले प्रमुख नेताओं में मंत्री अजंता नियोग (गोलाघाट), रानोज पेगु (धेमाजी), पीजूष हजारिका (जागीरोड), कौशिक राय (लखीपुर), प्रशांत फूकन (डिब्रूगढ़), कृष्णेंदु पॉल (पाथरकांडी) और बिमल बोरा (तिंगखोंग) शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने यूपीपीएल के पूर्व बीटीसी प्रमुख प्रमोद बरो को हराकर तामुलपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा चुनाव में राजग के शानदार प्रदर्शन के लिए जनता का आभार जताते हुए सोमवार को कहा कि यह परिणाम सरकार के अच्छे काम और राज्य के विकास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर का प्रतिबिंब है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक-दो को छोड़कर विपक्ष में कोई हिंदू विधायक नहीं होगा।

पश्चिम बंगाल

सीट : 294 बहुमत : 147

भाजपा	टीएमसी	अन्य
206	81	06

असम

सीट : 126 बहुमत : 64

भाजपा	कांग्रेस	अन्य
102	21	03

(आंकड़े रुझान और जीत के आधार पर)

सियासी भागीरथी का महासंगम

गंगोत्री से गंगासागर तक अब भगवा

भारतीय राजनीति के मानचित्र पर आज एक ऐसी इबारत लिखी गई है, जिसकी गूंज हिमालय की कंदराओं से लेकर बंगाल की खाड़ी तक सुनाई दे रही है। उत्तराखंड की पहाड़ियों में स्थित गंगोत्री से शुरू हुई भाजपा की वैचारिक धारा अब पश्चिम बंगाल के गंगासागर तक पहुंच कर एक अखंड राजनीतिक प्रवाह में बदल गई है। बंगाल चुनाव 2026 के इन ऐतिहासिक परिणामों ने न केवल सत्ता का केंद्र बदला है, बल्कि भाजपा के गंगोत्री से गंगासागर तक वाले भाजपा के नारे को हकीकत बना दिया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोनार बांग्ला के आह्वान, अमित शाह की अभेद्य रणनीति और योगी आदित्यनाथ के प्रखर नेतृत्व ने मिलकर बंगाल की खाड़ी में वह राजनीतिक सुनामी पैदा की, जिसने दशकों पुराने किलों को ध्वस्त कर दिया। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि यह उत्तर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पूर्वी भारत की बौद्धिक चेतना के मिलन का प्रतीक बन गई है।

देश के 21 राज्यों में एनडीए का दबदबा

विपक्ष के लिए नई चुनौतीबंगाल की इस जीत के साथ ही भारत के राजनीतिक नक्शे पर भाजपा और उसके सहयोगियों एनडीए का प्रभाव अब 21 राज्यों तक विस्तृत हो गया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में अपनी जड़ें मजबूत करने के बाद, अब बंगाल और ओडिशा जैसे पूर्वी राज्य भाजपा के नए 'पावर हाउस' बनकर उभरे हैं। बंगाल की इस जीत ने भाजपा को वह ऊर्जा दी है जिससे वह कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक एक बार फिर नए सिरे से 'अजेय' होने का दावा कर रही है।

योगी के प्रखर हिंदुत्व और बुलडोजर मॉडल से बंधा जीत का सेहरा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक बढ़त के पीछे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'प्रखर हिंदुत्व' और 'सुरक्षा मॉडल' एक बड़ा कारक बनकर उभरा है। योगी आदित्यनाथ ने इस चुनाव में भाजपा के पक्ष में 20 से अधिक रैलियां और रोड शो किए।विश्लेषणों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने जिन प्रमुख सीटों पर प्रचार किया, उनमें से 75% से अधिक सीटों पर भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी सभाओं में 'बुलडोजर' और 'भ्रष्टाचार मुक्त शासन' के यूपी मॉडल की बात की, जिसे बंगाल की जनता ने हाथों-हाथ लिया। सोनामुखी, मालदा और पुरुलिया जैसे क्षेत्रों में उनकी रैलियों ने ध्रुवीकरण और जमीनी कार्यकर्ताओं के उत्साह को नई ऊंचाई दी।

मोदी-शाह-योगी: विजय के तीन शिल्पकार

पीएम मोदी ने जहां बंगाल के घर-घर में विकास की उम्मीद जगाई, वहीं अमित शाह के 'बूथ-मैनेजमेंट' ने हर चुनौती को मात दी। दूसरी ओर, योगी आदित्यनाथ की रैलियों ने पूरे बंगाल में हिंदुत्व और सांस्कृतिक गौरव का वह ज्वार पैदा किया, जिसने चुनाव को पूरी तरह 'भगवा' रंग में रंग दिया। आज ये तीनों नेता बंगाल के मानचित्र पर खड़े होकर देश को एक नए 'राजनीतिक एकीकरण' का संदेश दे रहे हैं।

यूडीएफ ने केरलम में सत्ता हासिल की

सीट : 140 बहुमत : 71

यूडीएफ	एलडीएफ	भाजपा
102	35	03

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने केरल विधानसभा चुनावों में 102 सीटें जीतकर दो तिहाई से अधिक बहुमत के साथ ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए 10 साल बाद सत्ता में जबरदस्त वापसी की है। 140 सदस्यीय विधानसभा के सोमवार को घोषित नतीजों के अनुसार कांग्रेस को 63 सीटें मिली हैं जबकि उसके गठबंधन यूडीएफ में शामिल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को 22, केरल कांग्रेस को सात और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को तीन सीटें मिली हैं। यूडीएफ से संबद्ध चार निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की है। दूसरी ओर माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। एलडीएफ की करारी हार के बाद पिनरायी विजयन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनका एक दशक लंबा कार्यकाल समाप्त हो गया। माकपा को 26 सीटें ही मिल पायी हैं।

टीवीके सबसे बड़ी पार्टी

थलपति विजय

चेन्नई। अपनी सुपरहिट फिल्मों की तरह, जिनमें वह एक हीरो के तौर पर दुश्मनों का सफाया करते हैं, अभिनेता विजय ने तमिलनाडु के चुनावी मैदान में धमाकेदार शुरुआत की है। विजय ने अपने पहले ही चुनाव में द्रविड़ राजनीति के उस मजबूत किले को ढहा दिया है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

उन्होंने अकेले अपने दम पर तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) को शानदार जीत दिलाई है। उन्होंने न केवल सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को पछाड़ा, बल्कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) जैसी सशक्त पार्टी को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इस चुनाव में द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन को भी कोलाथुर सीट पर हार झेलनी पड़ी है। उनके साथ ही दिग्गज मंत्री दुरईमुरुगन समेत कई बड़े मंत्रियों को अपने ही गढ़ में शिकस्त मिली है।

स्टालिन को टीवीके उम्मीदवार वी.एस. बाबू ने 9,000 से ज्यादा मतों से हराया है। कोलाथुर से लगातार तीन बार जीत चुके श्री स्टालिन की यह पहली हार है। पहली बार चुनाव लड़ रही टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि वह बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के जादुई आंकड़े से थोड़ी पीछे रह गई है। विजय ने खुद चेन्नई की पेरम्बूर और त्रिची पूर्व, दोनों सीटों से भारी मतों से जीत हासिल की है।

विजय ने अपने करोड़ों प्रशंसकों को एक मजबूत वोट बैंक में बदल दिया। उन्होंने खुद को एक 'द्रविड़ विकल्प' के रूप में पेश किया और वह सफलता पाई जो बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां 1967 के बाद से कभी हासिल नहीं कर सकीं।

तमिलनाडु

सीट : 234 बहुमत : 118

टीवीके	एडीएमके	डीएमके	अन्य
107	53	65	09

- **द्रविड़ राजनीति के मजबूत किले को ढहाकर विजय की शानदार शुरूआत**

पुडुचेरी में फिर खिला 'कमल' एनडीए की शानदार वापसी

सीट : 30 बहुमत : 16

एनडीए	कांग्रेस	अन्य
18	6	06

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने एक बार फिर एनडीए के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाले ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस और भाजपा गठबंधन ने अपनी सत्ता बरकरार रखते हुए बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। रंगासामी ने अपनी पारंपरिक सीट थट्टनचावडी से 4,441 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर अपनी लोकप्रियता साबित की है।दिग्गजों की जीत और बड़े उलटफेरइस चुनाव में न केवल रंगासामी ने जीत हासिल की, बल्कि भाजपा के कद्दावर नेता ए. नमस्वयम ने भी मन्नडिपेट सीट से 6,110 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। कांग्रेस के दिग्गज नेता वी. वैथिलिंगम को थट्टनचावडी में करारी हार का सामना करना पड़ा, जहां वे चौथे स्थान पर रहे। विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम और विपक्ष के नेता आर. शिवा जैसे बड़े चेहरे भी अपनी सीटें बचाने में नाकाम रहे।

नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचने पर मोदी का किया गया भव्य स्वागत। ● एजेंसी

यह भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसे का दिन : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के साथ अब गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है। उन्होंने सभी दलों से बदले के बजाय बदलाव के लिए काम करने का आह्वान किया। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसे का दिन है, काम करने की राजनीति पर भरोसे का दिन है, स्थिरता के संकल्प पर भरोसे का दिन है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना पर भरोसे का दिन है। उन्होंने विजय समारोह में कहा कि मैं पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल की जनता को नमन करता हूं। समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित पार्टी के अन्य नेता उपस्थित थे। पिछले साल 14 नवंबर को, जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए थे, मोदी ने इसी स्थान से भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि गंगा बिहार से पश्चिम बंगाल के गंगा सागर तक बहती है। उन्होंने कहा कि और आज, पश्चिम बंगाल में जीत के साथ, गंगोत्री (उत्तराखंड) से गंगा सागर (पश्चिम बंगाल) तक कमल ही कमल खिला हुआ है। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र के इस उत्सव में भय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जीत और हार लोकतंत्र और राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन इन पांच राज्यों की जनता ने दुनिया को दिखा दिया है कि क्यों हमारा देश लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, यह हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार है। आज भारत का संविधान भी जीता है। हमारी संवैधानिक संस्थाएं जीती हैं। हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जीती हैं। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 93 प्रतिशत मतदान अपने आप में ऐतिहासिक है तथा असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में भी मतदान के नये रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में महिलाओं की भागीदारी असाधारण रूप से अधिक रही और यह भारतीय लोकतंत्र की सबसे उज्ज्वल तस्वीर के रूप में उभर रही है।

भाजपा मुख्यालय पर जश्न

- **प्रधानमंत्री ने कहा -हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार**

अंग बंग कलिंग जीता, मां माटी मानुष पड़ा फीका

10 साल में तीन से 77 के बाद भारतीय जनता पार्टी ने लगाया सीटों का दोहरा शतक

मनोज त्रिपाठी, अमृत विचार

पश्चिम बंगाल दशकों से भाजपा के लिए एक अधूरे प्रोजेक्ट जैसा था। भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश में हिंदुत्व की दिशा को धार दी, इसी राज्य के थे। ऐसे में बंगाल की जीत भाजपा के लिए बड़ी वैचारिक सफलता की ध्वज वाहक भी है। इस बार पार्टी ने ममता की विफलताओं को उजागर करने के साथ रणनीतिक कौशल दिखाया। आक्रामक अभियान चलाकर हिंदू मतदाताओं का बड़ा हिस्सा अपनी तरफ आकर्षित करने के साथ महिला सुरक्षा को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया कि ममता सरकार की कल्याणकारी योजनाएं फीकी पड़ गईं। इसी के साथ पार्टी का अंग-बंग और कलिंग' (बिहार, बंगाल और ओडिशा) में सत्ता हासिल करने का पुराना सपना भी साकार हो गया।

अंग-बंग और कलिंग' का जयघोष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान किया था। किसी समय यही त्रिकोण भारत की दिशा और दशा तय करता था। भाजपा अंग और कलिंग पर तो पहले से ही काबिज ही थी, अब पहली बार बंग पर भी भगवा झंडा फहरा दिया है। पश्चिम बंगाल में साल 2016 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को तीन सीटें मिली थीं। यहां से 2021 के चुनाव में पार्टी 77 सीटों पर पहुंची और इस बार कमाल दिखाते हुए सीटों की संख्या के लिहाज से दोहरा शतक लगाने के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी भवानीपुर में धूल चटा दी।

एम फैक्टर से ही तोड़ा टीएमसी का तिलिस्म

पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए 'मां, माटी, मानुष' का गढ़ा और 2011 के विधानसभा चुनाव में 34 साल पुरानी वाम सरकार को हरा दिया। 2016 और 2021 में भाजपा पर भी यह नारा जमकर भारी पड़ा। लेकिन 2026 के चुनाव में यह नारा भाजपा और टीएमसी के बीच तीखे वैचारिक संघर्ष का केंद्र बन गया। मोदी ने प्रचार अभियान में हमला बोलते हुए कहा कि आज 'मां' रो रही है, 'माटी' असुरक्षित है और 'मानुष' भयभीत हैं। पार्टी ने टीएमसी के नारे को उसके मुस्लिम प्रेम, महिला असुरक्षा और ममता की विफलता का नैरेटिव बना दिया।

75 साल बाद साकार हुआ सपना

वर्ष 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ का गठन किया था। इसी भारतीय जनसंघ ने आगे चलकर मौजूदा भारतीय जनता पार्टी का रूप ले लिया। जनसंघ की स्थापना के 75 साल बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की अगुवाई में पार्टी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बंगाल के सपने को साकार कर दिखाया

6 साल ममता के साथी, 6 साल में पलटी पूरी बाजी

तृणमूल कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने वाले नंदीग्राम आंदोलन के मुख्य वास्तुकार रहे शुभेंदु अधिकारी छह साल तक ममता बनर्जी सरकार में नंबर दो रहे, फिर नाराज हुए तो भाजपा के साथ आकर छह साल में ही पूरी बाजी पलट दी। ऐसे में बड़ा सवाल है कि शुभेंदु अब क्या भाजपा सरकार में नंबर वन यानी मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर ममता सरकार की तरह नंबर दो की भूमिका में ही नजर आएंगे। शुभेंदु ने वर्ष 2006 में पहली बार कांथी दक्षिण सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था।

- वर्ष 2009 में उन्होंने तमलुक सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीते। 2014 में उन्होंने इसी सीट पर कब्जा बनाए रखा वर्ष 2016 में उन्होंने नंदीग्राम सीट से विधानसभा का चुनाव जीता और ममता सरकार के दूसरे कार्यकाल में परिवहन मंत्री बने। इस दौरान उनको नंबर दो कहा जाने लगा। लेकिन दिसंबर 2020 में भाजपा का दामन थामने और चार माह बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने के बाद उनको न सिर्फ ख्याति मिली, बल्कि भाजपा के लिए भरोसेमंद बन गए। विधानसभा में विपक्ष के नेता बनाए गए। इसके बाद बीते पांच साल शुभेंदु लगातार ममता सरकार पर हमलावर रहे और तृणमूल के गढ़ों में सक्रियता और आंदोलनों के जरिये भाजपा की जमीन मजबूत में जुट गए।

22 राज्यों में एनडीए सरकार 17 जगह भाजपा के मुख्यमंत्री

- देश के 22 राज्यों में अब एनडीए की सरकार और 17 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री होंगे। अब सिर्फ आठ राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, पंजाब, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार नहीं है। इससे पहले 2018 में 21 राज्यों में एनडीए की सरकार थी। लेकिन इन पांच राज्यों के चुनाव के साथ भाजपा ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

लोकसभा चुनाव की परछाई से पीछा छूटा

- वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में बहुमत के आंकड़े से पीछे रह जाने के बाद भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली, ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भगवा ध्वज लहराकर अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। खासकर पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने पार्टी के दायरे को आगे बढ़ाने के साथ आत्मविश्वास आसमान पर पहुंचा दिया है।

85% रहा योगी का बंगाल में स्ट्राइक रेट

- बंगाल में उत्तर प्रदेश के मुखमंत्री आदित्यनाथ योगी ने पश्चिम बंगाल में जिन 22 सीटों पर प्रचार किया था, उनमें से 19 सीटों पर भाजपा ने विजय का भगवा ध्वज लहरा दिया। उत्तर 24 परगना, हुगली, पुरुलिया व बांकुड़ा में योगी की सभाओं में जुटी भारी भीड़ ने माहौल जोशीला बनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी। सोनामुखी (बांकुड़ा), नंदकुमार (पूर्व मेदिनीपुर), कांथी दक्षिण, बाराबनी, और रामपुरहाट उन प्रमुख सीटों में शामिल रहीं, जिन पर योगी की सभाओं के बाद भाजपा ने टीएमसी पर बढ़त बनाई। योगी ने अपनी रैलियों में कानून-व्यवस्था, बुलडोजर, भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया।

हिमंत बने असम में हैट्रिक के नायक

श्रीप्रकाश, गुवाहाटी

असम में सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा। साल 2014 से लेकर अब तक हुए हर चुनाव में भाजपा की स्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। इस बार राज्य में अपने दम पर पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार बनने जा रही है। भाजपा के ही दम पर उसके सहयोगी दल असम गण परिषद तथा बीपीएफ की भी इस चुनाव में स्थिति अच्छी रही है। भाजपा की इस बड़ी जीत के नायक मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा रहे, जिन्होंने 11 साल के भीतर पार्टी को शिखर पर पहुंचा दिया। साल 2015 में जब वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, तो भाजपा के सिर्फ पांच विधायक थे, जो 2011 के चुनाव में जीते थे।

भाजपा ने 2021 चुनाव में संकल्प पत्र में जो वादे किए थे, उन्हें न सिर्फ शत प्रतिशत, बल्कि उससे आगे जाकर पूरा किया। बीते 5 वर्षों में डेढ़ लाख से अधिक बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां स्वच्छ तरीके से दी गईं, जबकि घोषणा पत्र में एक लाख नौकरी का ही वादा था। महिलाओं के लिए अरुणोदय योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ। प्रत्येक महीने की 10 तारीख को महिलाओं के खाते में 1250 रुपये पहुंचते रहे। 'लखपति बाईदेउ', 'निजूत मोइना' योजनाओं के साथ ही युवाओं के रोजगार, छात्र-छात्राओं की पढ़ाई से लेकर किसानों तक के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं। भाजपा सरकार ने बड़े-बड़े पुल, ओवरब्रिज, चौड़ी सड़कें, रिंग रोड, ब्रह्मपुत्र में टनल और कई पुल बनवाए या निर्माणाधीन हैं। डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक युद्धस्तर पर काम किया तो संगठन ने भी हर दिन चुनाव प्रचार के तरीके से कार्य किया।

विपक्ष के धराशायी होने का कारण

- राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस नेतृत्व को लेकर खींचतान से कमजोर होती गई। जनहित से जुड़े मुद्दे उठाने के बदले इसके नेता मुख्यमंत्री के परिवार और भाजपा नेताओं के विरुद्ध प्रचार में लगे रहे। विदेशी घुसपैठियों के विरुद्ध भाजपा सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का कांग्रेस ने लगातार विरोध किया। पार्टी अध्यक्ष गौरव गोगोई नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले जोरहाट में मजार पर माथा टेकने पहुंचे। कांग्रेस की इसी नीति से नाराज पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा और सांसद प्रद्युत बरदलै जैसे दिग्गज नेता चुनाव के मौके पर भाजपा में शामिल हो गए और चुनाव जीत गए। गठबंधन पर भ्रम की स्थिति रही। विपक्षी गठबंधन संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार भी नहीं कर सका। ऐसें में कांग्रेस विदेशी घुसपैठी बहुल सीटों तक ही सिमट कर रह गई। रही सही कसर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पूरी कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए, फिर उन पर डटकर खड़े रहने के बदले भागते फिरे, जिसका उल्टा असर मतदाताओं पर पड़ा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

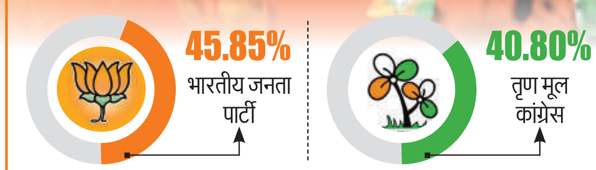

राजनीतिक दल	वोट %	कुल वोट
भाजपा	45.84%	28164498
टीएमसी	40.80%	25050526
सीपीआई(एम)	4.41%	2706940
कांग्रेस	3.00%	1844604
बसपा	0.18%	112709
एआईएमआईएम	0.09%	55226
अन्य	5.67%	-----

असम विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

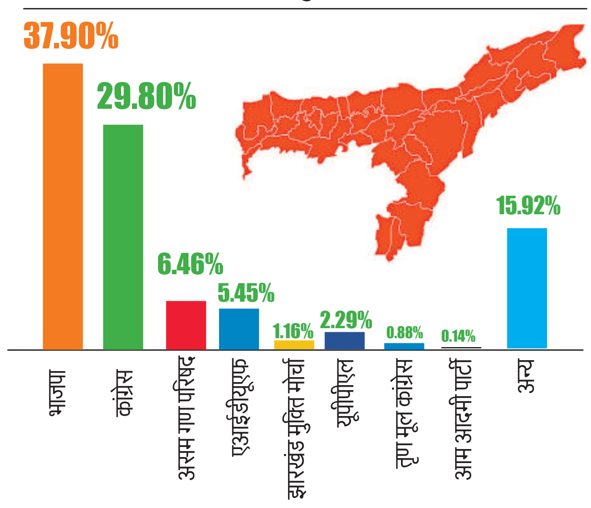

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

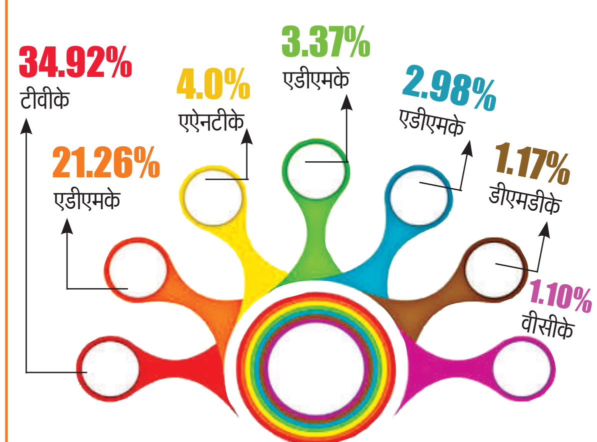

50 साल बाद देश में कहीं नहीं वाम दल की सरकार

- केरल में यूडीएफ की जीत और एलडीएफ की हार के साथ वाम दलों का आखिरी किला भी ढह गया। ऐसा पहली बार होगा जब 1970 के दशक के बाद देश के किसी भी राज्य में वाम दल की सरकार नहीं होगी। देश में सबसे लंबे समय तक 1977 से 2011 तक पश्चिम बंगाल में सीपीआईएम की सरकार रही थी। इसके साथ ही 1998 से से लेकर 2018 तक त्रिपुरा में भी लेफ्ट फ्रंट की सरकार रही थी। केरल में साल 2016 से 2026 तक दो बार लेफ्ट फ्रंट की सरकार सत्ता में रही।

केरल विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

भाजपा	11.42%	2466178
भाकपा	6.64%	1434524
सीपीआई(एम)	21.77%	4700662
कांग्रेस	28.79%	6217918
आईयूएमएल	11.01%	2378053
केईसी	2.43%	525323
केईसी(एम)	2.60%	561157
अन्य	15.37 %	---

(रात्रि 12 बजे तक परिणाम-रुझान के अनुसार)

अहंकार और भ्रष्टाचार ने डुबोई ममता दीदी की नैया

जेके सिंह, कोलकाता

अमृत विचार। अहंकार और भ्रष्टाचारियों के बचाव के साथ मुस्लिम परस्ती के कारण ममता बनर्जी का पतन हुआ और पश्चिम बंगाल में भगवा लहर बनी। साल 2011 के बाद से कोलकाता सहित बंगाल में सफेद साड़ी में लिपटी ममता बनर्जी के पोस्टर लगाए जाते थे, जिनमें नीचे लिखा रहता था- ईमानदारी की प्रतीक। लेकिन 2026 आते-आते इस सफेद साड़ी पर भ्रष्टाचार के बहुत सारे धब्बे लग चुके थे।

सरकारी कर्मचारियों ने इस बार टीएमसी का साथ छोड़ दिया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उनके बकाया डीए का भुगतान नहीं किया गया। नियुक्ति घोटाले के कारण 26 हजार टीचरों की बरखास्तगी गले की हड्डी बन गई। इस मामले में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उनके समर्थन में ममता सुप्रीम कोर्ट तक गई थीं। तत्कालीन शिक्षा मंत्री परेश अधिकारी की बेटी की नियुक्ति अध्यापिका के पद पर अवैध रूप से की गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर उनकी बर्खास्तगी हुई थी। लेकिन इस बार उन्हें फिर टिकट दे दिया गया, नतीजन पुरुलिया जिले में तृणमूल का सूपड़ा साफ हो गया है। राशन घोटाले के प्रमुख अभियुक्त व पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को फिर पार्टी ने टिकट दिया, जिससे उत्तर 24 परगना में टीएमसी की हवा निकल गई।

सोना, सिलिंडर और फ्री यात्रा ने थलपति विजय को सीएम की कुर्सी के करीब पहुंचाया, सत्ता पाने की सीढ़ी कहीं छोटी न रह जाए, इसलिए कर डाले बड़े- बड़े वादे

49 साल बाद तमिलनाडु में एमजी रामचंद्रन जैसा करिश्मा

दिग्विजय सिंह, अमृत विचार

तमिलनाडु में अभिनेता थलपति विजय की ताजपोशी होना तय है। विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम ने इतिहास रच दिया है। थलपति विजय मुख्यमंत्री बनने पर पिछले 49 साल का रिकार्ड तोड़ देंगे। एमजी रामचंद्रन द्वारा 1977 के विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद राज्य में अपनी नई पार्टी खड़ी करके अभिनेता से मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे। अभिनेता विजय के सात वादों ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी के करीब पहुंचा दिया।सोना, सिलिंडर, महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा, 12 वीं तक के बच्चों को प्रत्येक वर्ष 15 हजार रुपये की आर्थिक मदद और बेरोजगारी भत्ता जैसे उनके वादे डीएमके को सत्ता से हटाने में बड़े मददगार बने। सत्ता पाने की सीढ़ी कहीं छोटी न रह जाए, इसलिए उन्होंने बड़े- बड़े वादे कर डाले।

'मैदान में कदम रख दिया तो जीतना ही होगा'

थलपति विजय का फिल्म 'बिगिल' के हिट डॉयलाग ' मैंने एक बार मैदान में कदम रख दिया तो जीतना ही होगा' के साथ सीटी बजाना उनकी जनसभाओं में उमड़ती भीड़ का उत्साह आसमान पर पहुंचा देता था। इससे उनकी फैन फालोइंग वोटों में तब्दील हो गई। चुनाव अभियान आगे बढ़ने के साथ जेन-जी और युवा वोटर्स जो अपनी पारंपरिक पार्टियों से नाराज और बदलाव की तलाश में थे, उनके साथ तेजी से जुड़ते चले गए। ऐसे में विजय को लगा कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा करके वे सत्ता के शीर्ष पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने ऐसा किया भी। गांव- गांव, शहर की हर गली में समर्थक युवाओं की मजबूत टोली ने उनके हर वादे को घूम-घूमकर घर- घर तक पहुंचाया। इसलिए उन्होंने न सिर्फ अन्नाद्रमुक और भाजपा नेताओं के गठबंधन प्रस्ताव को ठुकराया बल्कि द्रमुक की सहयोगी पार्टी कांग्रेस के गठजोड़ के प्रयास को भी सिरे से खारिज किया।

- थलपति विजय न सिर्फ सत्तारूढ़ डीएमके मुखिया एमके स्टालिन पर आक्रमक रहे बल्कि अन्नाद्रमुक और भाजपा को भी उन्होंने खूब खरी खोटी सुनाई। वे यह स्थापित करने में कामयाब रहे कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक नहीं बल्कि वे ही सत्ता में आकर वहां के लोगों की तकदीर और तमिलनाडु की तस्वीर बदल सकते हैं। थलपति विजय ने 60 साल उम्र तक की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का वादा किया। कहा कि इस उम्र की ऐसी महिलाएं जो घर की मुखिया होंगी, उन्हें 2,500 रुपये प्रतिमाह देंगे। इसके साथ ही उन्होंने हर परिवार को छह एलपीजी गैस सिलिंडर फ्री में देने की बात कही थी। इसके साथ ही बहन-बेटियों के विवाह के लिए आठ ग्राम सोना देने का वादा किया। सिल्क साड़ी देने की उनकी योजना ने भी मतदाताओं का ध्यान खींचा। सोने की बढ़ती कीमतों के बीच आठ ग्राम सोना फ्री मिलने की बात हर मतदाता को अच्छी लगी। कक्षा 1 से 12 तक के स्टूडेंट्स के लिए हर साल 15 हजार की मदद का एलान अभिभावकों को लुभा गया तो सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री का वादा भी काम कर गया। ग्रेजुएट्स को चार हजार रुपये और डिप्लोमा धारकों को ढाई हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के वादे ने युवाओं को विजय के साथ आने पर मजबूर किया। 5 एकड़ तक जमीन वाले छोटे किसानों का पूरा कर्ज माफ करने और 5 एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों का 50 फीसदी कर्ज माफ करने के वादे ने किसानों को उनकी तरफ मोड़ा। अब देखना यह है कि सत्ता शीर्ष पर बैठने के बाद विजय इन वादों को कब और कैसे पूरा करते हैं।

पश्चिम एशिया संकट : बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी -12

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा -12

जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अमेरिका ने होर्मुज में बनाया अलग मार्ग -13

घरेलू मैदान पर अपने रिकॉर्ड में सुधार करने का प्रयास करेगी दिल्ली कैपिटल्स -14

आज का मौसम
31.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29
सूर्यास्त 06.42

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:54 उपरांत मूल विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 5 मई 2026, वर्ष 4, अंक 254, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 5 रुपये

नई ट्रांसफर नीति लागू, तबादले आज से

योगी कैबिनेट ने 29 प्रस्तावों पर लगाई मुहर | अधिकतम 10% कर्मचारियों के होंगे तबादले

विभागाध्यक्ष और संबंधित मंत्री मिलकर लेंगे निर्णय, कड़ाई से होगा पालन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में पेश किए गए 31 प्रस्तावों में से 29 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। सरकार ने वर्ष 2026-27 की ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी देते हुए इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला किया है। अब 5 मई से 31 मई तक विभागाध्यक्ष और संबंधित मंत्री मिलकर तबादलों का निर्णय लेगें।

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि 31 मई के बाद सामान्य परिस्थितियों में तबादलों पर रोक रहेगी। साथ ही, किसी भी विभाग में कुल स्वीकृत पदों के अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही स्थानांतरण किए जा सकेंगे। इससे मनमानी और अत्यधिक तबादलों पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात कर्मचारियों के स्थानांतरण को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे कार्य संस्कृति में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। नीति के तहत समूह 'क' व 'ख' के ऐसे अधिकारी, जिन्होंने किसी जनपद में 3 वर्ष या मंडल में 7 वर्ष पूरे कर लिए हैं, उनका स्थानांतरण अनिवार्य होगा, जबकि विभागाध्यक्ष/मंडलीय कार्यालय में तैनाती की अवधि इसमें शामिल नहीं होगी। मंडलीय कार्यालय में तैनाती की अधिकतम अवधि 3 वर्ष होगी। समूह 'क' व 'ख' के स्थानांतरण संवर्गवार कार्यरत अधिकारियों की संख्या के अधिकतम 20% और समूह 'ग' व 'घ' के कार्मिकों के स्थानांतरण संवर्गवार कार्यरत कुल कार्मिकों की संख्या के अधिकतम 10% की सीमा तक किए जा सकेंगे। समूह 'ख' व 'ग' के ट्रांसफर यथासंभव मेरिट आधारित ऑनलाइन प्रणाली से होंगे तथा समूह 'ग' में पटल/क्षेत्र परिवर्तन के नियमों का कड़ाई से पालन होगा। दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को सुविधा अनुसार तैनाती, आकांक्षी जनपदों में प्राथमिकता पोस्टिंग और स्थानांतरण सत्र के बाद समूह 'क' व 'ख' के ट्रांसफर हेतु मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री की स्वीकृति अनिवार्य जैसे प्रावधान भी शामिल किए गए हैं।

लखनऊ में कैबिनेट बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी।

ऊर्जा क्षेत्र : किसानों को मुआवजा और सोलर प्लांट को मंजूरी

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि कैबिनेट ने ऊर्जा विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हाईटेंशन लाइनों के टावर से प्रभावित जमीन के लिए अब किसानों को मुआवजा मिलेगा। टावर के नीचे की जमीन और उसके एक मीटर क्षेत्र का दोगुना मुआवजा दिया जाएगा, जबकि तार खींचने वाले हिस्से का 30 प्रतिशत मुआवजा तय किया गया है। इसके अलावा जालौन में 500 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिसे उत्तर प्रदेश उत्पादन निगम और कोल इंडिया मिलकर विकसित करेंगे। क्षेत्र में बढ़ती जरूरत को देखते हुए 653 करोड़ रुपये की लागत से 400/220 केवी का नया पावर स्टेशन भी बनेगा।

'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना को स्वीकृति

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने बताया कि 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना शुरू की जाएगी, जिसमें गुणवत्ता और पैकेजिंग सुधार पर जोर रहेगा। इसके तहत व्यंजन महासम्मेलन भी आयोजित होगा। संत कबीर टेक्सटाइल्स एंड अपेरल पार्क के तहत नगीना (बिजनौर), बहेड़ी (बरेली), अमरोहा और मगहर में पार्क विकसित किए जाएंगे, जिसके लिए भूमि नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई है।

अन्य अहम फैसले

- लखनऊ में 540 करोड़ से आउटर रिंग रोड से टेक्सटाइल पार्क तक 6-लेन सड़क
- लोनिवि में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधारने को नई व्यवस्था
- फिरोजाबाद में अमरदीप विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी
- एनटीपीसी की परियोजनाओं में फ्लाई ऐश आधारित ईंटों के उपयोग को बढ़ावा
- हाईकोर्ट में ई-सेवा केंद्रों के कर्मचारियों का कार्यकाल 2 से बढ़ाकर 3 वर्ष करने का निर्णय
- वाराणसी में बनेगा टेक्सटाइल पार्क, सहकारी कताई मिल की 251.805 एकड़ भूमि नि:शुल्क हस्तांतरित
- टाटा एंटरप्राइजेज के सहयोग से प्रदेश के 150 राजकीय विद्यालयों में बनेंगे ड्रीम स्किल लैब
- झांसी में 300 जल निगम (नगर) के देय जल मूल्य का भुगतान स्वीकृत
- डिजिटल कचरे के सुरक्षित निस्तारण को ई-वेस्ट प्रबंधन नियम 2026 लागू
- कुशीनगर में नया नर्सिंग कॉलेज को 0.405 हेक्टेयर भूमि दी गई नि:शुल्क
- ग्रेटर नोएडा में बनेगा 400/220 केवी सबस्टेशन, 653 करोड़ की परियोजना
- बिटुमिन की कीमत बढ़ोतरी पर राहत, ठेकेदारों को मिलेगा समायोजन

अद्भुत दृश्य

अयोध्या में सोमवार दोपहर आंधी-पानी के दौरान राम मंदिर परिसर से एक अद्भुत तस्वीर सामने आई है। कड़कती बिजली के प्रकाश के बीच मंदिर की निराली छटा बिखर गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस पल के साक्षी बने। ट्रस्ट पहले ही दावा कर चुका है कि राम मंदिर को प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए मंदिर के शिखर पर तड़ित चालक यंत्र स्थापित किया गया है। यह तस्वीर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर साझा की है।

यूपी में आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, 9 लोगों की गई जान

- 22 जिलों में तूफानी बारिश कई जगह पेड़-पोल उखड़े, टंकी क्षतिग्रस्त, शादी के मंडप उड़े
- मौसम विभाग का अलर्ट, 64 जिलों में अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं और बारिश होगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सोमवार को तेज आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। अयोध्या, सीतापुर व बाराबंकी में ओलावृष्टि हुई, जबकि वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर समेत 22 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश ने कहर बरपाया। इस दौरान नौ लोगों की मौत हुई। कई जगह पेड़-पोल व शादी मंडप उखड़ गए। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी ढह गई। मौसम विभाग ने 64 जिलों में अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं और बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

लखनऊ में सुबह अचानक मौसम बदला और दिन में अंधेरा छा गया। करीब डेढ़ घंटे तक तेज बारिश और गरज-चमक का दौर चला, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और जलभराव की स्थिति बन गई। लखनऊ में मड़ियांव के भरत नगर में दीवार ढहने से अंकित शर्मा (34) की मौत हो गई और मिस्त्री चोटिल हो गया। वहीं बिजली गिरने से बहराइच में 52 वर्ष निवासी नत्थनपुर किसान के अलावा गोंडा में आंधी-पानी से तीन व बलरामपुर में ई-रिक्शा चालक तुलाराम (32) की मौत हो गई है। कासगंज में मकान गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि संभल में आकाशीय बिजली गिरने से एक बच्ची की जान चली गई। सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी क्षतिग्रस्त हो गई और शादी के मंडप उड़ गए। बाराबंकी में सबसे ज्यादा 50 मिमी बारिश हुई। सुल्तानपुर में 35.3 मिमी और गोंडा में 31.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है।

प्रतिकूल मौसम में लोगों के बीच रहें अधिकारी : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार सुबह लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में हुई आंधी-बारिश व विपरीत मौसम की स्थितियों को देखते आम नागरिकों को होने वाली परेशानियों को लेकर प्रशासन को निर्देश दिए हैं। सीएम ने मौसम से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के बीच जाएं और उनसे सीधा संपर्क करें और राहत कार्यों के लिए समन्वय बनाएं।

तूफान में फंसी केशव-ब्रजेश की फ्लाइट

दिल्ली से लखनऊ आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6476 को खराब मौसम के कारण भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इस विमान में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान ने तीन बार उतरने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवाओं और कम दृश्यता के कारण सफल नहीं हो सका।

न्यूज ब्रीफ

रुपया 39 पैसे टूटा, अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। सरकार का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2025-26 में 5.12 प्रतिशत बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। हालांकि यह मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए तय संशोधित बजट लक्ष्य से कम है। 2025-26 के संशोधित अनुमान में संग्रह 24.21 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। मूल बजट अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये था।

भीषण हादसे में ललितपुर के आठ लोगों की मौत

संवाददाता, कालपी (जालौन)

- चौरासी गुंबद के पास टवेरा कार खड़े अज्ञात वाहन में घुसी
- अयोध्या से रामलला के दर्शन कर लौटते समय हुआ हादसा

अमृत विचार। अयोध्या स्थित श्री रामलला के दर्शन कर लौट रहे ललितपुर के दर्शनार्थियों की टवेरा कार सोमवार भोर कोतवाली क्षेत्र स्थित चौरासी गुंबद के पास खड़े अज्ञात वाहन में घुस गई। इससे कार सवार 8 लोगों की मौत हो गई जबकि दो गंभीर घायलों को इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। हादसा ललितपुर उरई हाईवे पर हुआ।

सभी हताहत लोग ललितपुर के महरौनी कस्बा के टीकमगढ़ रोड के निवासी हैं। 2 मई को सभी 10 लोग कार से अयोध्या श्री रामलला के दर्शन करने गए थे। 3 मई की शाम को दर्शन करके लौट रहे थे तभी सोमवार भोर पहर ललितपुर उरई हाईवे पर कार खड़े अज्ञात वाहन में कार घुस गई। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान स्वामी प्रसाद तिवारी (70), शशिकांत तिवारी (40), कृष्ण कान्त नायक (40), देशराज नामदेव (40), उमेश तिवारी (26) मनोज भोडेरे (40) के रूप में की। दो अन्य घायलों की भी बाद में मौत हो गई। उनके नाम नहीं पता चल सके। दुर्घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय तथा पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। दो घायलों का प्राथमिक उपचार कालपी सामुदायिक स्वास्थ्य के केंद्र में करने के बाद कानपुर रेफर कर दिया गया।

कालपी सीएचसी में घायलों से जानकारी लेते डीएम व एसपी।

मोदी के प्रति अटूट जनविश्वास का प्रतीक है जीत : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति देशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश 'नए भारत' और 'विकसित भारत' के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और लोक-कल्याणकारी नीतियों पर जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

प्रीपेड व्यवस्था खत्म, उपभोक्ताओं को राहत

स्मार्ट मीटर पर सरकार का बड़ा यू-टर्न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर चल रहे विवाद के बीच ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बड़ा फैसला लेते हुए व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब प्रदेश में लगाए जा रहे सभी स्मार्ट मीटर प्रीपेड के बजाय पोस्ट-पेड प्रणाली पर संचालित होंगे। यानी उपभोक्ताओं को पहले की तरह हर महीने बिल मिलेगा और तत्काल रिचार्ज कराने की बाध्यता समाप्त हो जाएगी। सरकार के इस फैसले को उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। बीते कुछ महीनों में प्रदेश के कई जिलों में स्मार्ट/प्रीपेड मीटर को लेकर विरोध तेज हुआ था। उपभोक्ताओं का कहना था कि प्रीपेड व्यवस्था में बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित होता है। वहीं, बिलिंग में पारदर्शिता को लेकर भी लगातार सवाल उठ रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी भी उपभोक्ता की बिजली बकाया के कारण तुरंत न काटी जाए। कम से कम एक महीने का समय दिया जाए और बकाया राशि किस्तों में जमा करने की सुविधा सुनिश्चित की जाए। इससे खासकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। साथ ही, बिजली विभाग को शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कहा गया है कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और लापरवाही पर जवाबदेही तय हो। सूत्रों के अनुसार, स्मार्ट मीटर परियोजना को बंद नहीं किया गया है, बल्कि इसकी कार्यप्रणाली में बदलाव किया गया है। अब इसका उपयोग मीटर रीडिंग को सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए किया जाएगा, न कि उपभोक्ताओं पर तत्काल भुगतान का दबाव बनाने के लिए। सरकार के इस फैसले को जनभावनाओं के अनुरूप बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे प्रदेश के करोड़ों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

क्या बदला, क्या रहेगा लागू

अब स्मार्ट मीटर होंगे पोस्ट-पेड सिस्टम पर
प्रीपेड (रिचार्ज आधारित) व्यवस्था खत्म
उपभोक्ताओं को मिलेगा मासिक बिजली बिल
बकाया भुगतान के लिए किस्त सुविधा लागू
एक महीने से पहले बिजली काटने पर रोक
शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण
- स्मार्ट मीटर रहेंगे, लेकिन केवल पारदर्शिता और रीडिंग के लिए

चार बच्चों व मां का हत्यारा मुठभेड़ में ढेर

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

आमिर

- फायरिंग के बाद हुई जवाबी कार्रवाई में दो पुलिसकर्मी भी घायल

अमृत विचार। चार मासूम बच्चों और उनकी मां की हत्या के आरोपी आमिर को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। मुठभेड़ सोमवार सुबह टांडा-बांदा हाईवे किनारे अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में हुई। मुठभेड़ में एसओजी प्रभारी विनोद यादव के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। पुलिसकर्मी जाकिर हुसैन और एसआई राजेश यादव भी घायल हुए हैं, जो जिला अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस के अनुसार आरोपी आमिर हत्या और दुष्कर्म के मामलों में जमानत पर है।

बता दें कि अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में बीते दो मई को चार मासूम भाई-बहनों की बेरहमी से ईंट से कूचकर हत्या की गई थी। घटना के बाद बच्चों की मां गासिया खातून संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी, जिससे पुलिस ने शुरुआत में उसी पर हत्या का शक जताया था। मगर तीन मई को गासिया का शव घर से करीब 100 मीटर दूर नाले के किनारे मिला था, उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए, जिससे मामला और उलझ गया। सीओ नीतीश तिवारी ने बताया कि महिला का पति सऊदी अरब में है। परिवार वालों के मुताबिक उसने वहां पर पाकिस्तानी महिला से शादी कर ली है। इसलिए आरोपी आमिर महिला से शादी करके उसकी जमीन और अन्य संपत्ति हड़पना चाहता था, लेकिन उसने इंकार कर दिया। जिसके बाद उसने चार मासूम बच्चों और गासिया की निर्मम हत्या कर दी। जांच के दौरान सामने आए सुरागों के आधार पर पुलिस ने आमिर को मुख्य आरोपी माना। पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी। तभी नेवतरिया बाईपास के पास पुलिस टीम ने सूचना पर घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आमिर ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोलियां उसके सीने में जा लगीं। तीन गोलियां लगने से वह मौके पर ही ढेर हो गया।

पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग एसपी प्राची सिंह लगातार कर रही थीं और टीम को हर मूवमेंट पर निर्देश दे रही थीं। आमिर लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था। उसके खिलाफ हत्या, रेप और गोवध समेत कई गंभीर मुकदमें दर्ज थे। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में आरोपी अमिर को गोली लगी है।

टिप्पणी

ईडी को नोटिस जारी नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही कार्यालय के अधिकारियों पर साधा निशाना

रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारी खुद को समझते हैं सुपर सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- 37,000 करोड़ के निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही रजिस्ट्री कार्यालय पर निशाना साधते हुए उसके रवैये को अनुचित करार दिया और कहा कि उसके अधिकारी खुद को सुपर सीजेआई समझते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 37,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धोखाधड़ी के मामले में आरोपी आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

सीजेआई ने याचिका पर 23 मार्च को पारित एक आदेश का हवाला दिया और आश्चर्य जताया कि रजिस्ट्री अधिकारियों ने यह कैसे समझा कि पीठ ने याचिका पर ईडी और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी नहीं किया। सीजेआई ने कहा, रजिस्ट्री ने बिल्कुल अनुचित व्यवहार किया है। रजिस्ट्री का यह रवैया बिल्कुल ठीक नहीं है। यहां बैठा हर व्यक्ति खुद को 'सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया' समझता है। पीठ ने अपने नए आदेश में कहा, ईडी निदेशक को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और कहा गया कि ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था। (शीर्ष अदालत के) न्यायिक रजिस्ट्रार इस बात का तथ्यान्वेषण करें कि 23 मार्च के हमारे आदेश का अर्थ ईडी को नोटिस जारी न करना कैसे है। प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस भेजा जाए। याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर बड़े पैमाने पर निवेश संबंधी धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। बचाव पक्ष का दावा है कि निवेशकों को धनराशि का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया गया है, लेकिन फिलहाल ईडी द्वारा 'फ्रीज' किए गए बैंक खातों में कई सौ करोड़ रुपये फंसे हुए हैं।

पीठ ने 23 मार्च को ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने का दिया था आदेश

पीठ ने 23 मार्च के अपने आदेश में मामले में पक्षकार राजस्थान सरकार के वकील द्वारा ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने के मौखिक अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसका उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि याचिकाकर्ता और उसके परिवार से संबंधित सभी चल और अचल संपत्ति को विधिवत कुर्क किया गया है या नहीं। पीठ ने दोहराया कि संपत्ति का ''विस्तृत विवरण'' प्रदान किए जाने तक वह जमानत याचिका के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए कानूनी प्रतिनिधि को याचिकाकर्ता, उसके पति, उनके बच्चों, माता-पिता, भाई-बहनों और सास-ससुर की अचल संपत्ति का विस्तृत ब्योरा देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। अदालत ने कंपनी के निदेशकों, प्रबंधकों और प्रमुख कर्मचारियों की संपत्ति का विवरण भी मांगा था। पीठ ने कहा था, जब तक ये संपूर्ण विवरण उपलब्ध नहीं कराए जाते, हम जमानत याचिका पर विचार नहीं करेंगे। न्यायिक रजिस्ट्रार को रजिस्ट्री के भीतर प्रशासनिक चूक की जांच करने का कार्य सौंपा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अदालत के पिछले निर्देशों की अनदेखी क्यों की गई। पीठ ने कहा कि वह याचिका को मई में किसी दिन सूचीबद्ध करेगी।

एसआईआर : चुनाव आयोग से लड़ती रहीं ममता बनर्जी... भाजपा ने कर दिया 'खेला'

न सत्ताविरोधी लहर को भांप पाईं, न ही भाजपा की रणनीति को

कोलकाता में चुनाव नतीजों से मायूस टीएमसी कार्यकर्ता।

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 2016 के विधानसभा चुनाव में तीन सीटें जीतकर राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। महज 10 साल में पार्टी ने राज्य में इतनी गहरी पैंठ बनाई कि इस बार शानदार ढंग से बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी राज्य की मुख्यमंत्री होते हुए भी अंत तक नहीं भांप सकीं कि उनकी सत्ता के किले को भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में अंदर ही अंदर कितना कमजोर कर दिया है।

तृणमूल कांग्रेस की इस चुनाव में सबसे बड़ी नाकामी यह रही कि वह चुनाव शुरू होने तक राज्य में चल रही सत्ता विरोधी लहर का आंकलन नहीं कर सकी। भाजपा लगातार इस सुलगती आंच को और भड़काने में जुटी रही। तृणमूल नेताओं की मनमानी, भ्रष्टाचार के आरोप और प्रशासनिक सुस्ती ने मतदाताओं को बदलाव के विकल्प की ओर धकेला। इसी बीच भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू कराई तो तृणमूल कांग्रेस इसी में उलझकर रह गई। चुनाव आयोग के एक-एक निर्णय को लेकर तृणमूल कांग्रेस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की दौड़ लगाती रही। भाजपा इस बीच राज्य में अपनी चुनावी गोटें बिछाने में जुटी रही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में लंगर डाल लिया। रही-सही कसर चुनाव आयोग की ओर से पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की ऐतिहासिक तैनाती ने पूरी कर दी। तृणमूल कांग्रेस के लिए विकल्प लगातार कम होते गए। आखिरकार सोमवार को इसका नतीजा सामने आ गया।

महिलाओं का झुकाव भाजपा की ओर

महिला मतदाताओं का झुकाव भाजपा ने इस चुनाव में महिला मतदाताओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। अनुमान है कि मिशन शक्ति और विधानसभा में महिला आरक्षण जैसे केंद्रीय प्रयासों के साथ राज्य में कानून-व्यवस्था विशेषकर आरजी कर जैसे मुद्दों ने महिलाओं के बड़े वर्ग को भाजपा के पक्ष में मोड़ दिया। अनुमान जताया जा रहा है कि महिला वोटों में लगभग 5% की बढ़ोतरी भाजपा के पक्ष में हुई है।

भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस से रूठा युवा वोटर

पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा ने रोजगार और विकास को मुद्दा बनाकर युवा मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत की। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में 25 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदाता युवा हैं। इनमें काफी संख्या ऐसे युवाओं की थी जो पहली बार वोट डालने जा रहे थे। ये मतदाता बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस से छिटक गया और भाजपा से अपनी उम्मीदें जोड़ बैठा। शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े 26 हजार नियुक्तियां रद्द होने का फैसला इस वर्ग की नाराजगी का प्रमुख कारण बना। भाजपा को चुनाव में इसका व्यापक लाभ मिला। इसके अलावा राज्य में लगातार तेज होती रही सत्ताविरोधी लहर का असर भी युवा मतदाताओं पर पड़ा।

सोमवार को दोपहर तक नतीजे काफी हद तक साफ हो गए, इसी बीच ममता बनर्जी ने मीडिया से बात की।

ध्रुवीकरण और हिंदू वोटरों का रुझान

उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई हिस्सों में हिंदू मतदाताओं का भाजपा के पक्ष में मजबूत ध्रुवीकरण देखा गया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक गौरव को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया। घुसपैठ के मुद्दे को भी भाजपा ने ध्रुवीकरण के लिए हथियार बनाया और टीएमसी को अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण के लिए घुसपैठियों को नजरंदाज करने के आरोप लगाए। पार्टी से निष्कासित होकर चुनाव मैदान में उतरे विधायक हुमायूं कबीर ने भी राज्य के कुछ क्षेत्रों में ध्रुवीकरण को और ज्यादा बढ़ावा दिया।

वोटर लिस्ट से 23 लाख नाम साफ

भाजपा ने दावा किया कि उन्होंने मतदाता सूची से लगभग 23 लाख बाहरी लोगों के नाम हटवाए, जिससे चुनाव केवल वास्तविक मतदाताओं तक सीमित रहा। इसके अलावा, इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण मतदान ने चुनावी परिणामों को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। बंगाल के चुनावों का इतिहास हिंसा से भरा रहा है, लेकिन चुनाव आयोग ने इस बार भारी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती करने के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले कर दिए जिस कारण राज्य में काफी हद तक माहौल बदल गया। भाजपा ने बूथ स्तरीय प्रबंधन पर भी काफी सूक्ष्मता से काम किया, जिससे उसके मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचे।

मोदी का चेहरा, शाह की रणनीति... पिछली गलतियों से सबक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में अपना पूरा दमखम झोंकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। खासतौर पर अमित शाह की चुनावी रणनीति और उसका प्रबंधन अपने हाथ में रखने का काफी असर पड़ा। नतीजा यह रहा कि भाजपा को कोलकाता और उसके आसपास के शहरी इलाकों में संघर्ष करना पड़ता था, लेकिन 2026 में शहरी-उपनगरीय क्षेत्रों में भाजपा ने टीएमसी के इस मजबूत गढ़ में बड़ी सेंध लगाने में कामयाबी हासिल की। भाजपा ने इसके साथ पिछले चुनावों में की गई गलतियों से भी सबक लिया और उनको दोहराने से बचती रही। पिछले चुनावों की तरह भाजपा के शीर्ष नेताओं ने ममता बनर्जी पर सीधे हमले करने से परहेज किया बल्कि इस पर ज्यादा जोर दिया कि उनकी नीतियों और कार्यप्रणाली से बंगाल की जनता को भारी नुकसान हो रहा है। सीमाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी भाजपा के प्रमुख हथियारों में शामिल रहा। अमित शाह ने अपनी चुनावी जनसभाओं में कई बार बीएसएफ को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन न देने का मुद्दा भी बार-बार जनता के सामने रखा।

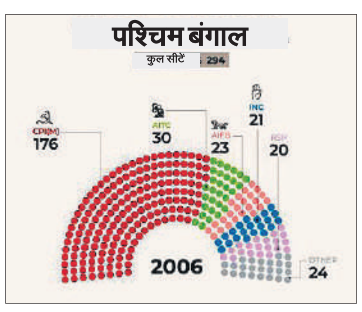

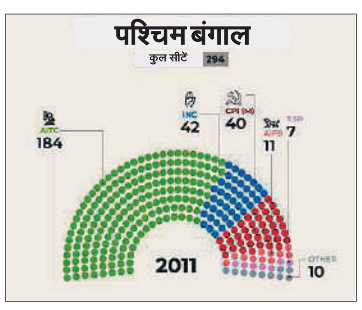

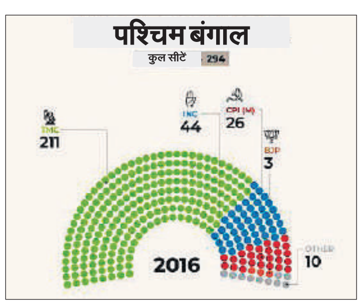

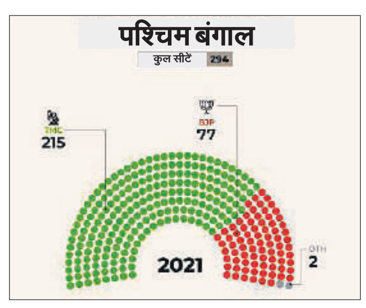

पश्चिम बंगाल में 2016 के बाद भाजपा के लंबे कदम... तीन सीटों से शुरुआत... 10 साल में 200 पार

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा की 34 साल पुरानी सत्ता को उखाड़कर 2011 में बंगाल की मुख्यमंत्री बनी थीं। इसके बाद से वह लगातार तीन बार राज्य का चुनाव जीतीं। वर्ष 2011 तक भाजपा का इस राज्य में नामोनिशान तक नहीं था। पहली बार 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा राज्य में सिर्फ तीन सीटें जीतकर अपने सियासी कदम रखने में कामयाब हुई। लेकिन इसके बाद उसने 2021 में हुए अगले ही चुनाव में बेहद लंबा कदम रखा और राज्य में 77 सीटें जीतकर अपने सियासी वजूद को काफी मजबूत कर लिया। वर्ष 2026 के चुनाव में भाजपा ने और लंबा सियासी कदम रखा और 77 सीटों में बड़ा इजाफा करते हुए बहुमत का आंकड़ा पार कर सत्ता हासिल कर ली।

कोलकाता में एक-दूसरे के चेहरे पर गुलाल लगाकर भाजपा की प्रचंड जीत का जश्न मनातीं युवतियां।

असम में हैट्रिक : ढीली नहीं होने दी मतदाताओं की नब्ज से पकड़

महिलाओं, राज्यकर्मियों, चाय बागान श्रमिकों पर रहा फोकस

गुवाहाटी, एजेंसी

भाजपा ने असम विधानसभा चुनाव में हैट्रिक लगाने के लिए चुनाव से काफी पहले ठोस रणनीति पर काम शुरू कर दिया था। पार्टी ने राज्य में सिर्फ रणनीतिक मोर्चे पर ही नहीं बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक मोर्चे पर भी काफी काम किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने अपनी सत्ता बरकरार करने के लिए एक तो विपक्ष को सेंध लगाने का कोई मौका नहीं दिया, दूसरे हवा को अपने पक्ष में मोड़ने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

असम में सत्ता के पक्ष में लहर का एक बड़ा आधार सरकार की कल्याणकारी योजनाएं रहीं। महिलाओं के लिए सीधे नकद हस्तांतरण की ओरुनोदोई योजना को गेम चेंजर माना गया। भाजपा ने इस सहायता राशि को बढ़ाकर 3,000 करने और 15 लाख और परिवारों को जोड़ने का वादा कर महिला मतदाताओं का समर्थन हासिल करने में कामयाबी पाई। इसके अलावा राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए भारत में पहली बार आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा ने मध्यम वर्ग और सरकारी कर्मचारियों के वोट सुनिश्चित किए।

इसके अलावा भाजपा ने अपने सहयोगी असोम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ मिलकर मजबूत सोशल इंजीनियरिंग तैयार की। ऊपरी असम में चाय बागान श्रमिकों के लिए भूमि अधिकार और बेहतर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर भाजपा ने अपने आधार को मजबूत किया। बुनियादी ढांचा और विकास डबल इंजन सरकार का दावा करते हुए भाजपा ने राज्य में सड़क और बुनियादी ढांचे के विस्तार को मुख्य मुद्दा बनाया। 'असोम माला' और 'भारतमाला' जैसे प्रोजेक्ट्स ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी में सुधार किया, जिससे लखीमपुर, धेमाजी और माजुली जैसे जिलों में भाजपा को बढ़त मिली। दूसरे राज्यों की तरह यहां भी भाजपा ने ध्रुवीकरण को प्रमुख हथियार बनाया।

गुवाहाटी में भाजपा की हैट्रिक की खुशी मनाती एक महिला।

सीटों के परिसीमन ने बदला खेल

असम की 126 विधानसभा सीटों का 2023 में जो नया परिसीमन हुआ, उसने चुनावी गणित को भाजपा के पक्ष में करने में बड़ी भूमिका निभाई। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से बदला गया जिससे कई इलाकों में जनसांख्यिकीय संतुलन भाजपा के अनुकूल हो गया। अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें 16 से बढ़ाकर 19 और अनुसूचित जातियों के लिए 8 से बढ़ाकर 9 कर दी गईं। बोडोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र में सीटों की संख्या 12 से बढ़ाकर 15 करना और स्थानीय दलों के साथ तालमेल बिठाना सफल रहा। इसके अलावा, हिमंता के नेतृत्व और आक्रामक छवि ने भी इस जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 'विकास और विरासत' के मुद्दे को लेकर चुनाव लड़ा। मिया मुस्लिम और अवैध अप्रवास पर कड़ा रुख अपनाकर हिंदू मतों को एकजुट करने में सफल रहे।

तमिलनाडु: युवाओं ने लिखी विजय की सियासत में हीरो जैसी एंट्री की कहानी

द्रमुक के खिलाफ सत्ताविरोधी लहर के बीच भ्रष्टाचारमुक्त शासन के वादे पर किया एतबार

चेन्नई, एजेंसी

तमाम अनुमानों को ध्वस्त करके थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य के दशकों पुराने द्रविड़ द्विध्रुवीय (द्रमुक बनाम अन्नाद्रमुक) वर्चस्व को तोड़ दिया। देर शाम तक रुझानों और परिणामों के अनुसार टीवीके करीब 110 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी, जो बहुमत के आंकड़े 118 के बेहद करीब है। टीवीके की सियासत में फिल्मी सी लगने वाली इस एंट्री में युवाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई।

माना जा रहा है कि युवा और पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं ने टीवीके की जीत की पटकथा लिखी। चुनाव प्रचार अभियान में भी विजय की रैलियों में युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी थी जिसे चुनावी वोट बैंक में बदलने में टीवीके सफल रही। पार्टी ने 85.1% के रिकॉर्ड मतदान का फायदा उठाया। युवा पीढ़ी ने द्रविड़ दलों के पारंपरिक गठजोड़ के बजाय विजय के फ्रेश फेस और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वादे पर ज्यादा विश्वास दिखाया। द्रमुक के खिलाफ अंदर ही अंदर चल रही प्रचंड सत्ता विरोधी लहर ने टीवीके का काम और आसान कर दिया। द्रमुक इसी वजह से तीसरे नंबर पर खिसक गई।

टीवीके का शहरी क्षेत्रों में क्लीन स्वीप

टीवीके ने शहरी क्षेत्रों, विशेषकर चेन्नई में द्रमुक के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई। नतीजों के हिसाब से देखा जाए तो मतदाताओं ने द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बारी-बारी वाले पलटने वाले शासन के प्रति अपनी अरुचि दिखाई है और टीवीके को तीसरे विकल्प के रूप में आजमाने की इच्छा जताई है। चेन्नई की 34 में से 29 सीटों पर टीवीके ने बढ़त बनाई, जिससे द्रमुक का किला पूरी तरह ध्वस्त हो गया। विजय ने खुद पेरामबुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की, जबकि तिरुचिरापल्ली में भी पार्टी को भारी समर्थन मिला।

अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति सफल

किसी बड़े दल के साथ गठबंधन न करने के विजय के फैसले ने मतदाताओं को विश्वास दिलाया कि वे किसी के पिछलग्गू नहीं हैं। पार्टी की विचारधारा को धर्मनिरपेक्ष सामाजिक न्याय के रूप में पेश करना और द्विभाषी नीति का समर्थन करना तमिल पहचान के साथ गहराई से जुड़ गया।

टीवीके की अप्रत्याशित जीत का जश्न माने के लिए चेन्नई में उमड़े युवा।

केरलम: कांग्रेस ने ढहाया वाम का आखिरी गढ़

भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और अंहकारी शासन के आरोपों से घिरी थी विजयन सरकार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

प्रचंड सत्ताविरोधी लहर ने केरलम में वाम मोर्चा की अगुवाई वाली एलडीएफ सरकार को उखाड़ फेंका। इसी के साथ वाम का पूरे देश से सफाया हो गया। कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने 140 में से 102 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया।

एलडीएफ सरकार के 10 साल के शासन के बाद जनता में इस बार असंतोष की प्रबल लहर थी। मतदाताओं ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और शासन में अहंकार के आरोपों के कारण पिनाराई विजयन सरकार को सिरे से नकार दिया। इससे पहले एक्जिट पोल और सर्वेक्षणों में भी शासन के प्रति भारी नाराजगी सामने आई थी। यूडीएफ के प्रमुख सहयोगी दल आईयूएमएल ने मालाबार क्षेत्र में रिकॉर्ड 22 सीटें जीतकर जीत को निर्णायक बना दिया। मलप्पुरम जिले की सभी 16 सीटों पर यूडीएफ ने पहली बार कब्जा किया है। मध्य केरल जैसे त्रिशूर, कोट्टायम और पतनमतिट्टा में ईसाई मतदाताओं का बड़ा वर्ग वापस यूडीएफ की ओर मुड़ा। भाजपा द्वारा लाए गए कुछ कानूनों से नाराजगी और रबड़ की कीमतों जैसे कृषि मुद्दों ने भी इस समुदाय को कांग्रेस के और करीब लाने में भूमिका अदा की।

कल्याणकारी वादों ने वोटरों को लुभाया

कांग्रेस ने इंदिरा गारंटीज नाम से अपने घोषणापत्र में वादों का एक पैकेज पेश किया, जिसने मतदाताओं को प्रभावित किया। इसमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा, वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजनाएं और रोजगार के वादे शामिल थे। टिकट वितरण में युवा नेताओं को तरजीह दी गई।

बड़े चेहरों पर पराजय का दाग

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य की भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव हार गईं। उन्हें उनके निकटतम विरोधी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने 15, 105 मतों से पराजित किया। शुभेंदु अधिकारी को 73, 917 वोट मिले जबकि ममता बनर्जी को महज 58,812 वोट ही मिल पाए।

कोलाथुर सीट से चुनाव लड़े तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने 8,795 वोटों से हराया। स्टालिन को 74,202 और बाबू को 82,997 वोट मिले। यह 1996 के बाद स्टालिन की पहली चुनावी हार है। वह तमिलनाडु के चौथे ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं जो पद पर रहते हुए विधानसभा चुनाव हार गए।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी की वरिष्ठ नेता और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य दमदम उत्तर सीट से चुनाव हार गईं। सुविमल डे नंदाकुमार सीट से निवर्तमान विधायक भाजपा के खानरा निर्मल से हार गए। एगरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के दिव्येंदु अधिकारी ने टीएमसी के निवर्तमान विधायक तरुण मैती को हराया।

तमिलनाडु : भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन मायलापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव हार गईं। भाजपा का एक और प्रमुख चेहरा वानाति श्रीनिवासन कोयंबटूर उत्तर से चुनाव हार गईं। एनटीके पार्टी के नेता सीमन को करईकुडी निर्वाचन क्षेत्र में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा।

केरलम : राज्य के परिवहन मंत्री और अभिनेता केबी गणेश कुमार को पटानपुरम में कांग्रेस के ज्योति कुमार चमाकला ने हराया। मंत्री वी शिवनकुट्टी भी नेमोम सीट से भाजपा के राजीव चंद्रशेखर से पिछड़ गए। अरूर सीट से निवर्तमान विधायक और प्रसिद्ध गायिका डालीमा जोजो को कांग्रेस की शनीमोल उस्मान ने हराया। वीएन वासावन, वीणा जॉर्ज, और एमबी राजेश जैसे कई वरिष्ठ मंत्री भी पीछे रहे या हार गए।

असम : कांग्रेस के प्रमुख चेहरे गौरव गोगोई को जोरहाट सीट पर भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने 23,000 वोटों से हराया। विश्वनाथ में कांग्रेस नेता जयंत बोरा भी भाजपा के पल्लब लोचन दास से हार गए।

भाजपा ने राज्य में 100 से अधिक सीटें लूटीं : ममता

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य चुनावों में भाजपा की भारी जीत को अनैतिक करार दिया और आरोप लगाया कि 100 से अधिक सीटों पर जनादेश लूटा गया है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतगणना केंद्र से बाहर निकलते हुए उन्होंने कहा, हम वापसी करेंगे। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मिलीभगत से केंद्रीय बलों की मदद से चुनाव आयोग की गतिविधियाँ अवैध थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें निर्वाचन आयोग के कदाचार के खिलाफ बोलने के कारण निशाना बनाया गया। कहा, मैंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल से शिकायत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

न्यूज ब्रीफ

स्मार्ट फोन नहीं मिला तो विवाहिता ने निगला जहर, भर्ती

रसूलाबाद। पति द्वारा मोबाइल न दिलाने से नाराज झखरगड़ा अटिया रायपुर निवासी एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। झखरगड़ा अटियारायपुर निवासी सत्येंद्र की पत्नी कंचन 30 ने पति द्वारा स्मार्टफोन न लेकर देने से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने इलाज के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए हैलट रेफर किया।

माटीकला-शिल्पकारी के प्रशिक्षण के लिए कर सकते आवेदन

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा इस वित्तीय वर्ष में माटीकला से जुड़े परंपरागत कामगारों के कौशल सुधार हेतु माटीकला शिल्पकारी 15 दिवसीय, आवासीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र कालपी, जालौन में होगा। इसमें जनपद कानपुर देहात के 20 लाभार्थियों को माटीकला के विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा कियात्मक प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यकम में माटीकला की कलात्मक, सौन्दर्यपरक, सजावटी, गृह उपयोगी वस्तुओं जैसे मूर्ति, मृदभांडों, मृण्मय सजावट व कसीदाकारी, सिरेमिक व चीनी मिट्टी की वस्तुओं के उत्पादन के साथ-साथ व्यवसाय स्थापित एवं संचालित करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में की जनसुनवाई

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की। इस दौरान जनपद के विभिन्न तहसीलों एवं ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। इसके बाद संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने निर्देशित किया कि जनसुनवाई में सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज करें। समय-सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति से अवगत कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस लिए प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवेदक को समय-समय पर उसके प्रकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराई जाए ।

मधुमक्खियों के हमले में वृद्ध समेत दो घायल

रसूलाबाद। मधुमक्खियों के हमले से चपेट में आकर वृद्ध समेत दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। बहादुरपुर गड़ेवा गांव निवासी बलदेव 80 खेत में फसल देखने गए थे। इसी दौरान आक्रामक हुई मधुमक्खियो ने हमला बोल दिया ,जिनकी चपेट में आकर बलदेव के साथ साथ गांव के ही अरुण कुमार की पत्नी उपासना 30 भी गंभीर रूप से जख्मी हो गई।

खत्म हुई बंगाल की बारी,अब होगी यूपी की तैयारी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी में पार्टी की जबरदस्त जीत पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें सभी ने खुशियां मनाई। नेताओं ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार भाजपा ने बंगाल में विजय पताका फहरा दी है।

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों को ममता के आतंक से छुटकारा मिला है। उन्होंने भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताया और कहा कि अब राज्य में विकास की गति तेज होगी। जिला अध्यक्ष रेणुका सचान जिला महामंत्री सत्यम सिंह चौहान, ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला ने इस जीत का श्रेय उन कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी को दिया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी, शिव वीर भदौरिया, केपी सिंह, सौरभ मिश्रा, सुप्रिया गुप्ता, आशीष दीक्षित, श्यामू शुक्ला, विकास मिश्रा रहे।

बंगाल चुनाव में कानपुर देहात से पहुंचे नेता: बंगाल चुनावों में पार्टी के सहयोग के लिए यहां से गए नेताओं ने भाजपा की जीत पे झूमा दिया। ऐतिहासिक जीत पर वहां नेता तो यहां कार्यकर्ता फूले नहीं समा रहे। मिठाई बांटने के साथ कार्यकर्ताओं ने पटाखे दागे और जीत का जश्न मनाया। कुछेक जगहों पर भगवा रंग की बौछार की गई तो युवा ने झालमूड़ी बांट कर खुशी जताई। विधानसभा चुनावों के लिए विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक भी पश्चिम बंगाल गए थे। उन्हें पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठित विधान सभा सीट नैहाटी में प्रबंधन की दायित्व सौंपा गया था। उम्मीदवार ने यहां 12 हजार से अधिक मतों जीत दर्ज की।

भाजपा कार्यालय पहुंची राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला अन्य। अमृत विचार

नैहाटी सीट पर विजेता के साथ एमएलसी अरुण पाठक। अमृत विचार

बंगाल की जीत पर भाजपा में जश्न का माहौल

रसूलाबाद: देशके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं लोक-कल्याणकारी नीतियों पर देश वासियों का अटूट विश्वास है जो आज विधान सभा चुनाव के ऐतिहासिक परिणामों के रूप में पुनः परिलक्षित हुआ है। पश्चिम बंगाल में पहली बार सरकार बनना इसी अगाध विश्वास का सुफल है। यह बात सोमवार को पश्चिम बंगाल के घोषित हुए नतीजों में भाजपा को मिली प्रचंड सफलता से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं के जुलूस के बाद चौराहे पर एकत्रित जन समुदाय को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार ने कही। उन्होंने कहा कि जन-जन का यह अभूतपूर्व जनादेश प्रधानमंत्री जी के श्नए भारत-विकसित भारतश् के विराट संकल्प की सिद्धि को एक नई गति प्रदान करेगा। पश्चिम बंगाल में पार्टी को मिली अपार सफलता से उत्साहित क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक विजय जुलूस निकाला और पार्टी की विजय पर रसूलाबाद चौराहे पर लड्डू वितरित किए एवं आतिशबाजी के साथ में कार्यकर्ताओं ने जताया।

रसूलाबाद में विधायक की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशियां। अमृत विचार

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत खफा परिजनों ने लगाया जाम

मौके पर पहुंचे पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाली स्थिति, पटेल चौक के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः कानपुर-झांसी हाईवे पर सोमवार को हुए हादसे में युवक की मौत हो गई। पुखरायां के पटेल चौक के पास ट्रक ने सड़क पार कर रहे युवक रौंद दिया। इससे उसकी मौत हो गई। गुस्साए परिजनों व स्थानीय लोगो ने हाइवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। इसकी सूचना पर कोतवाली पुलिस के साथ-साथ सीओ भोगनीपुर मौके पर पहुंचे और नाराज लोगों को समझा-बुझा कर शांत किया।

पटेल नगर निवासी कन्हैया पुत्र हरिशंकर (22वर्ष) सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान उसके ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कन्हैया की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों व स्थानीय लोगो ने शव को नेशनल हाइवे पर रखकर जाम लगा दिया। जाम लगने से सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर राजीव सिरोही सर्कल का पुलिसबल लेकर मौके पर पहुंचे और मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नही माने।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे भोगनीपुर उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह व तहसीलदार ने मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया। एसडीएम देवेंद सिंह ने मृतक के परिजनों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया गया। परिजनों को उचित मदद का आश्वसन दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उत्तेजित लोगों को समझाते इंस्पेक्टर। अमृत विचार

मार्ग दुर्घटनाओं में नौ लोग घायल

रसूलाबाद। अलग-अलग स्थानों में हुए सड़क हादसे में 9 लोग घायल हुए। महबूबपुर रसूलाबाद निवासी प्रमोद 40 पुत्र शिवनारायण व रणधीर 50 पुत्र मांगू लाल की बाइक को अनियंत्रित कार ने टक्कर मार दी। इसमें दोनों घायल हो गए। दलेलपुर निवासी राजीव 30 पुत्र भगवानदीन, राहुल 30 पुत्र जसवंत व आसिफ 35 पुत्र इरशाद की बाइक में बिरहुन निवासी संतोष 40 पुत्र लज्जाराम व निजामुद्दीन 40 की बाइकें भिड़ने से पांच घायल हो गए। असालतगंज निवासी पिंकू का बेटा सनी 7 वर्ष ई रिक्शा की टक्कर घायल हो गया। रतनपुर खास निवासी मुन्नी देवी 70 पत्नी बना जी गांव के ही एक युवक के साथ बाइक में बैठकर घर जा रही थी। बाइक फिसलने से गिरकर घायल हो गई।

स्मार्ट मीटर को लेकर भड़का गुस्सा लोगों ने जुलूस निकाल किया प्रदर्शन

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील परिसर पहुंचे। एसडीएम शिखा संखवार को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की। बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए बैनर लेकर कस्बे के प्रमुख मार्गो से लोगों ने जुलूस भी निकाला। जुलूस में ग्रामीणों ने 'यह मीटर नहीं, लूट का मीटर है' जैसे नारे लगाए और स्मार्ट मीटर व्यवस्था पर सवाल उठाए।

जुलूस का नेतृत्व कर रहे कस्बा निवासी आशुतोष पाठक उर्फ सलोने ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अचानक भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि मीटर रीडिंग में पारदर्शिता की कमी है। जिससे उपभोक्ता स्वयं बिलों की जांच नहीं कर पा रहे हैं। उनके साथ मौजूद ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाये कि उपभोक्ताओं की सहमति के बिना जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। उनकी शिकायतों पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। तकनीकी खामियों के कारण मीटर अधिक यूनिट दर्शा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

- एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर की कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटरों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच पूरी होने तक पुराने मीटरों से ही बिलिंग की जाए। बढ़े हुए बिजली बिलों में संशोधन कर राहत दी जाए और क्षेत्र में विशेष शिविर लगाकर समस्याओं का समाधान किया जाए। ग्रामीणों ने मांग की है कि मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं की सहमति अनिवार्य की जाए। साथ ही, गरीब और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को विशेष राहत या सब्सिडी प्रदान की जानी चाहिए। मयंक त्रिपाठी, महेश सूरत त्रिपाठी, ऋतिक त्रिपाठी, हिमांशु यादव, छोटू यादव, अभिषेक तिवारी, नाजिम सिद्दीकी, मेराज पठान सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे। एसडीएम शिखा संखवार ने बताया कि ज्ञापन विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों को भेज दिया।

एसडीएम शिखा संखवार को स्मार्ट मीटर के विरोध में ज्ञापन देते ग्रामीण। अमृत विचार

पानी की गुणवत्ता का समय-समय पर परीक्षण कराएं अधिकारी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- डीएम ने की जल जीवन मिशन की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

अमृत विचारः कलेक्ट्रेट में सोमवार को जल जीवन मिशन को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पेयजल की गुणवत्ता का समय-समय पर परीक्षण कराया जाए तथा सभी परियोजनाओं की सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिए गए कि परियोजना निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत प्राथमिकता पर कराई जाए तथा परियोजनाओं के आसपास वृक्षारोपण कराया जाए। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को योजना से प्राथमिकता के आधार पर संतृप्त किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में एक्सियन, जल निगम द्वारा जल सारथी ऐप के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि यह ऐप आमजन को जल जीवन मिशन से संबंधित सेवाओं को उनके मोबाइल पर उपलब्ध कराता है। इसके माध्यम से नागरिक अपने क्षेत्र की पेयजल परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जलापूर्ति की स्थिति देख सकते हैं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर शिकायत एवं सुझाव दर्ज कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वह जल सारथी ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि पेयजल सेवाओं की निगरानी में जनसहभागिता बढ़े और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। कहा कि यह ऐप पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम है।

पानी की टोंटी से निकल रहा रंगीन पानी, इस्तेमाल से कतरा रहे लोग

संवाददाता, रनियां

- जानकारों ने जताई भू-गर्भ जल में क्रोमियम मिले होने की आशंका

अमृत विचारः खानचंद्रपुर इलाके में अवैध रूप से डंप क्रोमियम वेस्ट ने ख़ानचंद्रपुर इलाके के बाद अब रनियां टाउन को भी अपनी जद में लेना शुरू कर दिया है। एक ओर जहां लोगों के खून के नमूनों में क्रोमियम और मरकरी की पुष्टि हुई है तो वहीं सोमवार को केशव नगर में पेयजलापूर्ति की टंकी की टोंटी में रंगीन पानी निकलने से हड़कंप मच गया।

औद्योगिक क्षेत्र रनियां में पूर्व में संचालित केमिकल इकाइयों द्वारा ख़ानचंद्रपुर इलाके में अवैध रूप से करीब 80 हजार मीट्रिक टन क्रोमियम वेस्ट डंप किया गया था। इससे इलाके में भू-गर्भ जल प्रदूषित हो गया था। पिछले करीब ढाई दशक से ख़ानचंद्रपुर के बाशिंदे इसका दंश झेल रहे हैं। पिछले कुछ समय से रनियां नगर पंचायत में भी स्वास्थ्य संबंधी पेशानियों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लगभग चार सौ नगर वासियों के खून व यूरिन के नमूने संकलित किए थे। जांच में अधिकांश नमूने फेल हो गए और 314 लोगों के शरीर में क्रोमियम और मरकरी मानकों से काफी ज्यादा मिले। रिपोर्ट आने के बाद प्रशासनिक अमला सकते में आ चुका है।

सोमवार को केशव नगर निवासी दिनेश त्रिपाठी के आवासीय परिसर में लगी सप्लाई वाले पानी की टोंटी से अचानक रंगीन पीला पानी निकलने से हड़कंप मच गया।लोगों में पानी देख भय व्याप्त हो गया और वे घबरा गये। आस-पड़ोस के गिरेंद्र सिंह, सुरेश त्रिपाठी, दिनेश तिवारी, नीरज, द्विवेदी, विजय द्विवेदी, शिवम द्विवेदी सहित अन्य लोगों ने बताया कि भू-गर्भ जल में प्रदूषण बढ़ने से रोकने के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने पड़ेंगे नहीं तो ये गंभीर रूप ले लेगा। प्रकरण पर नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी मनीष राय का कहना है कि ओवरहेड टैंक से साफ पानी की आपूर्ति की जा रही है।

इस तरह गंदे रंग का निकल रहा पानी।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः शिवली कोतवाली क्षेत्र के रैपालपुर गांव में रविवार की रात एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे के कुंडे से बेडशीट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रैपालपुर गांव निवासी आजम ने पुलिस को बताया कि उसका बड़ा भाई इरफान (30) रनियां खानपुर में वेल्डिंग वर्कर के रूप में काम करता था। रविवार की शाम काम करने के बाद वह वापस घर आया था। रात में उसने घर की दूसरी मंजिल पर बने कमरे के अंदर पंखे के कुंडे से बेडशीट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इरफान का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ देख उसके परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मौके पर मौजूद परिजनों ने बताया कि मृतक इरफान की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व रहनुमा के साथ ही थी उसकी एक वर्ष की पुत्री रहमत है। भाऊपुर चौकी प्रभारी सोमवीर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

नुकसान के तनाव में पत्नी से झगड़ाकर की खुदकुशी

रसूलाबाद: रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंता गांव में आलू की फसल में हुए घाटे और आलू लगवाने आदि में मजदूरों को भुगतान न दे पाने से परेशान किसान ने तनाव में पत्नी से झगड़ा किया। इसके बाद हाईटेंशन लाइन के पोल के एंगल से गमछे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अंता रसूलाबाद निवासी अरविंद उर्फ झल्लू बाजपेई 40वर्ष पुत्र वंश नारायण ने रविवार रात मंधना में रहकर मजदूरी करने वाली पत्नी सपना से फोन पर हुए झगड़े से दुखी होकर गांव से बाहर निकली हाई टेंशन पोल के एंगल में गमछे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सुबह ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी, सूचना पाकर मौके पर पहुंचे तिश्ती चौकी इंचार्ज बृजेश कुमार ने प्रारंभिक छानबीन के बाद फॉरेंसिक टीम को बुलवाकर साक्ष्य संकलन करवाने के बाद फौती सूचना के आधार पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों के अनुसार मृतक किसान पिछले दो वर्षों से लगातार फसल में घाटा झेल रहा था।

चांदापुर गांव में अधेड़ ने फांसी लगाकर दे दी जान

कानपुर देहात: भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के चांदापुर गांव में अधेड़ ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और फिर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षेत्र के चांदापुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांचपड़ताल करते हुये शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रोशनलाल पुत्र लक्ष्मण प्रसाद (50) ने घर के अंदर दुपट्टे के सहारे जंगले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक अभिनेष चौधरी ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

आत्महत्या का किया प्रयास, भर्ती

उधर, कोतवाली क्षेत्र के ही अमरौधा कस्बा निवासी एक युवक में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या करने के प्रयास किया। कस्बा निवासी फरमान पुत्र फहीम ने घर के अंदर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया गया। यहां से उसे मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

युवा संसद कार्यक्रम से लौटे कन्हैया का हुआ स्वागत

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- विकसित भारत युवा संसद में पुखरायां के छात्र ने दी स्पीच

अमृत विचारः यूपी विधान सभा में आयोजित विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन कर लौटे कन्हैया गुप्ता का भव्य स्वागत किया गया। घर में माता-पिता सहित परिवारी जनों ने टीका लगा मुंह मीठा कराया। इसके बाद निरंतर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। शिक्षकों तथा कॉलेज के स्टाफ ने भी कन्हैया को गले लगाकर उम्दा परफारमेंस के लिए बधाई दी।

पुखरायां स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय के बीए तृतीय वर्ष के छात्र कन्हैया ने युवा संसद में अपने आत्मविश्वास, तार्किक प्रस्तुति और विषय की गहरी समझ के जरिए न केवल महाविद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। उनके विचारों में राष्ट्रहित के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता और सकारात्मक सोच देखने को मिली, जो आज के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। विधानसभा से घर लौटने पर कन्हैया का भव्य स्वागत किया गया। परिवार में खुशी का माहौल देखने को मिला। उनकी दादी ने मिठाई खिलाई, वहीं माता-पिता ने बेटे की सफलता पर गर्व जताया।

लौटने पर कन्हैया का टीका करतीं दादी।

तैयारी

पुलिस लाइन में थानों, जांच इकाइयों के स्टाफ को दिया जा रहा प्रशिक्षण

वीआईपी मूवमेंट के दौरान सुरक्षा का खींचा खाका

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारियों की शुरूआत कर दी है। सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देश पर कार्यक्रम हुआ। इसमें चुनावों के दौरान वीवीआईपी व वीआईपी भ्रमण कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करें, इसे लेकर टीओटी प्रशिक्षण का संचालन किया गया।

आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत जनपद में संभावित वीवीआईपी-वीआईपी भ्रमण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाए जाने हेतु पुलिस लाइन कानपुर देहात के सभागार कक्ष में टीओटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थानों-इकाइयों से चयनित अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वीवीआईपी-वीआईपी ड्यूटी के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं, रूट चार्ट, एस्कॉर्ट ड्यूटी, एंटी-सबोटाज चेकिंग, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं समन्वय स्थापित करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही, डेमो एवं प्रायोगिक अभ्यास के माध्यम से सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं को व्यवहारिक रूप से समझाया जा रहा है। एसपी ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षित कार्मिकों के माध्यम से अन्य पुलिस कर्मियों को भी प्रशिक्षित कर जनपद स्तर पर एक सुदृढ़ एवं सक्षम सुरक्षा तंत्र विकसित करना है, जिससे किसी भी वीवीआईपी-वीआईपी कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। इस दौरान प्रभारी वीआईपी सेल निरीक्षक देवेंद्र कुमार, टीओटी प्रशिक्षक निरीक्षक संजीवकुमार, टीओटी प्रशिक्षक सब इंसपेक्टर अनूप कुमार पांडेय, टीओटी प्रशिक्षक सब इंसपेक्टर अवनीश कुमार आदि रहे।

ट्रेनिंग के दौरान दिए जा रहे टिप्स को नोट करते पुलिस कर्मी। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

दलित युवक के घर दबंगों का उत्पात मारपीट का आरोप

कन्नौज। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। ग्राम लोधापुर उर्फ नन्दलालपुर निवासी शिवम पुत्र महिपाल सिंह के अनुसार गांव के ही कुछ लोग शराब के नशे में उसके दरवाजे पर पहुंचे और गालियां देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट और परिवार की महिलाओं के साथ भी अभद्रता की। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे, तब जाकर मामला शांत हुआ। पीड़ित का कहना है कि आरोपी अक्सर उसे जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित करते हैं और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते रहते हैं।

सड़क हादसों में दर्ज कराई गई रिपोर्ट

गुरसहायगंज कन्नौज। दो अलग-अलग हुए सड़क हादसों में चार लोगों की मृत्यु हो जाने के मामले में कोतवाली में वाहन चालकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। थाना तिर्वा के गांव उमरायपुरवा निवासी अनुराग ने कोतवाली में दर्ज कराए मामले में कहा है कि 28 अप्रैल को बाइक से पिता हरिप्रकाश के साथ घर जा रहा था कि गुरसहायगंज कोतवाली के इंदिरा नगर के निकट ताऊ रामचंद्र और उनके पुत्र हरिभान को खड़ा देखकर रुक गया। पिता और उक्त दोनों लोग बातचीत करने लगे। तभी मतौली की ओर से आए चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी जिससे रामचंद्र की स्थानीय सीएचसी में मृत्यु हो गई जबकि हरिभान और हरिप्रकाश की मृत्यु उपचार के दौरान कानपुर में हो गई। अगली घटना में कन्नौज कोतवाली के गांव जेवा निवासी कुमार गौरव ने ऑटो चालक के खिलाफ दर्ज कराए मुकदमे में कहा कि 20 अप्रैल को मेरे पिता जो रिटायर्ड टीचर थे। चालक की लापरवाही से ऑटो पलट गया और पिता अवधेश अग्निहोत्री की मृत्यु हो गई।

रिक्रूट आरक्षियों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

महोबा। पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलपहाड़ रविकान्त गोंड ने थाना कुलपहाड़ में समीक्षा बैठक करते हुए थाना स्तर पर संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई। उन्होंने थानाध्यक्ष को अभियान चलाकर वारंटियों की गिरफ्तारी करने और एनबीडब्ल्यू की तामीली शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश। नव नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों से वार्ता करते हुए उन्हें ईमानदारी, सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। बैठक दौरान क्षेत्राधिकारी ने निर्देश दिए कि अपराधियों की प्रभावी निगरानी एवं सत्यापन की कार्रवाई सतत रूप से की जाए । अपराध की रोकथाम के लिए आवश्यक पुलिसिंग कार्रवाई को और अधिक सुदृढ़ बनाए जाने को कहा।

टीबी के खिलाफ चलाई बड़ी मुहिम

103 मरीजों के हुए डिजिटल एक्स-रे, जांच कराने को उमड़ी लोगों की भीड़

संवाददाता, बिल्हौर

शिविर में मरीजों के डिजिटल एक्सरे करते डॉक्टर। अमृत विचार

अमृत विचार। ककवन विकासखंड क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों से टीबी (क्षय रोग) के बढ़ते ग्राफ ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सोमवार को विकासखंड मुख्यालय पर एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध मरीजों की त्वरित पहचान कर उन्हें उचित उपचार उपलब्ध कराना रहा।

इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में विशेष रूप से अत्याधुनिक डिजिटल एक्स-रे मशीनों के जरिए मरीजों की सघन जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अनुज दीक्षित की देखरेख में आयोजित इस कैंप में सुबह से ही मरीजों का तांता लगा रहा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुल 103 मरीजों का परीक्षण कर उनके एक्स-रे नमूने लिए। मरीजों की जांच और परामर्श के लिए स्वास्थ्य विभाग के अनुभवी विशेषज्ञों की टीम मुस्तैद रही। इसमें मुख्य रूप से डॉ. अनुज दीक्षित (प्रभारी, सीएचसी ककवन), संजीव वर्मा (एक्स-रे टेक्निशियन), डॉ. नवनीत कटिहार, मनोज कनौजिया (टीबी प्रभारी), बृजेश कुमार (स्वास्थ्य कर्मी) मौजूद रहे।

ककवन बना 'हॉटस्पॉट' तो बढ़ी चिंता : गौरतलब है कि कानपुर जनपद में इन दिनों ककवन विकासखंड क्षेत्र टीबी के मरीजों के मामले में सबसे संवेदनशील बना हुआ है। बीते तीन सालों के आंकड़े बताते हैं कि यहाँ मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि जिला प्रशासन को ककवन क्षेत्र में निगरानी और भी सख्त करनी चाहिए। स्थानीय स्तर पर टीबी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को भी बेहद सजग रहना चाहिए जिससे मरीजों की संख्या ज्यादा ना बढ़े इसके लिए रोकथाम में आशा बहू संगिनी को भी सक्रिय रूप से भूमिका अपनी निभानी होगी।

रोकथाम के लिए कड़े नियमों की दरकार : क्षेत्र में बढ़ते मरीजों को देखते हुए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि केवल शिविर तक ही सीमित न रहकर, गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाया जाए और पोषण किट के वितरण में तेजी लाई जाए।

वहीं सीएचसी प्रभारी डॉ. अनुज दीक्षित ने कहा कि हमारा लक्ष्य टीबी मुक्त ब्लॉक बनाना है। अधिक से अधिक जांचें कर हम मरीजों को शुरुआती चरण में ही ट्रैक कर रहे हैं ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके और देश को टीबी मुक्त बनाया जा सके।

शराब के नशे में पड़ोसी ने दंपति को पीटा

बिल्हौर। थाना ककवन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम छोटी कुरौली में शराब के नशे में धुत एक युवक द्वारा अपने ही पड़ोसी के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ग्राम छोटी कुरौली निवासी राधेश्याम 30 ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर वह अपने घर पर थे। तभी गांव का ही रहने वाला वासुदेव पुत्र लाखन सिंह, जो कि शराब के नशे में था, उनके दरवाजे पर आकर गालियां देने लगा। जब राधेश्याम ने उसे मना किया, तो आरोपी ने उन्हें लात-घूसों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर जब राधेश्याम की पत्नी कमलेश कुमारी बीच-बचाव करने पहुंचीं, तो आरोपी ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में पति-पत्नी दोनों को शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। जाते-जाते आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिसने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दहेज के लिए विवाहिता को दी धमकी, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, शिवराजपुर

- सास, ससुर, पति व देवर के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

अमृत विचार। क्षेत्र से दहेज उत्पीड़न और महिला उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक विवाहिता ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष पर मारपीट, अतिरिक्त दहेज की मांग और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

पीड़िता दीक्षा (28) निवासी ग्राम खोदन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 24 मई 25 को अर्पित शुक्ला निवासी कृष्णा नगर, रामादेवी के साथ हुई थी, जिसमें उसके परिवार ने करीब 35 लाख रुपये खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के कुछ ही दिनों बाद ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त 9 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी गई। पीड़िता के मुताबिक, मांग पूरी न होने पर पति, सास-ससुर और अन्य परिजनों ने उसके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि 12 जनवरी 26 की रात देवर ने उसके कमरे में घुसकर गलत हरकत करने की कोशिश की। विरोध करने पर ससुराल पक्ष ने उल्टा उसे ही प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं, पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके पति ने तमंचा लगाकर जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर मोहल्ले के लोगों के पहुंचने पर उसकी जान बच सकी। आरोप है कि 21 फरवरी 26 को ससुराल पक्ष ने मारपीट कर उसके जेवर और सामान छीन लिए और उसे घर से निकाल दिया। किसी तरह पीड़िता ने अपने मायके वालों को सूचना दी, जिसके बाद उसे वहां से ले जाया गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति अर्पित शुक्ला व सास पूनम, ससुर संजय शुक्ला, देवर आर्यन शुक्ला व सुधीर शुक्ला के खिलाफ अभियोग दर्ज कर लिया है।

शराब ठेका हटवाने को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

सड़क पर प्रदर्शन करतीं महिलाएं। अमृत विचार

संवाददाता पनवाड़ी महोबा

अमृत विचार। कस्बे देवगनपुरा बाईपास में स्थित शराब ठेका तीन सरकारी स्कूलों के बने होने और वहां से गुजरने वाली महिलाओं युवतियों को आयेदिन तमाम दुश्वारियों का सामना किए जाने को लेकर क्षेत्र की महिलाएं एकजुट होकर सड़क पर उतर आई और शराब ठेका को हटवाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर टीम के साथ पहुंचे आबकारी इंस्पेक्टर और महिलाओं के मध्य तीखी नोकझोंक के बाद मामला शांत हो सका।

प्रदर्शन कर रही रामकुमारी, प्रेमवती तारा देवी, राममूर्ति व ममता सहित कई महिलाओं ने बताया कि शराब ठेके के बाहर हर समय शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिस कारण राहगीरों, विशेषकर महिलाएं और छात्राएं यहां से गुजरते समय असुरक्षित महसूस करती हैं। बताया कि बाईपास के आसपास तीन सरकारी स्कूल होने के बावजूद शराब ठेका संचालित किया गया, जिससे बच्चों पर इसका गलत असर पड़ सकता है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठेका नहीं हटाया गया तो वे जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन कर शिकायती पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगायेंगी। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। देवगनपुरा बाईपास में शराब ठेके पर महिलाओं के प्रदर्शन किए जाने की सूचना मिलते ही टीम के साथ आबकारी इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और महिलाओं को काफी समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन महिलाएं अपनी जिद पर अड़ी रही, जिसके चलते आबकारी इंस्पेक्टर और महिलाओं के बीच तूतू मैंमैं भी हुई, लेकिन किसी तरह मामला शांत कराया गया।

सर्विलांस सेल की मदद से बरामद किए 15 स्मार्टफोन

बिल्हौर। अपराध नियंत्रण और नागरिकों की सहायता के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, थाना बिल्हौर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने तकनीकी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए विभिन्न स्थानों से गुम हुए 15 कीमती स्मार्टफोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 2 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देशानुसार और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार के नेतृत्व में थाना बिल्हौर पुलिस और सर्विलांस सेल पश्चिम जोन की संयुक्त टीम ने इन मोबाइलों को खोजने के लिए आधुनिक तकनीकी संसाधनों का सहारा लिया। पुलिस टीम ने मोबाइल फोन ट्रैकिंग, विभिन्न तकनीकी सॉफ्टवेयर और मानवीय सूचनाओं का सटीक समन्वय स्थापित कर इन फोन को ट्रैक करने में सफलता प्राप्त की। बरामद किए गए सभी फोन स्मार्टफोन हैं। थाना परिसर में मोबाइल बरामदगी की सूचना पाकर जब उनके वास्तविक स्वामी वहां पहुंचे, तो अपने खोए हुए फोन वापस पाकर उनके चेहरे खिल उठे। आम जनमानस ने बिल्हौर पुलिस के इस अथक प्रयास और उनकी सक्रियता की भूरी-भूरी प्रशंसा की है।

शिवराजपुर में जीत की खुशी मनाते भाजपाई। अमृत विचार

ककवन में कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाते विधायक राहुल बच्चा सोनकर।

तीन राज्यों की जीत पर जमकर झूमे भाजपाई

संवाददाता, बिल्हौर

- बिल्हौर, शिवराजपुर व घाटमपुर में भाजपाइयों ने ढोल नगाड़े बजाकर छुटाई आतिशबाजी

घाटमपुर में झालमुरी वितरण करते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। पश्चिम बंगाल समेत तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत से यहां के कार्यकर्ता जबरदस्त उत्साहित व खुश दिखाई दिये। इसी के चलते बिल्हौर, ककवन, शिवराजपुर व घाटमपुर समेत तमाम जगहों पर भाजपाई जमकर आतिशबाजी छुड़ाते हुए ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर झूमे और एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर जीत की शुभकामनाएं दीं।

बिल्हौर : यहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जीत का जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों की थाप और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। यहां पर क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह जीत विकास और विश्वास की जीत है। वहीं, बिल्हौर कस्बे के अन्य हिस्सों में जिला महामंत्री जयप्रकाश कटियार की अगुवाई में भी विजय उत्सव मनाया गया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष शुभ्रांशु कटियार, सौरभ शर्मा, विक्रम मिश्रा, शशांक मिश्रा, गुड्डा तिवारी और रिंकू कटियार समेत दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं ककवन में भाजपाइयों ने हनुमान मंदिर पर लड्डू बांट कर जश्न मनाया। यहां पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित प्रताप सिंह, लाला शुक्ला, अनुज अवस्थी, टिंकू सिंह, मनोज प्रताप सिंह, छोटू एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। उत्तरीपुरा में जिला महामंत्री मंडल अध्यक्ष ने मिठाई बांट कर साथियों के साथ जीत का जश्न मनाया। वहीं शिवराजपुर में भी क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। वहीं ब्लॉक मुख्यालय में ब्लॉक प्रमुख शुभम वाजपेई, बिरजू मिश्रा ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया।

घाटमपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खाई और खिलाई झालमुरी

घाटमपुर। घाटमपुर में भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। यहां पर घाटमपुर नगर मंडल अध्यक्ष रोहित सोनी के नेतृत्व में मिठाई व झालमुरी वितरित की गई। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह, शशि भूषण द्विवेदी, गौ सेवक डब्बू शुक्ला, उत्कर्ष शुक्ला, रमन अवस्थी, विक्रम गोस्वामी, बीरेंद्र चौहान, विजय मिश्रा, हिमांशु सचान, स्नेहहंस, शिवम सिंह, पुनीत दिक्षित, प्रदीप आदि रहे।

कर्ज के बोझ, तंगी में टेंट हाउस मालिक ने दी जान

संवाददाता, छिबरामऊ कन्नौज

अमृत विचार। कर्ज के बोझ और लगातार परेशानी से तंग आकर मिलन टेंट हाउस के मालिक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक नौगाई गांव का निवासी था और कोतवाली क्षेत्र की कुंवरपुर कंडोली चौकी के अंतर्गत नॉर्मल स्कूल के पास अपनी दुकान चलाता था।

बेटे आमिर ने बताया कि उनके पिता मखदूम ने छिबरामऊ नगर के कई लोगों से ब्याज पर रुपये उधार लिए थे। कर्जदार रोजाना पैसे मांगने आते और उन्हें परेशान करते थे। इससे क्षुब्ध होकर रविवार देर रात टेंट हाउस की दुकान में लगे पंखे से रस्सी बांधकर फंदा लगा लिया। सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचा तो उसने पिता को पंखे से लटका देखा। तुरंत आसपास के लोगों को सूचित किया।

झोपड़ी में लगी आग से किसान की मौत

कन्नौज। क्षेत्र के गांव राईपुर चिनहटपुर निवासी 45 वर्षीय किसान ओमकार अपने साथी राम अवतार के साथ फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर ठहरे हुए थे। रविवार देर रात किसी अज्ञात कारण से झोपड़ी में अचानक आग लग गई। आग ने पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों किसान बुरी तरह झुलस गए। ओमकार की मौके पर ही मौत हो गई।

कार सवार लुटेरों ने महिलाओं को लूटा

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। आगरा-कानपुर नेशनल हाईवे पर रविवार देर रात तिलक समारोह से ई-रिक्शा से अपने घर लौट रही महिलाओं को निशाना बनाकर बेखौफ कार सवार बदमाशों ने असलहा के बल पर लूट लिया। बदमाश महिलाओं के पास से करीब साढ़े चार लाख रुपये के आभूषण व नकदी लूटकर फरार हो गए। हाईवे पर हुई लूट की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

गांव मानिकपुर मोहन (कराईपुरा) निवासी सरस्वती पत्नी राजेश कुमार अपनी सास सुमित्रा, देवरानी संध्या और प्रियंका के साथ महेवा स्थित विजयलक्ष्मी मैरिज होम में आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने आई थीं। वे तिलक समारोह में शामिल होने के बाद ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। ई-रिक्शा गांव के ही प्रहलाद का था। रात करीब 12:10 बजे जैसे ही उनका वाहन पूर्वी तिराहे, परमानंद आश्रम के पास पहुंचा, तभी बिना नंबर की सफेद कार ने ओवरटेक कर रास्ता रोक लिया। कार से उतरे तीन नकाबपोश बदमाशों के हाथों में तमंचा और लोहे की रॉड थी। बदमाशों ने पहले चालक के साथ मारपीट की और फिर महिलाओं की कनपटी पर तमंचा लगाकर इनके पास से जेवरातों से भरा बैग छीनकर मौके से फरार हो गए। पीड़ितों के अनुसार बदमाश करीब साढ़े चार लाख रुपये के आभूषण लूट ले गए, जिनमें लगभग 450 ग्राम चांदी के और 12 ग्राम सोने के जेवरात और नकदी शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

पुलिस गिरफ्त में पकड़े गए वाहन चोरी के आरोपी व उनके पास से बरामद बाइकें।

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। थाना सैफई पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम नगला चैनसुख जंगल व रकुईया नहर पुल के पास से अंतर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों के पास से चोरी की 14 बाइकें तमंचा कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया।

एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना प्रभारी सैफई भूपेन्द्र सिंह राठी पुलिस टीम के साथ रकुईया नहर पुल पर संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी कि चार मोटर साइकिलों पर कुछ व्यक्ति जिन पर चोरी की मोटर साइकिलें हैं वे कुर्रा की ओर से हवाई पट्टी की तरफ से आ रहे हैं। ये लोग जैसे ही यहां पर आये पुलिस टीम द्वारा इन्हें रुकने का इशारा किया गया तो सभी मोटर साइकिल सवार भागने लगे। इस पर पुलिस टीम द्वारा आवश्यक बल प्रयोग कर 5 आरोपियों को रकुईया नहर पुल के पास से तथा उनकी निशानदेही पर 3 अन्य साथियों को ग्राम नगला चैनसुख जंगल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गये आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम विनय निवासी जिला मैनपुरी, महकेन्द्र निवासी मैनपुरी, संजय निवासी जिला मैनपुरी, पवन निवासी जिला मैनपुरी, सौरभ निवासी जिला मैनपुरी, निखिल निवासी जिला मैनपुरी, धर्मेन्द्र निवासी जिला मैनपुरी, राहुल शाक्य निवासी जिला मैनपुरी बताया। उनकी निशान देही पर पुलिस ने कुल 14 बाइकें व तमंचा कारतूस बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों द्वारा बताया गया कि हम लोग पीजीआई सैफई व आसपास के क्षेत्र में घूम फिरकर रेकी कर ग्रुप बनाकर वाहन चोरी करते हैं। उन्होंने बताया कि थाना सैफई क्षेत्रान्तर्गत पीजीआई सैफई में 24 अप्रैल 2026 को तथा 27 अप्रैल 2026 को एक एक मोटर साइकिल हम लोगों ने चोरी की थी।

धमकी मिलने का मामला

नसरापुर आंबेडकर प्रतिमा के निकट रोके गये

पुलिस को छका ज्ञापन देने पहुंचे भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अतरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सूरज कुमार। अमृत विचार

अमृत विचार। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष को धमकी मिलने के मामले में कलक्ट्रेट में डीएम को ज्ञापन देने की घोषणा की गई। पुलिस जिलाध्यक्ष समेत कार्यकर्ताओं को सुबह से ही रोकने के लिये तैयार थी। कलक्ट्रेट जाते समय पुलिस ने आंबेडकर प्रतिमा नसरापुर में काफिले को रोक लिया। यहां कार की छत से भाषण देकर उन्होंने अतरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष को धमकी के मामले में सोमवार को संगठन को डीएम को ज्ञापन देना था। कार्यकर्ता सुबह से ही घरों से निकलने लगे। पुलिस ने इनको रोकने के लिये पाल चौराहा पर बैरियर लगाया। कई ट्रैक्टर रोककर कार्यकर्ता वापस किये गये पर वह गोल कुआं मानपुर रोड होते हुए नसरापुर अंबेडकर प्रतिमा के निकट पहुंच गये। जानकारी पर एएसपी अजय कुमार, सीओ कुलवीर सिंह, गुरसहायगंज कोतवाल अजय अवस्थी, कन्नौज कोतवाल जितेंद्र प्रताप सिंह. ठटिया थानाध्यक्ष अमित कुमार, समेत कई थानों की पुलिस को बुला लिया गया। कार्यकर्ता पुलिस पर आरोप लगा रहे थे कि उनके जिलाध्यक्ष को रोक लिया इस लिये वह पाल चौराहा जा रहे। जबरन जाने का प्रयास किया तो पुलिस से धक्कामुक्की हुई।

बाद में जिलाध्यक्ष कार की छत पर खडे होकर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ नसरापुर अंबेडकर प्रतिमा के निकट पहुंचे। यहां करीव एक घंटे तक भाषण हुआ। इसके बाद अतरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग

कन्नौज। भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सूरज कुमार निवासी ग्राम पंचायत काकरकुई थाना सौरिख ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट नवनीता राय को सौंपा। इसमें कहा कि 26 अप्रैल को रुपेश भदौरिया ने उन्हें फोन पर जान से मारने की धमकी दी। जब वह तालग्राम थाने के लिए निकले तो रास्ते में उसे फोन कर जाति सूचक गाली दी गई। थाने से लौटते समय आरोपियों ने कार का पीछा कर जान से मारने का प्रयास किया गया। आरोपियों ने घटना से संबंधित रील बना कर सोशल मीडिया पर अपलोड की। मामले में कार्रवाई की मांग की गई।

करंट से संविदा विद्युत कर्मी की मौत

फर्रुखाबाद। थाना क्षेत्र स्थित ग्राम फतेपुर राव साहिब निवासी ओमकार राजपूत का 22 वर्षीय पुत्र सुशील कुमार ग्राम फतेपुर राव साहिब फीडर का बिजली विभाग में संविदा लाइनमैंन है आज दिन में जीरागौर ग्राम में अपने साथी प्रशांत के साथ बिजली पोल पर चढ़कर बिजली ठीक करने गया था तभी उसकी चलती लाइन से खंभे से उसको जोरदार करंट लगा जिससे वह खंभे से गिरकर घायल हो गया साथी प्रशांत ने आवाज देकर मौके पर ग्रामीणों को बुलाया आनन फानन में उसको तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कमालगंज में भर्ती कराया गया जहां पर डॉक्टर मानसिंह ने सुशील को मृत घोषित कर दिया।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

केडीए उपाध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

कानपुर। शासन के निर्देश पर आईएएस अंकुर कौशिक ने सोमवार को कानपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय में पद ग्रहण कर कार्यभार संभाला। इस दौरान केडीए के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि काम में लापरवाही बर्दाश्त न होगी।

अंकुर कौशिक।

काठगोदाम गरीब रथ 2 जून तक निरस्त

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से काठगोदाम तक चलने वाली गरीब रथ एक्सप्रेस 2 जून 2026 तक निरस्त रहेगी। इस गाड़ी का निरस्तीरण बहाल किया गया था लेकिन एक बार फिर इस गाड़ी को रद्द कर दिया गया है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 12209 कानपुर सेंट्रल स्टेशन से काठगोदाम 2 जून तक निरस्त रहेगी जबकि गाड़ी संख्या 12210 काठगोदाम से कानपुर सेंट्रल स्टेशन आने वाली गरीब रथ 1 जून 2026 तक निरस्त रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22431 सूबेदारगंज से शहीद कैप्टन तुषार महाजा तक चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन 14 जून 2026 तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 20433 सूबेदारगंज से श्री माता वैष्णो कटरा 14 जून तक रद रहेगी। गाड़ी संख्या 20434 श्री माता वैष्णो कटरा से सूबेदारगंज जाने वाली गाड़ी 15 जून तक रद्द रहेगी।

मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों के चालान

कानपुर। सोमवार को डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार के दिशा निर्देशन में यातायात पुलिस ने शहर के विभिन्न चौराहों पर मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर वाले 774 वाहनों के चालान किये गये। डीसीपी ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक सड़कों पर स्टंट करने वाले एवं मॉडिफाइड उपकरणों से शांति भंग करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली चोरी पकड़ी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने बिजली चोरी रोकने के लिए चेकिंग अभियान चलाया। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा ने बताया कि टीम को दलेलपुरवा में फुरकान अहमद खान, फरहीन और नानकारी आईआईटी में अंजू उर्फ मायावती को बिजली चोरी करते पकड़ा, जिनके खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

सास की जान लेने वाले जर्मन शेफर्ड ने बहू को भी काटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विकास नगर की घटना, नगर निगम कुत्ते को पकड़कर दोबारा भेजेगा शेल्टर होम

90 साल की वृद्धा की जान ले चुका है पिछले साल

01 मई को ही दोबारा घर लाया गया था

अमृत विचार। विकास नगर में बीते वर्ष 90 वर्षीय वृद्धा की जान लेने वाले पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते ने शनिवार रात उनकी बहू पर हमला कर दिया। हमले वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने उन्हें सर्वोदय नगर स्थित एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। नगर निगम अब फिर से इस कुत्ते को पकड़कर शेल्टर होम भेजेगा, ताकि फिर से कोई हादसा न हो सके।

विकास नगर में बीते वर्ष 19 मार्च को 90 वर्षीय मोहिनी त्रिवेदी पर पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते ने हमला कर दिया था, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई थी। वह पुडुचेरी के पूर्व उपराज्यपाल त्रिभुवन प्रसाद तिवारी की बहन थीं। तब नगर निगम की टीम ने कुत्ते को अपने कब्जे में ले लिया था। लेकिन कुछ दिनों बाद बेटा प्रशांत कुत्ते को वापस ले आया था, क्योंकि नगर निगम में कुत्ते का पंजीकरण था। उसने कुत्ते को किसी जगह रखवा दिया था और एक मई को वह उसे फिर घर ले आया था। कुत्ते ने शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे प्रशांत की गैर मौजूदगी में उसकी मां किरन त्रिवेदी पर हमला कर दिया, जिसकी वजह से उनके दोनों हाथों में गंभीर चोट आई। हालांकि उनका कहना कि वह घर में पड़े कबाड़ पर गिरने से घायल हो गई। देर रात घर पहुंचे प्रशांत ने कुत्ते के हमले में मां के घायल होने की बात कहते हुए उन्हें सर्वोदय नगर स्थित एक हास्पिटल में भर्ती कराया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.आरके निरंजन ने बताया कि पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते का पंजीकरण है। जब पहले हादसा हुआ था तो नगर निगम कैटल कैचिंग दस्ता कुत्ते को पकड़ ले गया था, लेकिन परिवार ने एक हलफनामा दिया कि अगर कुत्ते ने किसी पर भी हमला किया तो जिम्मेदारी उनकी होगी। दोबारा हमले की जानकारी मिली है, मंगलवार को टीम भेजकर कुत्ते को पकड़ा जाएगा।

जर्जर मकान गिरने से मजदूर की जान गई

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में जर्जर मकान की स्लैब तोड़ने के दौरान हुए हादसे में एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना रविवार की है, जब मकान का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया और युवक मलबे में दब गया। सनिगवां निवासी 27 वर्षीय साजिद मजदूरी करता था। परिवार में मां बेगम, छोटा भाई आशिक और चार बहनें हैं। पिता शाहिद ने बताया साजिद रविवार को इलाके के पिंटू के मकान में जर्जर छज्जा तोड़ने का काम करने गया था। इसी दौरान मकान का एक हिस्सा अचानक गिर पड़ा और वह उसके नीचे दब गया। साथी मजदूरों ने उसे निकाला और हैलट अस्पताल में भर्ती कराया।

बैंक कर्मी पर हमला, लोहे की रॉड से पीटकर किया घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी थाना क्षेत्र के गांधीग्राम में पुराने विवाद को लेकर एक बैंक कर्मी पर उसके ही सहकर्मी द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने घर में घुसकर लोहे की रॉड से वार कर पीड़ित को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

मूलरूप से गाजीपुर के दिलदार नगर बाजार निवासी सुनील कुमार सिंह वर्तमान में चकेरी स्थित एक निजी बैंक में कार्यरत हैं और गांधीग्राम में किराये के मकान में रहते हैं। पीड़ित ने बताया एक मई की सुबह उनके बैंक का सहकर्मी अंशू पाल अचानक उनके कमरे में घुस आया। इसके बाद दोनों के बीच पुराने विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि अंशू पाल ने गाली-गलौज करते हुए सुनील के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह लहुलुहान हो गए। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर चकेरी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि आरोपित की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कानपुर- लखनऊ एक्सप्रेस वे का काम 15 तक पूरा होगा

सरोजनी नगर से बनी तक के पैकेज का जारी होना है पूर्णता प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

शानदार बनाया गया है लखनऊ एक्सप्रेसवे।

46 हजार पौधे लगाने का काम चल रहा है

63 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस वे बन रहा है

47 सौ करोड़ रुपये से एक्सप्रेस वे बन रहा है

- प्रमाण पत्र जारी होने के बाद प्रधानमंत्री का कार्यक्रम तय होगा

अमृत विचार। कानपुर- लखनऊ एक्सप्रेस वे के लोकार्पण की तिथि 15 मई के बाद तय होगी। इससे पहले ही इस एक्सप्रेस वे के निर्माण का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल सरोजनगरी नगर स्थित सैनिक स्कूल से बनी तक का काम पूरा होना है और इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की तकनीकी टीम मौके का मुआयना करेगी और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करेगी। अगर कोई कमी होगी तो उसे दूर भी कराएगी। इसके बाद प्रधानमंत्री से लोकार्पण के लिए समय मांगा जाएगा।

एक्सप्रेस वे का निर्माण दो पैकेज में हो रहा है। प्रथम पैकेज सरोजनी नगर स्थित सैनिक स्कूल से बनी तक 18 किलोमीटर का है और दूसरा पैकेज बनी के आगे प्रधान ढाबा से आजाद चौराहा तक 45 किलोमीटर का है। दूसरे पैकेज का कंपलीशन सर्टिफिकेट फरवरी 2026 में जारी हो चुका है, लेकिन प्रथम पैकेज का काम पूरा नहीं हो पाया। उम्मीद थी कि 25 मार्च तक हो जाएगा और प्रधानमंत्री से गंगा एक्सप्रेस वे के साथ ही लोकार्पण करा दिया जाएगा पर ऐसा नहीं हो सका। एक्सप्रेसवे के शिवपुरा (खांडेदेव) में टोल बैरियर लगाने का काम अभी चल रहा है। एलिवेटेड रोड पर फिनिशिंग का काम भी तेजी से हो रहा है। दारोगा खेड़ा में कट बंद होना शेष है। एनएचएआई कट बंद करना चाहता है लेकिन स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। इस एक्सप्रेस वे के किनारे ही इंटीग्रेटेड टाउनशिप बसाने की योजना है। यह कार्य उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण करेगा। भविष्य में इस एक्सप्रेस वे को कानपुर आउटर रिंग रोड से भी जोड़ने की योजना है।

मौसम बदला, 24 घंटे में 5 डिग्री गिरा पारा

कानपुर। 24 घंटे के भीतर मौसम में आए बदलाव से अधिकतम पारा (दिन का) लगभग 5 डिग्री सेल्सियस कम हुआ है। यह सामान्य से 8.9 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज हुआ है। मौसम विशेषज्ञों ने इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ के असर को बताया है। यह संभावना भी जताई है कि मंगलवार को भी बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। बूंदाबादी व बारिश हो सकती है।

शहर में सुबह से ही मौसम में बदलाव रहा। बादलों से बारिश जैसे हालात बने लेकिन कुछ इलाकों में बूंदाबादी तक ही सीमित रही। उत्तर पूर्व तेज हवाओं ने तापमान गिराया। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि मंगलवार को कानपुर मंडल में धूप नरम होने के साथ ही बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इसके अलावा हवा में नमी का प्रवाह अधिक होने साथ ही गर्मी और हीट इंडेक्स भी कम रहने की संभावना है। आगे आने वाले दिनों में तापमान सामान्य से कम रह सकता है। 5 मई को तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी व बौछारों के साथ ही धूल भारी आंधी आने की संभावना है। शहर के कुछ क्षेत्रों मेंओलावृष्टि की भी संभावना बन रहीं है।

लोक अदालत की जानकारी देते विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य। अमृत विचार

नौ मई को राष्ट्रीय लोक अदालत हजारों मामले सुलझाए जाएंगे

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- आठ मई तक सुनवाई वाले मुकदमे तय हो जाएंगे

अमृत विचार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर द्वारा नौ मई को शहर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत जनपद न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना अधिकरण और सभी तहसीलों में एक साथ आयोजित होगी। प्राधिकरण ने आठ मई तक अधिकतम वादों को चिह्नित कर सुलह-समझौते के माध्यम से उनके निस्तारण का लक्ष्य तय किया है।

जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष अनमोल पाल ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य आम लोगों को सस्ता, त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने लंबित मामलों के समाधान के लिए लोक अदालत में भाग लें। उन्होंने कहा कि शमनीय आपराधिक मामले, लघु वाद और आपसी सहमति से सुलझने वाले सिविल प्रकरण यहां निपटाए जाते हैं। पारिवारिक विवादों में भी आपसी समझौते से रिश्तों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। नोडल अधिकारी रश्मि सिंह ने बताया बैंक वसूली, किरायेदारी, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना, राजस्व, श्रम, वाणिज्य कर, चकबंदी, पारिवारिक व चालानी वादों का निस्तारण किया जाएगा। ट्रैफिक चालान का भुगतान पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी संभव है। प्राधिकरण के सचिव अभिनव तिवारी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों, बैंकों और अधिवक्ताओं से समन्वय किया जा रहा है। जनजागरूकता के लिए पांच मई को कार रैली भी निकाली जाएगी।

एनएसआई में प्रवेश शुरू, 25 तक ऑनलाइन आवेदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इंटर पास युवा भी कर सकते हैं आवेदन

अमृत विचार। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसमें कई कोर्स में इंटर पास युवा भी आवेदन कर सकते हैं। युवा 25 मई तक ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया के लिए शुल्क 1 हजार रुपये से 15 सौ तक रखा गया है। यह शुल्क आवेदक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। कोर्स में प्रवेश के लिए युवाओं को 7 जून को प्रवेश परीक्षा देनी होगी। युवा 1 जून को अपना प्रवेश पत्र डाउन लोड कर सकेंगे। परीक्षा के लिए पुणे, चेन्नई, दिल्ली, कानपुर, कोलकाता, पटना, गोरखपुर, मेरठ, मध्य प्रदेश व भोपाल में केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

इन कोर्स में होंगे एडमिशन

- स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम एएनएसआई के लिए 66 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए 62 सीटें निर्धारित की गई है। गन्ना उत्पादकता एवं परिपक्वता प्रबंधन डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए 20 सीटों पर प्रवेश लिए जाने हैं। डीक्यूसीईएम में 22 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। एक अन्य कोर्स एसबीसीसी में 63 सीटों पर युवा आवेदन कर सकेंगे। सीसीक्यूसी में 30 सीटों पर युवा ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

कानपुर का आखिरी जत्था हज के लिए सऊदी रवाना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 15 साल के बच्चों का वीजा सऊदी ने रद्द किया था, अब दुबारा बन रहा
- आखिरी जत्थे में शहर से 12 आजमीन रवाना हुए

अमृत विचार। सऊदी सरकार ने 15 साल के कम उम्र के बच्चों को हज पर जाने से रोक लगा दी थी लेकिन भारत सरकार के हस्तक्षेप के बाद बच्चों पर लगाई गई पाबंदी सऊदी सरकार ने हटा ली है। अब बच्चे भी हज पर जा सकेंगे। सोमवार को कानपुर से हज आजमीन का आखिरी जत्था चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट लखनऊ के लिए रवाना गया। इस जत्थे में 12 आजमीन शामिल थे। ये जत्था लखनऊ से मदीना एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेगा।

बीते दिनों सऊदी सरकार ने जद्दा स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से ये फरमान जारी किया था कि 15 साल के कम उम्र के बच्चों को वीजा नहीं दिया जाएगा। सऊदी सरकार ने जिन बच्चों का वीजा अपने वाल्दैन आजमीन के साथ लगा था, सब निरस्त कर दिये थे लेकिन भारत सरकार के प्रयास और हज कमेटी ऑफ इंडिया को बड़ी कामयाबी मिल गई है। सऊदी सरकार ने ये आदेश जारी कर दिया है कि इस वर्ष बच्चे अपने वाल्दैन के साथ हज के लिए जा सकेंगे लेकिन अगली बार ये मौका नहीं दिया जाएगा।

उधर तंजीम खुद्दाम-ए-हज कमेटी के प्रमुख सरदार खां ने बताया कि जिन बच्चों के वीजा सऊदी सरकार ने निरस्त कर दिये थे, ऐसे बच्चों के दुबारा वीजा बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 22 और 23 अप्रैल को कानपुर के जो आजमीन लखनऊ से मदीना एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरे थे, वह शनिवार को मदीना से मक्का पहुंच गये हैं। उन्होंने बताया कि कानपुर के 12 आजमीन बचे थे जो सोमवार को रवाना हो गये।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

समस्या | रेलवे गेट 24 घंटे में 15 घंटे से अधिक बंद रहता, 250 से अधिक ट्रेनें रोज गुजरतीं

गोविंदपुरी स्टेशन की ट्रेनें सुजातगंज क्रासिंग का नासूर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

गोविंदपुरी स्टेशन पर खड़ी ट्रेन। अमृत विचार

- मालगाड़ी के लिए बनाए गए बाईपास से अब गोविंदपुरी की सवारी गाड़ियां चल रहीं

अमृत विचार। गोविंदपुरी स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या बढ़ने से सुजातगंज रेलवे क्रासिंग की मुसीबत बढ़ गयी है। ये क्रासिंग अब 24 घंटे में लगभग 15 घंटे बंद रहती है जिससे घंटों जाम लगा रहता है। ये बाईपास रूट मालगाड़ियों के लिए बनाया गया था लेकिन सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों की भीड़ कम करने के लिए काफी संख्या में गाड़ियों का संचालन गोविंदपुरी से कर दिया गया जो इसी मालगाड़ी वाले रूट से गुजर रही हैं। इस मालगाड़ी बाईपास वाले रूट पर पड़ने वाली सुजातगंज क्रासिंग से रोजाना लगभग 2 लाख लोगों का आवागमन है, जो रोज घंटों जाम में फंसते हैं।

कानपुर-प्रयागराज मुख्य रेलमार्ग पर सेंट्रल स्टेशन के बाद पहला स्टेशन चंदारी है, इसी स्टेशन से मालगाड़ी के लिए रूट डायवर्जन है। सेंट्रल स्टेशन जाने के बजाय मालगाड़ियां इसी बाईपास रूट से जूही पावर केबिन होते हुए गोविंदपुरी स्टेशन से गुजरती हैं। इस रूट से लगभग 100 मालगाड़ियां गुजर रही थीं लेकिन फ्रेट कारीडोर बनने के बाद अब रेलवे ने गोविंदपुरी स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या बढ़ा दी है। गोविंदपुरी स्टेशन पर ठहराव वाली ज्यादातर ट्रेनें सेंट्रल स्टेशन नहीं जाती हैं।

कितनी ट्रेनें

- 300 ट्रेनें सेंट्रल स्टेशन से प्रतिदिन गुजरतीं
- 100 ट्रेनें गोविंदपुरी स्टेशन पर प्रतिदिन गुजरतीं
- 100 सवारी ट्रेनें सुजातगंज क्रासिंग से गुजरतीं रोज
- 150 मालगाड़ी सुजातगंज रेलवे क्रासिंग से निकलतीं
- 0 2 लाख सुजातगंज रेलवे क्रासिंग पर ट्रैफिक लोड
- 15 घंटे सुजातगंज क्रासिंग गेट बंद रहता रोज

सेंट्रल स्टेशन पर 300 ट्रेनों का आवागमन रोज

गोविंदपुरी स्टेशन पर यदि 100 से अधिक ट्रेनों का डायवर्जन नहीं किया जाता तो शायद कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर 400 से अधिक ट्रेनें होतीं और ऐसे में प्लेटफार्म कब खाली होगा, कौन सी ट्रेन कितनी देर आउटर पर रुकी रहेगी, कोई नहीं जानता। अब गोविंदपुरी से ट्रेनों के आवामगन से सेंट्रल स्टेशन को बड़ी राहत मिली है।

सुजातगंज क्रासिंग से रोज 2 लाख लोग गुजरते

कानपुर के दक्षिण एवं आसपास के क्षेत्रों में काफी विस्तार हुआ है जिनके लिए लोगों को शहर आने के लिए सुजातगंज रेलवे क्रासिंग सीधा और करीब पड़ती है। इनमें सबसे ज्यादा यशोदा नगर, सुजातगंज, श्रीराम नगर, गद्दियाना, 56 भोग चौराहा, श्याम नगर, चिश्ती नगर समेत दर्जनों क्षेत्र शामिल हैं, जहां के लोग इसी रेलवे क्रासिंग से होकर गुजरते हैं।

जल है तो कल है, वर्ना मुश्किल है पानी बचाएं-जागरुकता बढ़ाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केडीए ने शुरू की शहर में भूगर्भ जल स्तर बढ़ाने की मुहिम

अमृत विचार। शहर में भूगर्भ जल स्तर साल दर साल नीचे जाता रहा है। घर-घर लगे सबमर्सिबल धरती के सीने से अंधाधुंध पानी निकाल ले रहे हैं। भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में प्रभावी काम नहीं किया जा रहा। सालों से रेन वाटर हार्वेस्टिंग की बात हो रही है लेकिन न तो नागरुक जागरूक हैं और न कोई विभाग। वर्षा जल बचाने के लिए बिल्डिंग बॉयलाज में नियम है लेकिन कम ही लोग इसे मानते हैं। संबंधित विभाग भी सख्ती नहीं बरतते। भूगर्भ जल के अंधाधुंध दोहन से शहर के कई क्षेत्र डार्क जोन में आ चुके हैं। ऐसे में केडीए ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए जागरुकता अभियान शुरू किया है। इसके तहत नागरिकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के तरीके और लाभ बताए जाएंगे। एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है जिस पर फोन करके शहरी इस संबंध में जानकारी ले सकते हैं। केडीए ने पंपलेट व वेबसाइट की मदद से अभियान आगे बढ़ाया है। इसमें कहा गया है कि जल है तो कल है। अगर हमें भविष्य में गंभीर जल संकट से बचना है तो पानी बचाना होगा। घरों-प्रतिष्ठानों की छत पर जो बरसात का पानी गिरता है उसे बेकार न जाने दें। उसे एक पाइप के जरिये बोरवेल या गड्ढों और कुओं के माध्यम से जमीन के अन्दर पहुंचाकर जमीन के अंदर पानी का स्तर बढ़ाया जा सकता है। छतों पर गिरने वाले पानी को टैंकों में भी जमा किया जा सकता है ताकि उसका घरेलू उपयोग किया जा सके। मैदानों-पार्कों में गड्ढे खोदकर पानी को स्टोर किया जा सकता है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग से भूगर्भ जल का स्तर बढ़ाने में मदद मिलती है। पानी का लेवल बढ़ता है। भूगर्भ जल का खारापन कम होता है। केडीए ने टीम का गठन भी किया है जो जनता को जानकारी देगी। केडीए ने हेल्पलाइन नंबर 2556292, 2557853, 2556594 जारी किए हैं जिस पर फोन करके कोई भी इस संबंध में मदद ले सकता है।

सिटी ब्रीफ

मकान में केयर टेकर का शव मिला

कानपुर। साकेत नगर में सेवानिवृत्त पीएफ कर्मी चंद्र मोहन अरोड़ा के मकान की देखरेख करने वाले 53 वर्षीय बबलू का शव संदिग्ध हालात में घर के अंदर पड़ा मिला। कई दिन से बंद पड़े मकान से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने अनहोनी की आशंका जताई और सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया बीमारी से मौत की आशंका है। मकान मालिक ने बताया कि बबलू को शराब की लत थी। वह किडनी की बीमारी से भी पीड़ित था और महीने में एक बार आकर उसे खर्चा दिया जाता था। किदवई नगर थानाप्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने मांगा चार दिन का समय

कानपुर। संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति ने सोमवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मुलाकात की। समिति के सदस्यों ने अपनी समस्याएं बताईं। सदस्यों ने सेवानिवृत्ति तिथि पर कर्मचारियों का समस्त भुगतान, पेंशन बुक व एसीपी आदि के भुगतान की मांग की। नगर आयुक्त ने समिति के सदस्यों से कहा कि उन्हें चार दिन का समय दिया जाए, कर्मचारियों के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होगा। इस मामले में दोबारा वार्ता करके कोई न कोई समाधान जरूर निकाला जाएगा। बता दें कि नगर निगम मुख्यालय में निजीकरण के विरोध में भी सफाई कर्मचारियों ने हंगामा किया था। बैठक में जयपाल सिंह, रमाकांत मिश्र, हरिओम वाल्मीकि, विनोद कुमार, मुन्ना हजारिया, पिंटू चौधरी, धीरज गुप्ता, मुकेश वाल्मीकि, बृजलाल भारती और अजीत बाघमार आदि रहे।

ओवरटेक से हादसा फिर मारपीट

कानपुर। नजीराबाद थाना क्षेत्र में ओवरटेक के दौरान हुआ सड़क हादसा देखते ही देखते मारपीट और तोड़फोड़ में बदल गया। एक पक्ष ने सोने की चेन लूटने का आरोप लगाया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। पुराना कानपुर निवासी पीड़ित विवेक गुप्ता मोतीझील से हर्षनगर होते हुए घर लौट रहे थे। बताया कि रास्ते में एक अज्ञात कार चालक ने तेजी से ओवरटेक किया, जिससे उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी इको स्पोर्ट कार से जा टकराई। टक्कर के बाद कार मालिक अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए विवेक को कार से बाहर खींच लिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर उनके साथ मारपीट की और कार पर पथराव कर जमकर तोड़फोड़ की। राहगीरों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित को हमलावरों से बचाया। पीड़ित का यह भी आरोप है कि मारपीट के दौरान उनकी सोने की चेन गायब हो गई। सूचना पर पहुंची नजीराबाद पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई।

शत्रु संपत्तियों का सर्वे पूरा, कीमत तय होगी

15 संपत्तियों की सूची अभिरक्षक समिति को भेजी जाएगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शत्रु संपत्तियों को चिह्नित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। शहर और और बिल्हौर में 15 संपत्तियों की सूची बनाई गई है। अब इनकी कीमत का मूल्यांकन किया जा रहा है। प्रत्येक संपत्ति का मार्केट रेट और सर्किल रेट क्या है इसकी सूची बनने के बाद अभिरक्षक समिति को भेजेगा। इसके बाद तय होगा कि इन संपत्तियों की नीलामी की जाएगी या फिर जो कब्जेदार हैं उन्हें ही कीमत लेकर उन्हें वैध किया जाएगा। अथवा नए सिरे से किराए का निर्धारण किया जाएगा।

शहर में 15 शत्रु संपत्तियां चिह्नित हैं। ये वो संपत्तियां हैं जो बंटवारे के समय पाकिस्तान चले गए लोग छोड़ गए हैं। इन संपत्तियों को नीलाम करने और नए सिरे से किराया निर्धारण कर वसूली की तैयारी है। शत्रु संपत्तियों को लेकर मूल्यांकन की प्रक्रिया चल रही है। 15 ऐसी संपत्तियां हैं जिनकी जांच लगभग पूरी हो गई है।

शासन को इसकी रिपोर्ट दी जानी है। इन संपत्तियों का मालिकाना हक उन व्यक्तियों से जुड़ा है जो विभाजन के समय या उसके बाद पाकिस्तान चले गए थे। एसडीएम सदर व बिल्हौर ने शत्रु संपत्ति की जांच की है। शत्रु संपत्ति के अभिरक्षक समिति को रिपोर्ट एक से दो दिन में भेज दी जाएगी।

ये हैं शहर में शत्रु संपत्तियां

- अस्मत आरा - 40/105 नवाब साहब का हाता
- राफिया बीबी एवं सादिया - 88/332 चमनगंज
- जैनब बीबी - 87/93 मोहल्ला भन्नानापुरवा
- मसोतन बेगत - 97/332 मोहल्ला तलाक महल
- बसीर अहमद, नजीर अहमद, खलील अहमद - 44/172 नई सड़क (रोटी वाली गली)
- मेराजुद्दीन एवं जमीलुद्दीन - मोहल्ला फहीमाबाद 106/646, 105/648, 105/647, 105/649, 105/650 एवं 105/651
- अल्ला रक्खू- 11/131 मोहल्ला ग्वालटोली
- रसूलन, करीम बक्श, जुम्मन, नूर मोहम्मद- 95/96 परेड
- सुभान खान - 105/64ए चमनगंज
- शेख मोहम्मद शान - 88/326 चमनगंज
- आसिफ अली, हुमानाज एवं जोहरा बतूल - 39/37 मोहल्ला मैदा बाजार
- सैयद मंजूर अली, सैयद अली असगर एवं मो जाहिद- 12, 13, 14, 17 एम स्कीम 4 सीसामऊ
- बाबी पत्नी मो मोहिनुद्दीन - 44/84 एवं 44/105 स्थित मोहल्ला बकरा मण्डी।
- मो मुस्लिम, अबुल खैर, सायरा खालिक व अबु तलहा उर्फ वली मियाँ - 95/49 एवं चक नं0- 95/47 फर्राशखाना, दादामियां
- इमलियाबाग स्थित ग्राम मकनपुर तहसील बिल्हौर के संपत्ति धारक भी हैं।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र के हमीरपुर रोड पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटा सड़क पर गिर गए। महिला डंपर के पहिए के नीचे आ गई और मौत हो गई।

फतेहपुर जनपद के चांदपुर अमौली क्षेत्र के रूरा गांव निवासी किसान रामबाबू निषाद की 56 वर्षीय पत्नी सुशीला देवी को बेटा अशोक इलाज के लिए हैलट अस्पताल लेकर आया था। जांच कराने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। नौबस्ता में बसंत विहार चौकी के आगे राम जानकी गेस्ट हाउस के पास पीछे से डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी।

शहर में पहली ट्रांसओरल थायराइड सर्जरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

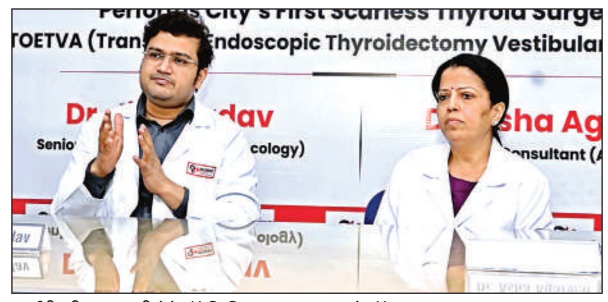

सर्जरी की जानकारी देते डॉ. जितिन यादव व साथ में डॉ. आशा अग्रवाल।

अमृत विचार। छह माह से गले में दर्द, खाना खाने में दिक्कत और गांठ की समस्या से परेशान 25 वर्षीय मरीज की रीजेंसी हेल्थ कानपुर के डॉक्टरों ने एडवांस्ड ट्रांसओरल विधि से ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई, जिसके बाद वह अब स्वस्थ है। रीजेंसी के डॉक्टरों का दावा है कि शहर में पहली बार ट्रांसओरल एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी वेस्टिबुलर अप्रोच विधि अपनाई गई है। ऐसी सर्जरी शहर में पहली बार की गई है।

सर्जिकल आंकोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ.जितिन यादव ने बताया कि फतेहपुर निवासी 25 वर्षीय मरीज को थायरॉइड कैंसर था। पहले उसे थायरॉइड लोबेक्टोमी हो चुकी थी, इसमें थायरॉइड ग्लैंड का कुछ हिस्सा निकाल दिया जाता है, बाद में मरीज को फॉलिक्युलर कार्सिनोमा डायग्नोस हुआ। थायरॉइड ग्लैंड को पूरह तरह से निकालने के लिए ट्रांसओरल एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी वेस्टिबुलर अप्रोच विधि की योजना बनाई। टीम के साथ मिलकर मुंह के निचले होठ के रास्ते लेप्रेस्कोप की मदद से थायराइड ग्लैंड तक पहुंचे और थायरॉइड टिशू को पूरी तरह से निकाला गया। इस तकनीक की मदद से मरीज के गर्दन में चीरा लगने से बच गया और देखने में भी नहीं पता चलता है कि ऑपरेशन हुआ भी है।

बेड़ियां पहने छात्र बोले- मुकदमा वापस हो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छात्र संघ बहाली मोर्चा की ओर से छात्रों पर लगाए गए मुकदमों को वापस लिए जाने की मांग की गई। छात्र हाथों में बेड़ियां डालकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय तक पहुंचे। छात्रों ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने मुकदमों को झूठा बताया।

प्रदर्शन के दौरान अभिजीत राय ने अपने हाथों में जंजीरें डालकर प्रदर्शन किया। उन्होंने जंजीरों में बंधकर यह संदेश दिया कि छात्र राजनीति और लोकतांत्रिक अधिकारों को बेड़ियों में जकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञापन दिए जाने के दौरान अभिजीत राय ने कहा कि रामा विश्वविद्यालय के छात्रों ने अपनी समस्या बताने के लिए उनको फोन किया था। जब विश्वविद्यालय के छात्रों की समस्या पर वहां के प्रशासनिक अधिकारियों से बात की तो अधिकारियों ने छात्रों को मिलने के लिए बुलाया। जब वहां से छात्र बातचीत कर वापस आए तो उन्हें पता चला कि उन लोगों पर विश्वविद्यालय में जबरन घुसने पर मुकदमा लिख गया है। प्रदर्शनकारी छात्र इस मुकदमें को झूठा बता रहे हैं। विश्वविद्यालय में बुलाए जाने की रिकॉर्डिंग उन लोगों के पास है। विश्वविद्यालय भी जबरन घुसने का तथ्य सामने लाए। छात्रों ने यह भी कहा कि यह पहला मुकदमा होगा जो बगैर जांच के दर्ज किया गया है। कार्यक्रम में मौजूद अमन यादव और अनुज त्रिपाठी ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना मौलिक अधिकार है, लेकिन रामा प्रशासन और पुलिस की साठगांठ से छात्रों को अपराधी बनाया जा रहा है। प्रदर्शन में शिव श्याम पाल, शुभम , आर्यन ठाकुर, वीर मिश्रा, आकर्षण यादव, कुशाग्र द्विवेदी, प्रिंस ठाकुर, अमन बाजपेई, ललक ठाकुर, अखिल सिंह, अनुज तिवारी,रुद्र,रोमन खान आदि थे।

पकड़ा गया साइबर ठगों का गैंग

कानपुर। शहर में सक्रिय साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का पुलिस ने पर्दाफाश किया है और दो आरोपियों को उठाया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना राजवीर सिंह यादव पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। आरोपी फर्जी दस्तावेज, फर्जी केवाईसी और शेल कंपनियों के जरिए बैंक खातों का संचालन करता था। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से अर्जित रकम को विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दौरान आरोपी से जुड़े 13 बैंक खातों की पहचान की गई, जिनमें 40 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन पाए गए। पुलिस ने बैंकों के सहयोग से 2.12 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज करा दी है। खातों से जुड़े 25 मोबाइल नंबर, डिजिटल डिवाइस, आईपी लॉग, केवाईसी डाटा, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और ट्रांजेक्शन मेटाडाटा का विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस ने संदिग्ध मोबाइल नंबरों को ब्लॉक कराने के लिए पत्र लिखा है।

मृत बच्चे के रोते-बिलखते परिजन। गंगा के किनारे लगी रही परिजनों और क्षेत्रीय लोगों की भीड़। अमृत विचार

गंगा में नहाने गए दो दोस्त डूबे, एक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोमवार शाम परमट घाट पर गंगा स्नान के दौरान दो दोस्त डूब गए। हादसे में 16 वर्षीय छात्र आदित्य सोनवानी की मौत हो गई, जबकि उसका 17 वर्षीय दोस्त अनुराग कश्यप को नाविकों ने समय रहते बचा लिया। घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। बाबूपुरवा के ढकनापुरवा निवासी मनोज सोनवानी का इकलौता बेटा आदित्य सोमवार शाम घर से ग्रीनपार्क जाने के लिए निकला था। रास्ते में उसने अपने दोस्त अनुराग के साथ परमट घाट पर गंगा नहाने का प्लान बनाया। दोनों साइकिल से घाट पहुंचे और सामान किनारे रखकर नदी में उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नदी में पानी कम होने के कारण दोनों आगे की ओर बढ़ते चले गए। इसी दौरान अचानक गहराई आने पर आदित्य डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में अनुराग भी गहराई में चला गया और डूबने लगा। घाट किनारे मौजूद नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए अनुराग को बाहर निकाल लिया, लेकिन आदित्य लापता हो गया। सूचना पर एसीपी कर्नलगंज चित्रांशु गौतम और ग्वालटोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आदित्य का शव बरामद कर लिया गया। इकलौते बेटे का शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। आदित्य 11वीं का छात्र था और हाल ही में वेट लिफ्टिंग की ट्रेनिंग शुरू की थी।

> गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की गई थी, करीब एक घंटे बाद आदित्य का शव पुलिस ने बरामद कर लिया। ग्वालटोली पुलिस ने आदित्य के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके से आदित्य की साइकिल व बैग बरामद किया है।
>
> - चित्रांशु गौतम, एसीपी कर्नलगंज

सहेली ने ही तीन लाख में बेच दिया युवती को

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- खरीदकर शादी का दावा करने वाला युवक गिरफ्तार
- साजिशकर्ता दंपति समेत तीन आरोपियों की तलाश

अमृत विचार। बर्रा क्षेत्र की 21 वर्षीय युवती को उसकी ही सहेली ने खाटू श्याम के दर्शन कराने के बहाने राजस्थान ले जाकर तीन लाख रुपये में बेच दिया था। मामला सामने आते ही पुलिस ने लोकेशन के आधार पर सीकर के गांव में दबिश देकर युवती को बरामद कर लिया और खरीदकर शादी करने का दावा करने वाले युवक को गिरफ्तार कर कानपुर ले आई है। घटना में शामिल सहेली, उसका पति और एक अन्य युवक फरार हैं।

बर्रा निवासी महिला ने बताया कि बेटी की बचपन की सहेली रिया अपने पति सुमित पांडेय के साथ हनुमंत विहार के सागरपुरी में रहती है और दोनों का घर पर आना जाना था। आरोप है कि रिया भरोसे का फायदा उठाते हुए 21 अप्रैल को बेटी को खाटू श्याम दर्शन कराने की बात कहकर साथ ले गई। इसके बाद संपर्क टूट गया और मोबाइल बंद हो गया जिससे परिवार को शक हुआ। काफी तलाश के बाद भी जानकारी न मिलने पर मां ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन खंगाली तो राजस्थान में ट्रेस हुई जिसके बाद टीम सीकर जिले के आसाश गांव पहुंची और दबिश देकर युवती को बरामद कर लिया। मौके पर मिले सुरेश प्रजापति ने उसे अपनी पत्नी काजल बताया और पुलिस पूछताछ में तीन लाख रुपये में खरीदने की बात कबूल की। उसने बताया कि रिया, सुमित और अभिनव बाजपेई उर्फ राज ने उसे युवती सौंपकर रकम ली थी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और दोनों को कानपुर ले आई। मुख्य आरोपी रिया, सुमित और अभिनव फरार हैं और मोबाइल बंद हैं।

ऑटो में जेवर उड़ाने वाली सास-बहू गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

250 सीसीटीवी फुटेज खंगाल सास-बहू व ऑटो चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया

अमृत विचार। नौबस्ता थाना क्षेत्र में ममेरे भाई की शादी में आटो से जा रही महिला पर नशीला स्प्रे छिड़ककर करीब 15 लाख रुपये के जेवरात लूटने वाली सास-बहू समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में महाराष्ट्र की रहने वाली तीन महिलाएं और एक ऑटो चालक है, जो मिलकर टप्पेबाजी की वारदात को अंजाम देते थे। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि कानपुर देहात के शिवली क्षेत्र निवासी किसान धर्मनारायण की पत्नी रक्षा देवी 30 अप्रैल को अपने बेटे शशांक के साथ रिश्तेदारी में शादी में शामिल होने निकली थीं। वह गांव से ऑटो बुक कर नौबस्ता चौराहे पहुंचीं, जहां से उन्होंने हंसपुरम स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट जाने के लिए दूसरा ऑटो किया। इस ऑटो में पहले से तीन महिलाएं सवार थीं। रास्ते में अपार्टमेंट के पास पहुंचते ही सहयात्री महिलाओं ने रक्षा देवी पर नशीला स्प्रे छिड़क दिया, जिससे वह कुछ देर के लिए बेसुध हो गईं। इसी दौरान आरोपियों ने उनके पर्स से हार, कंगन, चेन, तीन अंगूठियां और झाले समेत करीब 15 लाख रुपये के जेवरात पार कर दिए। होश में आने पर महिला को घटना की जानकारी हुई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने करीब 250 सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए जूही लाल कॉलोनी निवासी ऑटो चालक अनिकेत शर्मा को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस महाराष्ट्र के यवतमाल की रहने वाली रेखा, उसकी बहू रजनी और नैना तक पहुंची और उन्हें भी दबोच लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी महिलाएं सेंट्रल स्टेशन के आसपास डेरा डालकर ऑटो में सवारी बनकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देती थीं।

पेड़ों की छंटाई के लिए वन विभाग से मिले

कानपुर। बीते दिनों आए तेज आंधी-तूफान के चलते शहर के कई इलाकों में पेड़-पौधे गिरने से जनजीवन प्रभावित हुआ और लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसी मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता विनय गुप्ता ने पीड़ितों के साथ मुख्य वन संरक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में क्षेत्र में खतरनाक स्थिति में खड़े बड़े पेड़ों और सूखी डालों की जल्द छंटाई कराने की मांग की गई, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। वन विभाग के एसडीओ आशीष जैन ने बताया कि जल्द ही आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

9.5 बीघे में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक के सोमवार को पद ग्रहण के दिन ही केडीए प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने ग्राम कटरी में अवैध रूप से दो जगहों पर की जा रही प्लाटिंग का ध्वस्तीकरण किया। प्रवर्तन जोन-1बी के विशेष कार्याधिकारी व उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम कटरी में मुरारी लाल, श्याम लाल व अन्य द्वारा लगभग 5.5 बीघा क्षेत्रफल में बिना प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये व बिना इजाजत अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी जिसे तोड़ा गया।

इसके बाद ग्राम कटरी में ही गंगा प्रसाद, मोहन व अन्य द्वारा लगभग 4 बीघा क्षेत्रफल में की गई अवैध प्लाटिंग के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। इसके अलावा लगभग 12 बीघे में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग को चिन्हित किया गया है। जल्द कार्रवाई की जाएगी। अपील है कि केडीए क्षेत्र में विकसित प्लाटिंग में भूमि खरीदने से पहले कानपुर विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत की जानकारी प्राप्त कर लें।

उसके बाद ही भूमि खरीदें। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराकर स्वीकृत मानचित्र के अनुसार ही निर्माण कार्य कराएं। ध्वस्तीकरण कार्यवाही के दौरान अवर अभियंता, हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर राम औतार, मनोज कुमार, राज कुमार, लाल सिंह व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

नेक पहल | सर्जरी से मिली नई जिंदगी, मम्मी-पापा सुनते ही भरभरा गई आंखें

खामोशी टूटी-आवाज लौटी और माता-पिता फूट पड़े

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी से मिली नई जिंदगी की सबसे मार्मिक तस्वीर कलेक्ट्रेट में सामने आई। अलसमद, आराध्या मिश्रा, ईमान खान, नायमा सिद्दीकी और मोहम्मद उवैस जैसे बच्चे, जो कभी सुन और बोल नहीं पाते थे, अब अपने माता पिता को 'मम्मी पापा' कहकर पुकार रहे थे। संवाद कार्यक्रम में जैसे ही अभिभावकों ने रोते-रोते यह अनुभव साझा किया तो सभागार में मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की शल्य चिकित्सा योजना के तहत वर्ष 2025-26 में कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी से लाभान्वित बच्चों और उनके अभिभावकों ने प्रतिभाग किया।

कलेक्ट्रेट में बच्चों-अभिभावकों के साथ मौजूद जिलाधिकारी। अमृत विचार

जिंदगी का ख्वाब पूरा हो गया

- अभिभावकों ने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इतना महंगा ऑपरेशन कराना संभव नहीं था, लेकिन सरकार द्वारा प्रति बच्चे छह लाख रुपये के अनुदान ने उनके बच्चों को सुनने और बोलने की क्षमता दी। मोहम्मद उवैस की माता अलसिफा ने बताया कि पहले उनके घर में सन्नाटा था। उवैस हमारी आवाज नहीं सुन पाता था और कोई प्रतिक्रिया नहीं देता था। कॉक्लियर इम्प्लांट के बाद जब उसने पहली बार 'मम्मी-पापा' कहा, वह पल हमारे जीवन का सबसे बड़ा सुख था। अब उसकी किलकारी से घर में रौनक लौट आई है। नायमा सिद्दीकी की मां सीमा सिद्दीकी ने कहा कि ऑपरेशन के बाद धीरे धीरे नायमा में बदलाव दिखा और जब उसने मम्मी-पापा कहा, तो हमारी आंखें भर आईं। अब लगता है जैसे घर में नई जिंदगी आ गई है।

क्या है कॉक्लियर इम्प्लांट

- कॉक्लियर इम्प्लांट मूक बधिर बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है। जो बच्चे जन्म से सुन नहीं पाते और बोल नहीं पाते, वे इस सर्जरी के बाद पहले ध्वनियां सुनने लगते हैं। इसके बाद नियमित स्पीच थेरेपी के जरिए धीरे धीरे बोलना सीखते हैं और सामान्य जीवन की ओर बढ़ते हैं। 5 वर्ष की आयु तक कॉक्लियर इम्प्लांट अधिक प्रभावी माना जाता है। ये सर्जरी जनपद के इम्पैनल अस्पतालों में कराई गई, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचार हुआ। विशेषज्ञ डॉ. रोहित मल्होत्रा ने बताया कि कॉक्लियर इम्प्लांट का सबसे बेहतर परिणाम 1 से 2 वर्ष की उम्र में देखने को मिलता है। सीडीओ अभिनव जैन उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण रामधारी यादव आदि मौजूद रहे।

कबाड़ी के खातों पर करोड़ों का खेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में कबाड़, पेंटर और मजदूर जैसे आम लोगों के बैंक खातों के जरिये करीब 3200 करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन का बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में सोमवार को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि मुख्य आरोपी से पूछताछ जारी है। हवाला, स्लॉटर हाउस से जुड़े लेनदेन और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिये बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की जा रही थी। आरोपियों ने फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपये का आईटीसी हड़पने का नेटवर्क तैयार किया था।

डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि 16 फरवरी को चकेरी क्षेत्र में लूट की एक घटना की जांच के दौरान यह मामला उजागर हुआ। लूट का आरोप लगाने वाले महफूज आलम और उसके करीबियों के खातों में जांच में पहले 1600 करोड़ और बाद में 3200 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन सामने आए। आरोपी महफूज गरीब और अनजान लोगों को झांसा देकर उनके नाम पर फर्जी फर्म और बैंक खाते खुलवाता था। जाजमऊ निवासी आरती, कबाड़ी अजय शुक्ला और पेंटर निखिल कुमार समेत कई लोगों के नाम पर फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों का लेनदेन किया गया, जबकि उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं थी। डीसीपी पूर्वी ने बताया 16 बैंकों के 100 से अधिक खातों के जरिये यह पूरा नेटवर्क संचालित हो रहा था। महफूज के रिश्तेदार महताब आलम और उसके बेटे मासूम को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस हिरासत में आरोपी महताब व उसका बेटा मासूम आलम। अमृत विचार

16 बैंकों के 100 से अधिक खातों के जरिये यह पूरा नेटवर्क संचालित हो रहा था

सिटी ब्रीफ

कंप्यूराइज्ड किया जा रहा मदरसों के छात्रों का ब्यौरा

कानपुर। मदरसा छात्रों का नाम, पता, परिवार का पूरा ब्यौरा कंप्यूटर में दर्ज किया जा रहा है, ताकि मदरसा छात्रों की पूरी जानकारी पल भर में उपलब्ध हो सके। कानपुर के मदरसों में पूरे देश के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा बिहार, बंगाल के बच्चे अधिक हैं। इन बच्चों को मदरसों में खाना, पीना, रहना सब मुफ्त होता है। पहले बच्चों को उनके माता पिता लाकर मदरसे में भर्ती करा देते थे लेकिन अब मदरसों में प्रवेश लेने वाले बच्चों और उनके वाल्दैन का आधार कार्ड, पहचान पत्र समेत पूरा ब्यौरा मदरसे में दर्ज किया जा रहा है।

श्री राजपूत करणी सेना का सम्मान समारोह

कानपुर। श्री राजपूत करणी सेना नगर इकाई की समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह जिलाध्यक्ष गौरव सिंह भदौरिया के नेतृत्व में आयोजित हुआ। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जिलाध्यक्ष ने वरिष्ठजनों को अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया। उपांशु सिंह भदौरिया को जिला सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। वरिष्ठ सदस्य पंकज सिंह राजावत, अरुण सिंह, शैलजा सिंह चौहान एवं अरविंद सिंह आदि ने विचार रखे।

पेट्रोल- डीजल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। थाना बिल्हौर पुलिस ने विशेष अभियान के तहत पेट्रोल-डीजल चोरी करने वाले वांछित आरोपी सुशील कुमार (23) निवासी कन्नौज को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पहले से मुकदना दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस पूछताछ में पता चला कि वह टैंकरों से पेट्रोल-डीजल चोरी कर अवैध रूप से बेचता था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

ब्यूटीपार्लर संचालिका ने लगाए छेड़छाड़ के आरोप

कानपुर। कल्याणपुर निवासी युवती इलाके में ब्यूटीपार्लर की दुकान चलाती है। युवती के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से इलाके के तीन युवक आते-जाते उस पर फब्तियां कसते है। घर के बाहर आकर आपस में गाली ।गलौज करते है ।रात में दुकान बंद करने के बाद आरोपितों ने घर तक उसका पीछा किया। जिसे लेकर युवती का परिवार भयभीत है। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है।

युवक पर जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

कानपुर। कानपुर देहात के गिरधरपुर निवासी शिवम ने पनकी पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 01 मई को सुबह वह कंपनी की गाड़ी से बाकरगंज जा रहा था, तभी कानपुर देहात के रुरगांव निवासी मोहित तिवारी, शशांक अवस्थी और श्याम जी उर्फ लादेन ने उसे पनकी पुल पर रोककर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने गाड़ी की कमानी वाली पटिया से उसके सिर और पीठ पर वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों को आता देख सभी ने जान से मारने की धमकी भी दी।

झालमुड़ी बंटी, आतिशबाजी चली, बुलडोजर पर जश्न

पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में पार्टी की शानदार जीत पर थिरके भाजपाई, शहर में जगह-जगह ढोल की थाप पर नाचे-गाए

नगर निगम में ढोल बजाकर खुशी जाहिर करतीं महापौर प्रमिला पांडेय। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी विधानसभा में भाजपा की शानदार जीत पर कानपुर उत्तर से दक्षिण तक भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और जमकर जश्न मनाया। इस दौरान झालमुड़ी बांटी गई और कई जगह आतिशबाजी की गई। किदवई नगर में भाजपाइयों ने बुलडोजर पर चढ़कर जश्न मनाया। गुमटी नंबर पांच समेत कई स्थानों पर आतिशबाजी की गई। भाजपा के क्षत्रीय कार्यालय में कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की अगुवाई में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। भाजपा महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष, रीता शास्त्री, महापौर प्रमिला पांडेय, भाजपा दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, अनूप अवस्थी, जसविंदर, अर्जुन बेरिया, प्रवीण मिश्राआदि थे।

मिठाई बांटते पूर्व विधायक अजय कपूर। अमृत विचार

नगर निगम में ढोल बजाकर मनाईं जीत की खुशियां

■ **कानपुर।** पश्चिम बंगाल, आसाम व पुडुचेरी में भारी बहुमत से भाजपा के उम्मीदवारों के विजयी होने और सरकार बनने की खुशी शहर में भी देखने को मिली। नगर निगम मुख्यालय में महापौर प्रमिला पांडेय ने पार्षदों के साथ जीत की खुशी में ढोल बजाया। पटाखे चलाए और झालमुड़ी खाकर लोगों को जीत की बधाई दी। इस दौरान भाजपा उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, पार्षद पवन पाण्डेय, आनंद शुक्ला, राम नरायन, सौरभ देव, योगेन्द्र शर्मा, आकर्ष बाजपेयी, नीरज कुरील, रमेश हटी आदि लोग रहे।

जीत पर विजय उत्सव मनाया

■ **कानपुर।** भाजपा के पूर्व विधायक अजय कपूर ने गोविंद नगर कैम्प कार्यालय के बाहर जश्न मनाया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई । साथ ही एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर विजय उत्सव मनाया गया ।इस अवसर पर अम्बुज शुक्ला, महेश प्रसाद दीक्षित, शरद त्रिवेदी, पार्षद अनिल यादव, सुधीर यादव, अमित जायसवाल, आदि रहे। भाजपा नारामऊ के पूर्व मंडल अध्यक्ष चंचल सिंह भदौरिया के कार्यालय पर मिष्ठान वितरण किया गया। अशोक सिंह दद्दा, राम प्रसाद कनौजिया, राम जी शुक्ला, संदीप राजपूत, शशांक पांडे, के एल शर्मा, जितेंद्र चौधरी, सचिन सक्सेना रहे।

खुशी का इजहार करते कारोबारी। अमृत विचार

कारोबारियों ने बांटी मिठाई

■ **कानपुर।** कानपुर दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने यूपी किराना चौराहा किदवई नगर में मिठाई बांटी। बंगाली समाज को भगवान राम का चित्र, कमल का फूल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल के महामंत्री अभिषेक पांडे मोनू, रत्ना पांडे , विकास दुबे, ब्लॉक प्रमुख बब्बन शर्मा, विजय सोनी, आनंद सिंह, अनुज मिश्रा आदि रहे।

जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

मिठाई बांटी-पटाखे फोड़े

■ **कानपुर।** भाजपा के यशोदा नगर मंडल मंडल कार्यकर्ताओं ने सैनिक चौराहा में मिठाई बांटी। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े। इस अवसर पर भाजपा मंडल के अध्यक्ष संजय तिवारी, उपाध्यक्ष विनीत द्विवेदी, अधिवक्ता प्रदीप तिवारी,नरोत्तम त्रिवेदी, सेक्टर संयोजक प्रदीप मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष अंकित गुप्ता, युवा मंडल अध्यक्ष अनिकेत तिवारी रहे।

निःशुल्क इलेक्ट्रिक चाक के लिए आवेदन करें

कानपुर। माटीकला से जुड़े कारीगरों के सशक्तिकरण के लिए उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की ओर से टूल किट्स वितरण योजना के अंतर्गत निःशुल्क विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रिक पॉटरी व्हील) का वितरण होगा। इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक शर्मा ने बताया कि योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक संसाधनों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और माटीकला व्यवसाय पर निर्भर कारीगरों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह भी अनिवार्य है कि आवेदक का नाम माटीकला कारीगरों की आधिकारिक सूची में दर्ज हो। चयन प्रक्रिया में शिक्षित महिलाओं और युवाओं को विशेष प्राथमिकता प्रदान की जाएगी, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार से जुड़ सकें। अधिकारी ने बताया कि 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के पात्र शिल्पकार एवं कारीगर 20 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है, जिसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट www.upmatikalaboard.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी और सहायता के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सर्वोदय नगर में संपर्क कर सकते हैं।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

आयकर मुख्यालय पर जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयकर कर्मचारी महासंघ एवं आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल की संयुक्त संघर्ष समिति ने सिविल लाइंस स्थित आयकर मुख्यालय में धरना दिया। दस सूत्रीय मांगों के समर्थन में अधिकारी एवं कर्मचारी दिनभर धरने पर बैठे और मध्यावकाश में सामूहिक विरोध प्रदर्शन किया।

केंद्रीय संयुक्त संघर्ष समिति, नई दिल्ली के आह्वान पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल के सभी कार्यालयों के अलावा आयकर मुख्यालय कानपुर में भी प्रदर्शन करते हुए 10 मांगें रखीं। 7 मई को मध्यावकाश के बाद वॉक आउट एवं 13 मई को हड़ताल प्रस्तावित है। इस प्रदर्शन में आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ एवं आयकर कर्मचारी महासंघ से बृजेश कुमार, केंद्रीय नेता शरद प्रकाश अग्रवाल, नवनीत शुक्ला, शांति भूषण मिश्रा, पंकज यादव, मुकेश कुमार, बृजेश बाजपेई, अनिल चौधरी, शिव कुमार, वैभव सचान, रजत सिंह, शिवम पाल, राजेश तिवारी, प्रवीण बाजपेयी, अमित पटेल, विवेक दीक्षित, दीपंकर चौरसिया, क्षितिज आदि रहे।

कुछ प्रमुख मांगें

- कैडर रिव्यू एवं पुनर्गठन प्रक्रिया को तत्काल अंतिम रूप दिया जाए।
- आयकर अधिकारियों के लिए 01.01.2014 से ऑल इंडिया इंटर-से वरिष्ठता सूची को अंतिम रूप दिया जाए।
- भारतीय राजस्व सेवा के भर्ती नियमों में संशोधन किया जाए।
- निरीक्षक, कार्यालय अधीक्षक एवं कर सहायक के पदों के भर्ती नियमों में संशोधन किए जाएं
- निरीक्षक पद पर पदोन्नति एवं स्टेनो ग्रेड-I का अनुपात दोनों फीडर कैडरों की वास्तविक स्वीकृत संख्या के अनुसार निर्धारित किया जाए।
- आरवाई 2026 के लिए ओएस पद पर पदोन्नति के लिए टीए ग्रेड से सभी पात्र कर्मचारियों को शामिल किया जाए तथा ठहराव दूर करने हेतु डीआर एवं पीआर अनुपात में संशोधन किया जाए।
- कर सहायक के भर्ती नियमों को अंतिम रूप दिया जाए, जिसमें डीआर एवं पीआर अनुपात में संशोधन कर आईटीईएफ के सुझावों के अनुसार सभी पात्र कर्मियों को आरवाई 2026 के लिए पदोन्नति का अवसर दिया जाए।
- कार्यालय अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की शर्त में संशोधन किया जाए।
- इंटर चार्ज ट्रांसफर नीति को पुन: लागू किया जाए।
- सेवा संबंधी न्यायिक निर्णयों का लाभ समान परिस्थितियों वाले कर्मचारियों को प्रदान किया जाए।
- बॉम्बे उच्च न्यायालय के 1 जनवरी 1996 से संबंधित निर्णय का लाभ प्रदान किया जाए।

कानपुर में रेलवे ने 2 करोड़ से अधिक जुर्माना वसूला

कानपुर। रेलवे ने अप्रैल में प्रयागराज मंडल में चेकिंग अभियान चलाकर 1 लाख से अधिक यात्रियों को बेटिकट, बिना बुक किये माल ले जाते हुए पकड़ा। उनसे 8.60 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला। कानपुर में भी चेकिंग के दौरान 2 करोड़ से अधिक रुपये जुर्माना वसूला।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि अप्रैल में मण्डल रेल प्रबन्धक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरिमोहन के निर्देशन में यात्रियों को अच्छा भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक चलाये गए सघन टिकट चेकिंग अभियान में बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, अनबुक्ड लगेज एवं धूम्रपान एवं गंदगी के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

तेल कंपनियों को राहत दे सरकार

- व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त से लगाई गुहार
- 14 कंपनियों पर लगे प्रतिबंध में ढील देने की मांग, कहा चौपट हो रहा कारोबार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। व्यापारियों ने तेल कंपनियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर राहत दिए जाने की मांग की है। सोमवार को व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त से गुहार लगाई है। व्यापारियों ने कहा कि खाद्य तेल में लेड की मात्रा घटाई या बढ़ाई नहीं जा सकती। इसलिए प्रदेश के 14 खाद्य तेल उद्योग के नमूनों में लेड पाए जाने के मामले में उन लोगों को प्रतिबंधित किए जाने से राहत दी जाए।

व्यापारी लखनऊ में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब से मिले। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि 23 फरवरी को प्रदेश के विभिन्न जनपदों कानपुर, आगरा, मेरठ, लखनऊ, हापुड़ एवं गोरखपुर में 14 तेल निर्माता कंपनियों के सरसों तेल, साल्वेंट ऑयल एवं पाम ऑयल आदि के नमूने लिए गए थे। नमूनों की जांच एक निजी प्रयोगशाला में कराए जाने के बाद 21 अप्रैल को कुछ नमूनों को लेड की अधिकता बताकर अनसेफ घोषित किया गया था। व्यापारी नेताओं ने कहा कि खाद्य तेल निर्माता अपने उत्पाद में लेड की मात्रा को न तो बढ़ा सकते हैं और न ही घटा सकते हैं। लेड का संभावित स्रोत खेती की प्रक्रिया, मिट्टी अथवा सिंचाई जल में निहित तत्व हो सकते हैं । ऐसे में व्यापारियों पर कठोर कार्रवाई करते हुए उत्पादन, बिक्री एवं स्टॉक पर प्रतिबंध लगाना न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता। इसलिए राहत दी जानी चाहिए। इस दौरान तरुण कटारिया, संतोष कटारिया व नरेश सांगल भी मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त को ज्ञापन देते व्यापारी नेता। अमृत विचार

कार्यकारिणी सभा की बैठक में शामिल पेंशनर्स समाज पनकी के सदस्य। अमृत विचार

पेंशनर्स की समस्याओं पर सरकार से नाराजगी, हस्तक्षेप की मांग

- पेंशनर्स समाज पनकी ने की कार्यकारिणी सभा की बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी बी-ब्लॉक स्थित त्रिपाठी गेस्ट हाउस में सोमवार को पेंशनर्स समाज पनकी ने केंद्र, राज्य, बैंक, रेलवे व अन्य विभागों के पेंशनर्स की समस्याओं के संबंध में कार्यकारिणी बैठक आयोजित की। कार्यकारिणी सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सरकार के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की।

अध्यक्ष साहबदीन यादव ने पेंशनर्स व वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सदस्यों ने पेंशनर्स के प्रति सरकार के उदासीन रवैये पर काफी नाराजगी व्यक्त की। रक्षा मंत्रालय के पेंशनर्स का बकाया, ओवरटाइम एरियर, 18 महीनों के लंबित महंगाई भत्ते का भुगतान, रेलवे में रियायती टिकट सुविधा और सीजीएचएस से संबंधित समस्याओं पर विशेष रूप से चर्चा हुई। सदस्यों ने इन मुद्दों के समाधान के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। इस दौरान पीएन लाल, वीके माथुर, बीआर प्रसाद, वीके तिवारी, राजीव पाराशर, करूणेश श्रीवास्तव, राज बली यादव, सीवी साहू, हरिशंकर सिंह, रमा शंकर, श्याम यादव, आलोक श्रीवास्तव, मदन खरे, हरे राम सिंह, हिमांशु शर्मा, सुनील कुमार थे।

बदले रूट

कई ट्रेनों के रूट में कटौती, कई ट्रेनें लेट संचालित की जाएंगी

यात्रीगण जरा ध्यान दें, कई ट्रेनें निरस्त की गईं

- प्री, प्री-नॉन इंटरलॉकिंग, नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोंडा-बुढ़वाल खंड में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी के लिए प्री, प्री-नॉन इंटरलॉकिंग तथा नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कारण कई गाड़ियां निरस्त रहेंगी जबकि कई गाड़ियों के रूट बदले जाएंग। कई गाड़ियों के रूट में कटौती की जाएगी।

ये गाड़ियां रहेंगी निरस्त

ट्रेन संख्या	एक्सप्रेस ट्रेन	तिथि निरस्तीकरण
22921	बांद्रा ट.-बलरामपुर	05.07.26
22922	बलरामपुर -बांद्रा ट.	07.07.26
15133	छपरा-आनंद विहार ट.	06.07.26
15134	आनंद विहार ट.-छपरा	08.07.26
22199	ग्वालियर-बलरामपुर	08.07.26
22200	बलरामपुर -ग्वालियर	09.07.26
15029	गोरखपुर -पुणे	09.07.26
15030	पुणे-गोरखपुर	11.07.26

गाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन

- गाड़ी संख्या 15707 कटिहार अमृतसर 9 जून से 28 जून तक मनकापुर, अयोध्या कैंट, बाराबंकी होते हुए चलेगी। इस गाड़ी को गोंडा स्टेशन पर ठहराव नहीं मिलेगा।
- गाड़ी संख्या 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस 4 जुलाई से 9 जुलाई तक भटनी, मऊ, वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल स्टेशन होकर चलेगी। इस गाड़ी का देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, गोंडा, बाराबपंकी, बादशाह नगर, ऐशबाग और उन्नाव में ठहराव नहीं रहेगा।
- गाड़ी संख्या 02569 दरभंगा-नई दिल्ली एक्सप्रेस 29 जून को बाराबंकी, अयोध्या, मनकापुर होकर चलेगी।
- गाड़ी संख्या 12512 तिरुवन्तपुरम-गोरखपुर एक्सप्रेस 28 व 30 जून, 1,5,7 जुलाई को बाराबंकी, अयोध्या कैंट, मनकापुर होते हुए चलेगी। गोंड़ा में नहीं रुकेगी।
- गाड़ी संख्या 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस 28 जून एवं 5 जुलाई को बाराबंकी, अयोध्या कैंट व मनकापुर होते हुए चलेगी। गोंडा में नहीं रुकेगी।
- गाड़ी संख्या 15134 आनंद विहार-छपरा एक्सप्रेस, 1 एवं 4 जुलाई को बाराबंकी, अयोध्या कैंट होकर चलेगी। गोंडा स्टापेज नहीं मिलेगा।
- गाड़ी संख्या 19409 साबमती-थाणे 2 जुलाई, गाड़ी संख्या 22534 यशवंतपुर-गोरखपुर 1 जुलाई, गाड़ी संख्या 19623 मदार जंक्शन-दरभंगा 3 जुलाई, गाड़ी संख्या 15065 गोरखपुर-पनवेल 6,9,10 जुलाई एवं गाड़ी संख्या 15067 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनल आनंद विहार, सिद्धार्थ नगर, शोहरतगढ़, बढ़नी, बलरामपुर गोंडा होते हुए चलेगी।
- गाड़ी संख्या 15109 छपरा-मथुरा एक्सप्रेस 6, 8 व 10 जुलाई को छपरा सीवान, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल स्टेशन होकर चलेगी लेकिन देवरिया, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर, गोंडा, बाराबंकी, बादशाह नगर एवं ऐशबाग में स्टापेज नहीं होगा।
- गाड़ी संख्या 11079 लोकमान्य टर्मिनल-गोरखपुर 9 जुलाई को बाराबंकी, अयोध्या कैंट, मनकापुर, गोरखपुर होत चलेगी लेकिन जरवल रोड, कर्नलगंज गोंडा, बलरामपुर, झारखंडी पर ठहराव नहीं होगा।
- गाड़ी संख्या 02564 नई दिल्ली-बरौनी 8 व 9 जुलाई को कानपुर सेंट्रल स्टेशन, प्रयागराज, बनारस, औड़िहार, छपरा होते हुए चलेगी। इस गाड़ी को सीवान, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, ऐशबाक में नहीं रुकेगी।
- गाड़ी संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद 5 जुलाई को मनकापुर, अधोध्या कैंट, बाराबंकी, होते हुए चलेगी और गोंडा में स्टापेज नहीं होगा।

सिटी ब्रीफ

8 से शुरू होंगी परीक्षाएं

कानपुर। सीएसजेएमयू की ओर से वार्षिक परीक्षा के स्नातक तृतीय वर्ष व परास्नातक द्विवेदी वर्ष का परीक्षा शिड्यूल जारी कर दिया गया है। यह परीक्षाएं 8 मई से शुरू होंगी। विश्वविद्यालय की ओर से सभी संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्य को आदेशित किया है कि वे सभी तैयारी पूरी कर लें।

वोकेशनल स्टडीज विभाग में दाखिला

कानपुर। सीएसजेएमयू के यूआईइटी परिसर में स्थित डिपार्टमेंट ऑफ वोकेशनल स्टडीज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। यहां पर बीवॉक, बीडेस व फैशन डिजाइन जैसे आधुनिक और रोजगारपरक कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इस कोर्स में प्रवेश 12वीं के बाद मेरिट आधार पर विश्वविद्यालय के नियमानुसार दिया जाता है।

स्टेशन पर यात्रियों के लिए ठंडा पानी

कानपुर। मण्डल रेल प्रबन्धक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक हरिमोहन के निर्देशन में कानपुर सेंट्रल स्टेशन एवं गोविंदपुरी स्टेशन समेत 14 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से यात्रियों को नि:शुल्क शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त कानपुर के इन दोनों रेलवे स्टेशनों पर रैपिडो की भी व्यवस्था की गई है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गर्मी में इस पहल से यात्रियों को बड़ी राहत मिल रही है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर और एचबीटीयू के बीच साइन किया गया समझौता ज्ञापन

स्वास्थ्य क्षेत्र में डॉक्टर-इंजीनियर मिलकर करेंगे रिसर्च व इनोवेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज और एचबीटीयू के बीच सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार व स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है। इसके लिए डॉक्टर और इंजीनियर साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्य करेंगे। स्वास्थ्य तकनीक और डीप-टेक इनोवेशन के क्षेत्र में नए अवसरों का सृजन करेंगे। डीप टेक इनोवेशन के सहयोग से वैज्ञानिक खोज और इंजीनियरिंग तकनीक को जोड़कर जटिल स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा, जिसका सीधा लाभ अस्पतालों में आने वाले लाखों मरीजों को मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि एचबीटीयू की एआई, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मेसी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रोबोटिक सर्जरी और थ्री डी प्रिंटिंग जैसी उन्नत तकनीकी क्षमताओं को जीएसवीएम की क्लिनिकल विशेषज्ञता और चिकित्सा अनुसंधान के साथ जोड़ा जाएगा। इससे रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम, कस्टमाइज्ड इम्प्लांट्स मेडिकल डिवाइस डेवलपमेंट, दवा अनुसंधान व डिजिटल हेल्थ सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अभिनव प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा मिलेगा। जीएसवीएम की नैतिक समिति की स्वीकृति के साथ सभी चिकित्सा अनुसंधान गतिविधियां संचालित की जाएंगी। किसी भी पेटेंट व प्रकाशन में दोनों संस्थानों के योगदान को मान्यता दी जाएगी और व्यावसायिक उपयोग की स्थिति में निर्धारित राजस्व साझेदारी का प्रावधान रहेगा। एचबीटीयू के रजिस्ट्रार अमित कुमार राठौर ने बताया कि इस सहयोग के अंतर्गत स्टार्टअप्स को एचबीटीयू के इनक्यूबेशन सेंटर व एचबीटीयू टीबीआई फाउंडेशन के माध्यम से समर्थन प्रदान किया जाएगा। दोनों संस्थान मिलकर नवाचार को बाजार तक पहुंचाने, मैटरिंग, नेटवर्किंग व इंफ्रास्ट्रक्चर सहायता उपलब्ध कराएंगे।

समझौता ज्ञापन दिखाते जीएसवीएम के प्राचार्य प्रो .संजय काला व एचबीटीयू के रजिस्ट्रार अमित कुमार राठौर समेत अन्य।

एमओयू का मुख्य उद्देश्य

- संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को प्रोत्साहन
- हेल्थटेक, रोबोटिक सर्जरी, थ्री डी प्रिंटिंग आधारित स्टार्टअप्स का समर्थन व इनक्यूबेशन
- फैकल्टी और छात्रों के लिए प्रशिक्षण, कार्यशालाएं व एक्सचेंज प्रोग्राम
- इंडस्ट्री एकेडेमिया सहयोग के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा
- तकनीक के व्यावसायीकरण व सामाजिक प्रभाव वाले समाधानों का विकास

एआई का दिया जाएगा प्रशिक्षण

- एचबीटीयू की फैकल्टी अब जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज आकर छात्र-छात्राओं को एआई के विषय में प्रशिक्षण देगी, एआई के इस्तेमाल की विशेष और नए जानकारियां उन्हें अवगत कराएगी। अलग-अलग विभाग के फैकल्टी अलग-अलग विषयों पर जरूरी जानकारी साझा करेंगे, जिसका लाभ मेडिकल छात्र-छात्राओं को मिलेगा। इससे जांच और शोध की गुणवत्ता और बेहतर हो सकेगी। इसके अलावा अस्पताल में आने वाले 20 जिलों के लाखों मरीजों को एआई युक्त इलाज की सुविधा मिलेगी। खासबात ये होगी कि एआई से जांच व इलाज के लिए लाखों रुपये खर्च नहीं करने होंगे।

समझौते में ये रहे मौजूद

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो .संजय काला, उप प्राचार्य प्रो .रिचा गिरी, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ .सौरभ अग्रवाल और एचबीटीयू से रजिस्ट्रार अमित कुमार राठौर, इनक्यूबेशन हब डीन प्रो .जितेंद्र भास्कर, एकेडमिक अफेयर डीन प्रो . वंदना कौशिक दीक्षित और बायोलॉजिकल साइंसेस के डीन प्रो .ललित कुमार सिंह शामिल रहे।

पीड़ित पर समझौते का दबाव

कानपुर। कल्याणपुर के खेड़ा बैरी में घर में अकेला पाकर 11 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास करने वाले मकान मालिक के परिजन अब पीड़ित परिवार पर समझौते का दबाव बना रहे है। वही पीड़ित परिवार ने आरोपित के परिजनों पर धमकी देने और मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप लगाकर पुलिस आयुक्त से न्याय की गुहार लगाई है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2009 रोल नंबर 1473 523 व इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2011 रोल नंबर 0884150 के प्रमाण पत्र व सह अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं । **शिवप्रकाश पुत्र उमाशंकर तिवारी बेला रोड तिलक नगर बिधूना जनपद औरैया।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र दीपक के अनुचित आचरण के कारण उससे समस्त संबंध विच्छेद कर लिया है तथा उसे अपनी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उसका मुझसे अथवा मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई संबंध नहीं है। भविष्य में वह कोई भी कार्य करता है, उसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी। **बालक राम पुत्र धनीराम निवासी– ग्राम गपकापुर, मौजा लखनापुर, थाना दिबियापुर, जनपद औरैया**

सूचना

भवन संख्या 280/366, ब्लाक बी, ई.डब्लू–एस, स्कीम कानपुर नगर के स्वामी रघुराज द्वारा हिंदुजा हाउसिंग फा. लि. में बंधक हेतु प्रस्तुत किया है। जिसका मूल आवंन्टन पत्र व नामान्तरण पत्र दिनांकित 11/08/2021 व 10/02/2022 घर मे कहीं खो गये है उक्त सम्पत्ती पर यदि किसी का कोई सत्व/दावा हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से सर्म्पण करें अन्याथा उक्त सम्पत्ती को बंधक स्वीकार कर लिया जाएगा। **शिवेन्द्र अवस्थी (एडवोकेट) चेम्बर नं0 24 बाबूलाल अधिवक्ता भवन सिविल कोर्ट कानपुर मो0– 9335063025**

NOTICE

I, Sabrunnisha Begam, is legally wedded spouse of Kaleemullah Khan, residing at 1/9/29, Saadatganj, Faizabad, Ayodhya, have changed my name from Sabrunnisha Begam to Sabrunnisha vide affidavit dated 05-02-2026. Both names Sabrunnisha Begam and Sabrunnisha pertain to one person and same person.

सूचना

मेरी एल आई सी पॉलिसी 236 702 679 में मेरा घरेलू नाम अंजू गुप्ता पुत्री दुर्गा प्रसाद गुप्ता लिखा है। अब आधार व अन्य अभिलेखों के अनुसार मेरा नाम बबली पत्नी शिव प्यारे निवासी गुरबक्श गंज ओनई पहाड़पुर रायबरेली हो गया है। दोनों नाम मेरे ही हैं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरे आधार कार्ड (231313239526) एवं पैन कार्ड (BWLPA1711L) में मेरा नाम Zayed Ahmad S/O Niyaz Ahmad है जबकि मेरे मूल दस्तावेज में बही संख्या 1 जिल्द संख्या 7831 के पृष्ठ 175 से 190 तक क्रमांक 2830 पर दिनाँक 21/04/2023 को रजिस्ट्रीकृत किया गया। में Zaid Ahmad S/O Niyaj Ahmad दर्ज है, यह दोनों नाम मेरे एक ही व्यक्ति के हैं। ZAYED AHMAD S/O NIYAZ AHMED, निवासी–पुरैनिया तालाब, बलरामपुर। उत्तर प्रदेश Pin–271201

सूचना

मैने अपना नाम NU ULLAH से बदलकर NOOR ULLA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SAMI AKHTAR ADD-411/82 HATA BHEEKHAM KHAN, SAHADAT NAGAR CHOWK DIST-LUCKNOW-226003(U.P.)

विकास भवन में चेक वितरण किया गया। अमृत विचार

10 किसानों को क्षतिपूर्ति के प्रतीकात्मक चेक दिए

कानपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 एवं रबी 2025-26 सीजन की क्षतिपूर्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि घाटमपुर की विधायक सरोज कुरील ने जनपद के 10 कृषकों को क्षतिपूर्ति के प्रतीकात्मक चेक बांटे। सोमवार को विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक डॉ. आरएस वर्मा सहित जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी एवं सहायक निदेशक मत्स्य, कानपुर नगर ने कृषकों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जनपद के लिए नामित बीमा कंपनी एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधि विनय यादव, अभिनव एवं शुभांजिली मौजूद रहे।

आईआईटी में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की झलक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महिला संघ के सांस्कृतिक समारोह में दिखाई झांकी

अमृत विचार। आईआईटी में महिला संघ की ओर से सांस्कृतिक समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान नृत्य व संगीत के माध्यम से कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक की झलक दिखाई गई।

संस्थान परिसर में हुए इस समारोह में भारत की विविधता का उत्सव विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान प्रस्तुतियों के जरिए अनेकता में एकता का संदेश दिया गया। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए समूह नृत्य की प्रस्तुतियां हुई। जिन्होंने देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक पारंपरिक एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। जिनमें विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट परंपराएं, संगीत और वेशभूषा की झलक रही। आईआईटी कानपुर के उपनिदेशक प्रो. ब्रज भूषण तथा महिला संघ की संरक्षिका रचना अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस दौरान वक्ताओं ने मंच पर प्रस्तुत की गई विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झांकियों को सराहना की। खासतौर पर कश्मीर व दक्षिण भारतीय शेली के नृत्य को दर्शकों की ओर से विशेष सराहना मिली। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद देशभर के लजीज व्यंजन का भी सभी ने आनंद लिया। विभिन्न खाद्य स्टॉलों के माध्यम से पाक कला का प्रदर्शन किया गया। फूड फेस्ट ने लोगों को देश की समृद्ध पाक-संस्कृति का अनुभव कराया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों की भागीदारी रही।

विधायक ने बारातशाला का किया शुभारंभ

घाटमपुर। पतारा कस्बे में सोमवार को क्षेत्रीय विधायक सरोज कुरील ने लगभग 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित नई बारातशाला का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने बारातशाला को ग्राम प्रधान को औपचारिक रूप से सौंप दिया।

विधायक ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह बारातशाला पतारा ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों के लोगों के लिए भी उपयोगी साबित होगी।

अब स्थानीय लोगों को विवाह, सामाजिक समारोह, पारिवारिक आयोजन, बैठकें तथा अन्य सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इस बारातशाला का निर्माण समाज कल्याण विभाग द्वारा कराया गया है।

व्यापारियों ने फायर कर्मियों को किया सम्मानित

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। दीना मार्केट में बीते दिनों हुए अग्निकांड में एक दुकानदार की जलकर मौत हो गई थी। वहीं परिवार के पांच सदस्य झुलस गए थे। फायर कर्मियों ने पांच लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला था, जिससे उनकी जान बची थी। फायर मैन राज सिंह ने आग में रखे तीन सिलेंडर को बाहर निकाला था, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

उप्र आदर्श व्यापार मंडल के जिला मंत्री ललित सोनी ने बताया कि घाटमपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा समेत व्यापारियों ने घाटमपुर के वीरपुर स्थित फायर स्टेशन पर पहुंचकर दीना मार्केट में हुए अग्निकांड में साहस दिखाकर फायर मैन राज सिंह ने बचाव और राहत कार्य से उनकी जान बचाने का काम किया था। जिसके चलते फायर स्टेशन पहुंचकर उप्र आदर्श व्यापार मंडल घाटमपुर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने स्टेशन इंचार्ज कामता प्रसाद को साल और माला पहनाकर सम्मानित किया है।

व्यापारियों ने यहां पर मौजूद रामसिंह, अवनीश कुमार, अरविंद कुमार, शब्बीर खां, हरमोहन सिंह, रामपाल, रामप्रकाश को साल भेंटकर माल्यार्पणा कर सम्मानित किया है।

इस दौरान ये व्यापारी रहे मौजूद फायर स्टेशन घाटमपुर में सम्मान करने के दौरान पूर्व अध्यक्ष अमर नाथ, विपिन ओमर, आशीष, विनीत, ज्ञानेंद्र, ओसामा, सुभाष शर्मा समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सख्ती, चालान किए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हर 20 किलोमीटर पर तीन इंटरसेप्टर मोबाइल टीमें तैनात

अमृत विचार। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट कानपुर द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्गों पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें ओवरस्पीड और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसा गया।

पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर आठ स्थानों पर बैरियर लगाकर निगरानी की। इसके साथ ही हर 20 किलोमीटर पर तीन इंटरसेप्टर मोबाइल टीमें तैनात की गईं, जो तेज रफ्तार वाहनों पर नजर रखते हुए तत्काल कार्रवाई कर रही हैं। अभियान के दौरान एनएच-34 पर चार ट्रक, एक बस और 57 अन्य वाहनों सहित कुल 62 वाहनों का ओवरस्पीड में चालान किया गया। वहीं, एनएच-19 पर भी सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए चार ट्रक, चार बस और 122 अन्य वाहनों समेत कुल 130 चालान किए गए। गंगा बैराज क्षेत्र में भी पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 66 वाहनों के चालान काटे। इससे पहले रविवार को भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए कुल 2586 चालान किए गए थे। इनमें रॉन्ग साइड चलने पर 249, ट्रिपल सवारी पर 166, एचएसआरपी उल्लंघन पर 50 और अन्य मामलों में 2121 चालान शामिल हैं। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग करें और निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

कार्यालय नगर पंचायत इकदिल, इटावा

पत्रांक: 101/नं0पं0 इकादिल/2026–27 दिनांक 04–05–2026

कार्यालय ज्ञाप

एतद् द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि WPIL संख्या 1244/2025, धर्मेन्द्र यादव बनाम राज्य व अन्य में पारित मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ के आदेश दिनांक 24.02.2026 के अनुपालन में प्रमुख सचिव महोदय, उ0प्र0 नगर विकास विभाग के पत्र संख्या–1/13062160026– Comp-No-2032315 नगर विकास अनुभाग–7 दिनांक 23.04.2026 में दिये गये निदेर्शो के अनुसार उ0प्र0 पार्क, खेल का मैदान और खुली जगह (विनियम और नियंत्रण) नियमावली, 2005 एवं उ0प्र0 पार्क, खेल का मैदान और खुली जगहें (संरक्षण और रेगुलेशन) एक्ट, 1975 में निहित व्यवस्थानुसार पार्क प्ले ग्राउंड्स के सर्वे और धारा–3 के अंतर्गत लिस्टिंग की कार्यवाही करते हुए नगर पंचायत द्वारा नगर पंचायत इकदिल की सीमान्तर्गत नगर पंचायत को नियन्त्रण में आने वाले पार्को, खेल के मैदानों एवं खुली जगह की सूची तैयार की गई है. जिसके अनुसार नगर पंचायत इकदिल, इटावा की सीमान्तर्गत कोई खुली जगह नहीं है। तथा पंचायत सीमान्तर्गत आने वाले खेल के मैदान व खुली जगह की सूची नीचे दर्शायी गई है। उक्त से सम्बन्धित नियमावती की धारा 5(1) नियम 4 के अधीन प्रकाशित कराया जा रहा है यदि किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य को कोई आपत्ति/सुझाव है तो यह व्यक्ति प्रकाशित होने के 3 माह के अन्दर अपनी लिखित व साक्ष्य सहित आपत्ति / सुझाव नगर पंचायत इकदिल में दर्ज करा सकता है। निर्धारित समय सीमा के उपरान्त किसी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आपत्ति / सुझाव पर अपना स्थाई पता व नाम अवश्य अंकित करें।

पार्को, खेल के मैदानों एवं खुली जगहों की सूची

क0 सं0	खुली जगह का नाम व गटा सं0	अवस्थिति	क्षेत्रफल/आकार (हेक्टेयर में)	विस्तृत अभ्युक्ति
1	बौद्ध पार्क –431	पार्क	0.160	उक्त जगह पर बौद्ध पार्क बना हुआ है, मोहल्ला कछियॉत।
2	काली मन्दिर के सामने खेल का मैदान– 329	खेल का मैदान	0.162	उक्त जगह पर खेल का मैदान बना हुआ है, मोहल्ला कछियॉत।

लिपिक नगर पंचायत इकदिल इटावा
अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत इकदिल इटावा
अध्यक्ष नगर पंचायत इकदिल इटावा

कार्यालय नगर पालिका परिषद जसवन्तनगर– इटावा।

पत्रांक–130/न0पा0परि0ज0न0/2026–27 दिनांक 04/05/2026

कार्यालय ज्ञाप

एतद् द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि WPIL संख्या 1244/2025, धर्मेन्द्र यादव बनाम राज्य व अन्य में पारित मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ के आदेश दिनांक 24.02.2026 के अनुपालन में प्रमुख सचिव महोदय, उ0प्र0 नगर विकास विभाग के पत्र संख्या–1/1306216/2026– Comp- No-2032315 नगर विकास अनुभाग–7 दिनांक 23.04.2026 में दिये गये निदेर्शो के अनुसार उ0प्र0 पार्क, खेल का मैदान और खुली जगह (विनियम और नियंत्रण) नियमावली, 2005 एवं उ0प्र0 पार्क, खेल का मैदान और खुली जगहें (संरक्षण और रेगुलेशन) एक्ट, 1975 में निहित व्यवस्थानुसार पार्क प्ले ग्राउंड्स के सर्वे और धारा–3 के अंतर्गत लिस्टिंग की कार्यवाही करते हुए नगर पालिका द्वारा नगर पालिका जसवन्तनगर की सीमान्तर्गत नगर पालिका को नियन्त्रण में आने वाले पार्को, खेल के मैदानों एवं खुली जगह की सूची तैयार की गई है. जिसके अनुसार नगर पालिका जसवन्तनगर, इटावा की सीमान्तर्गत कोई खुली जगह नहीं है। तथा नगर पालिका सीमान्तर्गत आने वाले खेल के मैदान व खुली जगह की सूची नीचे दर्शायी गई है। उक्त से सम्बन्धित नियमावती की धारा 5(1) नियम 4 के अधीन प्रकाशित कराया जा रहा है यदि किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य को कोई आपत्ति/सुझाव है तो यह व्यक्ति प्रकाशित होने के 3 माह के अन्दर अपनी लिखित व साक्ष्य सहित आपत्ति / सुझाव नगर पालिका जसवतन्तनगर में दर्ज करा सकता है। निर्धारित समय सीमा के उपरान्त किसी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आपत्ति / सुझाव पर अपना स्थाई पता व नाम अवश्य अंकित करें।

पार्को, खेल के मैदानों एवं खुली जगहों की सूची

क0 सं0	खुली जगह का नाम व गाटा सं0	अवस्थिति	क्षेत्रफल/आकार (हेक्टेयर में)	विस्तृत अभ्युक्ति
1	तिरुपति बालाजी कोल्ड स्टोरेज के पास, मु0 अहीर टोला 127	खेल का मैदान	0.158	उक्त जगह तिरुपति बालाजी कोल्ड स्टोरेज के पास एन0 एच02 आगरा रोड के पास स्थित है।
2	तिरुपति बालाजी कोल्ड स्टोरेज के पास, मु0 अहीर टोला 136 ख	खुली जगह	0.036	उक्त जगह तिरुपति बालाजी कोल्ड स्टोरेज के पास एन0 एच02 आगरा रोड के पास स्थित है।
3	तिरुपति बालाजी कोल्ड स्टोरेज के पास, मु0 अहीर टोला 137/2	खुली जगह	0.016	उक्त जगह तिरुपति बालाजी कोल्ड स्टोरेज के पास एन0 एच02 आगरा रोड के पास स्थित है।

लिपिक नगर पालिका परिषद जसवन्तनगर (इटावा)
अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जसवन्तनगर (इटावा)

कारोबार

11 से 14 तक चलेगा ट्रेड शो, वैश्विक निर्यातक होंगे शामिल

इटली के जरिये विदेश पहुंचेगा शहर का स्वाद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर का स्वाद विदेशों तक पहुंचेगा। इसकी राह इटली से खुल सकती है। 11 से 14 मई तक इटली में ट्रेड शो होने वाला है। इसमें होटल्स और रेस्टोरेंट से जुड़े कारोबारी पूरे विश्व से शामिल होने आ रहे हैं। फूड सेक्टर से जुड़े उत्पादों पर ऑर्डर मिल सकते हैं।

इस ट्रेड शो में खाद्य सामग्रियों से जुड़े उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री होगी। इसमें पूरे प्रदेश से 60 सेअधिक व शहर से लगभग एक दर्जन फूड सेक्टर से जुड़े निर्यातक शामिल होने जा रहे हैं। पूरे विश्व से 95 हजार से अधिक खरीदार शामिल होने वाले हैं। ट्रेड शो में 42 सौ से अधिक स्वदेशी व वैश्विक ब्रांड शामिल होंगे। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजार प्रभावित होने के बाद यह निर्यातकों के लिए बेहतर मौका हो सकता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में फूड सेक्टर में कई युवा निर्यातकों ने प्रवेश किया है।

55 करोड़ का फिलहाल होता है निर्यात

95 हजार से अधिक खरीदार ट्रेड शो में शामिल

40 करोड़ के ऑर्डर मिलने की संभावना

100 देशों के खरीदारों का होगा प्रतिनिधित्व

भारतीय रेस्टोरेंट बड़ा बाजार

- निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि इस ट्रेड शो में जाने वाले खरीदार पूरे विश्व में फैले भारतीय रेस्टोरेंट और भारतीय व्यंजन परोसने वाले होटल्स को अपना टार्गेट मानकर चल रहे हैं। शहर के इस सेक्टर से जुड़े कई निर्यातक ऐसे हैं जो पहले से ही इस तरह के खरीदारों के साथ संपर्क में हैं। इस ट्रेड शो में वे अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता और स्वाद का प्रदर्शन कर ऑर्डर लेने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि ट्रेड शो में लगभग 40 करोड़ के ऑर्डर तुरंत ही हासिल हो सकेंगे।

इन प्रोडक्ट को मौका

- ट्रेड शो में शहर से सॉस, सिरका, शहद, पैक्ड फूड, राइस व बेकरी प्रोडक्ट, फल व सब्जियां, मसाले जैसे प्रोडक्ट पर ऑर्डर मिलने की संभावना है। रेडी टू ईट प्रोडक्ट, मीट, ऑयल जैसे प्रोडक्ट को ऑर्डर मिलने की संभावना है।

एमएसएमई को लाभ

- निर्यातकों का मानना है कि इस ट्रेड शो से शहर के एमएसएमई सेक्टर को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग सेक्टर से जुड़े कारोबार में 5 फीसदी तक बढोतरी दर्ज हो सकती है।

सफाईकर्मी मिले न लाइटें नाला सफाई में खानापूरी

कानपुर। नगर निगम में सोमवार को कांग्रेस पार्षद दल के नेता सुहेल अहमद की अगुवाई में विपक्षी पार्षदों ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मुलाकात की। उनको शिकायतों से भरा एक ज्ञापन दिया और उन शिकायतों का निस्तारण कराए जाने की मांग की।

विपक्षी पार्षदों ने कहा कि वार्डों में विकास कार्य प्रभावित है। कर्मचारियों के अभाव में सफाई तक नहीं हो पा रही है। नगर निगम से पांच-पांच सफाई कर्मचारियों की मांग की थी, लेकिन अभी तक मिले नहीं है। वार्डों में लगी लाइटें भी ठीक नहीं है, जिसकी वजह से रात में सबसे अधिक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पार्कों की स्थिति ठीक नहीं है और न ही पार्कों का सही से रखरखाव किया जा रहा है। विपक्षी पार्षदों ने कहा कि चार सदन में पांच-पांच सफाई कर्मचारी दिए जाने की बात हुई थी लेकिन एक भी नहीं मिले, सौ एलईडी लाइट लगाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन लगी एक भी नहीं। टेंडर होने के बाद भी कार्य नहीं शुरू हुए है। वहीं, नाला सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूरी की जा रही है, सिल्ट को फुटपाथ व सड़कों पर छोड़ दिया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बिना फॉर्मर रजिस्ट्री के नहीं दी जाएगी खाद

उन्नाव, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी ने कहा कि जिले के कृषकों को गुणवत्तायुक्त रासायनिक उर्वरकों को निर्धारित दर पर व जोत के अनुसार उर्वरक तभी मिलेगी जब उनके पास फॉर्मर रजिस्ट्री होगी। उन्होंने जिले के सभी सहकारी व निजी खुदरा उर्वरक बिक्रेताओं को निर्देशित किया है कि बिना फॉर्मर रजिस्ट्री के किसी भी कृषक को खाद देय नहीं होगी। कृषकों को उर्वरक देते समय विक्रेता कृषक की फार्मर रजिस्ट्री आईडी को सेल रजिस्टर में अनिवार्य रूप से अंकित करें। कृषकों को उनके जोत भूमि व संस्तुत मात्रा के अनुसार ही उर्वरक की बिक्री करें। कृषक की खतौनी विक्रेता अपने अभिलेख में अवश्य रखे।

सपाइयों ने महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : गाजीपुर की युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या व हरदोई में युवती से हुए अमानवीय कृत्यों के बाद हत्या के मामले में दोषियों को कठोर सजा व पीड़ित परिवार को 50 लाख की आर्थिक मदद की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष अशोक सिंह गुड्डू ने सैकड़ों सपाईयों के साथ सोमवार को सपा कार्यालय हसनगंज से प्रदर्शन करते हुए तहसील पहुंचकर नायब तहसीलदार दीपक कुमार को ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहे हैं उससे पूरे प्रदेश की महिलाओं में भय व आक्रोश है।

कमल खिला तो जमकर बांटी गई झालमुड़ी और मिठाई

बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर उत्साहित कार्यकर्ताओं ने जिले भर में मनाया जश्न, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य कर आतिशबाजी की

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

झालमुड़ी बांटते भाजपा जिलाध्यक्ष व सदर विधायक। मिठाई बांटती पालिकाध्यक्ष श्वेता मिश्रा व प्रवीण मिश्रा। सफीपुर में चेयरमैन प्रतिनिधि को मिठाई खिलाते कार्यकर्ता। बांगरमऊ में विधायक को मिठाई खिलाते कार्यकर्ता। औरास में एक-दूसरे को मिठाई खिलाते भाजपाई।

अमृत विचार: पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी व एनडीए गठबंधन के प्रदर्शन से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले भर में विजय उत्सव मनाया।

शहर के बड़ा चौराहा स्थित झंडेश्वर मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक व जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। सदर विधायक पंकज गुप्ता व जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और आतिशबाजी की। जीत की खुशी में कार्यकर्ताओं ने राहगीरों व आमजन को झालमुड़ी व मिठाई बांटकर हर्ष जताया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि असम और बंगाल के चुनावी परिणामों ने स्पष्ट कर दिया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल व राष्ट्रवाद पर अटूट विश्वास रखती है। सदर विधायक ने कहा कि बंगाल में पार्टी की ऐतिहासिक बढ़त ने हर कार्यकर्ता में नई ऊर्जा का संचार किया है।

वहीं, नगर पालिका परिषद कार्यालय के बाहर विजय उत्सव मना। पालिकाध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा व भाजयुमो के निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा भानू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। पालिकाध्यक्ष ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व विकासवाद की जीत बताया।

वहीं, बांगरमऊ में विधायक श्रीकांत कटियार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पटेल तिराहा पर जमकर जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर व एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी साझा की।

इसके अलावा सफीपुर में कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। इस दौरान कस्बे में दो मुख्य स्थानों पर जश्न मना। गेस्ट हाउस में चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर व मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। वहीं, भाजपा कार्यालय पर विधायक बम्बालाल दिवाकर की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने बैंड-बाजे की धुन पर नृत्य किया और 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारे लगाए।

वहीं, औरास मंडल के पदाधिकारियों ने भाजपा की जीत के बाद एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा किया। इसमें मंडल अध्यक्ष सरोज सिंह, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी, मंडल महामंत्री विजय सिंह, मंडल मंत्री नीरज शर्मा, शक्तिकेंद्र संयोजक सतीश त्रिपाठी, मंडल उपाध्यक्ष अमित गोस्वामी, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता जमुना सैनी, श्रीकृष्ण कनौजिया, कपिल सिंह, प्रवीन रावत, मुकेश, कल्लू सिंह अजय श्रीवास्तव, विनय सिंह, अमित रावत, धर्मेंद्र सिंह आदि ने जीत का जश्न मनाया। इसके अलावा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में खुशी मनाने वालों में आनंद अवस्थी, मनीष जायसवाल, लोली निगम, बृजेश पांडेय, प्रदीप सिंह, पवन सिंह, सुशील तिवारी, साधना दीक्षित, दीपक दीक्षित, राकेश साहू, सुशील तिवारी, उत्तम निषाद, दिलीप कुमार, मलिखान सिंह, अभिषेक दीक्षित, डॉ. नीरज गुप्ता, मोनू सिंह और अतुल मिश्रा आदि मौजूद रहे।

भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, मिठाई बांटी

शुक्लागंज, उन्नाव : पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर सोमवार को नगर के भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजमार्ग स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय में जश्न मनाया। मंडल अध्यक्ष सुरेश चंद्र शुक्ला के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है और अब उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार को मजबूत बनाए रखना है। पूर्व पालिकाध्यक्ष कार्यालय में गोल्डी गुप्ता, गंगाघाट के प्रवासी अमित त्रिपाठी भी मौजूद रहे। जश्न में मंडल के जितेंद्र सिसोदिया, धीरज सिंह, विजय राज सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, सुंदर लाल तिवारी, जितेंद्र अवस्थी, अमरेंद्र गुप्ता, रेनू सोनकर व दीपू पंडित आदि शामिल रहे। सभी ने मिष्ठान वितरण कर खुशी साझा की। वहीं, केडी त्रिवेदी, अंकुर शुक्ला, सूर्य कुमार बाजपेई, जैनेंद्र शुक्ला, अवनीश शुक्ला, मोहित शुक्ला, आदित्य त्रिपाठी, दुर्गा तिवारी, जय सिंह कुशवाहा, अभिषेक शुक्ला, विकास मिश्रा, विनय तिवारी ने भी खुशी जताई। इसके अलावा नगर पालिका परिषद गंगाघाट के गोपीनाथपुरम स्थित कैंप कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व, "सबका साथ-सबका विकास" की नीति तथा गरीब, किसान, महिला व युवाओं के हित में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि संदीप पांडे ने कार्यकर्ताओं की मेहनत व विश्वास को जीत का आधार बता भविष्य में इसी समर्पण भाव से जनसेवा करते रहने का संकल्प दोहराया।

जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

साथियों को मिठाई खिलाकर खुशी मनाते चेयरमैन।

केरल में कांग्रेस की जीत पर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

शुक्लागंज, उन्नाव : नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को केरल में कांग्रेस गठबंधन की जीत पर अलग-अलग स्थानों पर जश्न मनाया। मयंक बाजपेई के नेतृत्व में सब्जी मंडी, राजमार्ग पर एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। मयंक बाजपेई ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है और कांग्रेस जनता से किए वादे पूरा करेगी। इसी क्रम में कांग्रेस के दूसरे गुट ने पुत्तीलाल वर्मा के नेतृत्व में जश्न मना। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर खुशी जताई।

हत्या में 42 साल बाद दोषी करार ट्रायल कोर्ट ने कर दिया था बरी

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हत्या के एक मामले में 42 वर्ष बाद दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। मामले में कुल चार अभियुक्त थे जिन्हें ट्रायल कोर्ट द्वारा आत्मरक्षा का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया था। अपील के विचाराधीन रहने के दौरान दो अभियुक्तों की मृत्यु हो गई। कोर्ट ने बचे हुए दो अभियुक्तों को आपराधिक मानव वध (धारा 304 पार्ट टू आईपीसी) का दोषी करार दिया है। साथ ही सजा के बिन्दु पर सुनवाई के लिए उन्हें हिरासत में लेकर 11 मई को कोर्ट में प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति रजनीश कुमार व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए पारित किया है। घटना 15 जून 1984 की उन्नाव जनपद के माखी थाना क्षेत्र की है। मृतक जमुना प्रसाद अपने घर की छत पर (पानी की निकासी के लिए नाली बना रहा था जिस पर

- दो की हो चुकी है मृत्यु, बाकी दो अभियुक्तों को सुनाई जाएगी सजा

अभियुक्तों तुलसी राम, लक्ष्मी नारायन, जगत पाल व हरनाम ने इसका विरोध किया। विवाद इतना बढ़ा कि अभियुक्तों ने जमुना प्रसाद और उसके भाई अमृत लाल पर लाठी और भाले से हमला कर दिया। अस्पताल ले जाते समय जमुना प्रसाद की मौत हो गई। वर्ष 1986 में विशेष सत्र न्यायाधीश, उन्नाव ने सभी आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि उन्होंने आत्मरक्षा में मृतक को चोटें कारित की थीं। क्योंकि अभियुक्तों को भी चोटें आई थीं, जिसका स्पष्टीकरण अभियोजन पक्ष नहीं दे पाया था। हालांकि हाईकोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि पानी निकासी जैसे मामूली विवाद में किसी की जान लेना आत्मरक्षा के दायरे में नहीं आता। कोर्ट ने पाया कि सत्र अदालत का फैसला पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण था।

छूट को करदाताओं में धक्का-मुक्की

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद में गृहकर व जलकर जमा करने के लिए सोमवार को करदाताओं की भीड़ रही। 20 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाने के लिए सुबह से लोग कतारों में खड़े नजर आए। इस दौरान भीड़ अधिक होने से लोगों में धक्का-मुक्की व नोकझोंक भी हुई। जिसे पालिका कर्मियों ने हस्तक्षेप कर शांत कराया।

आमतौर पर कर जमा करने की प्रक्रिया 1 अप्रैल से शुरू होती है। लेकिन इस बार सर्वर की तकनीकी खराबी के कारण ऑनलाइन प्रक्रिया 18 अप्रैल व काउंटर वसूली 20 अप्रैल से शुरू हो पाई। करीब 20 दिनों की इस देरी के कारण अब अंतिम समय में करदाताओं का दबाव अचानक बढ़ गया है। नगर पालिका के नियमों के अनुसार 15 मई तक कर जमा करने पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। 15 मई के बाद यह

नगर पालिका में गृहकर व जलकर जमा करने को लगी भीड़। ● अमृत विचार

- नगर पालिका परिषद ने करदाताओं के लिए किया है 20 प्रतिशत छूट का एलान

छूट घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगी। इससे 15 मई की समयसीमा नजदीक आते देख लोग जल्द से जल्द टैक्स जमा करना चाहते हैं। भीड़ देख प्रभारी कर निर्धारण अधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि कर जमा करने के लिए 6 काउंटर लगाए गए हैं। कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तेजी से काम करें ताकि किसी भी लोगों को मायूस न लौटना पड़े। सोमवार को रविवार की छुट्टी के बाद कार्यालय खुलते ही कतारें लगने लगी थीं। नगर पालिका ईओ संजय गौतम ने कहा कि लोग ई-नगर पोर्टल पर भी घर बैठे गृहकर जमा कर सकते हैं। स्थानीय निकाय निदेशालय ने ई-नगर पोर्टल विकसित किया है। नगर निगमों की तर्ज पर नगर पालिकाओं में भी पोर्टल से स्वकर निर्धारण की सुविधा शुरू की है। लोग पोर्टल पर जाकर अपना गृहकर व जलकर जमा कर सकते हैं।

प्लग लगाते समय करंट की चपेट में आकर किशोर की मौत

उन्नाव, अमृत विचार : फर्राटा पंखे का प्लग लगाते समय कटे तार की चपेट में आने से किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया तो परिजनों में चीखपुकार मच गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया। दही थानाक्षेत्र के गांव तारगांव के मजरा पकरा निवासी पंकज (16) पुत्र राम सिंह कक्षा 10 छात्र था। बीती रात वह गांव में एक तिलक समारोह में गया था। जहां से देररात घर लौटकर सोने से पहले वह फर्राटा पंखा का प्लग लगा रहा था। तभी तार कटे होने से वह करंट की चपेट में आकर झुलस गया। शोर सुन जागे परिजन उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल की इमरजेंसी लाए। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वह 4 भाइयों धीरज, नीरज व सोनू से छोटा था। एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पिता की सूचना पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। इलेक्ट्रिक शाक लगने से किशोर की मौत हुई है।

ओपीजेडी ग्राउंड में क्रिकेट पिच का उद्घाटन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : सोमवार को ओपीजेडी क्रिकेट ग्राउंड में अंबिका प्रसाद क्रिकेट अकादमी की नई क्रिकेट पिच का उद्घाटन अकादमी के संस्थापक व शुक्लागंज उन्नाव क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष अजय त्रिवेदी के सहयोग से संपन्न हुआ। नई पिच के निर्माण से स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास सुविधाएं मिलेंगी। जिससे उनकी प्रतिभा निखरेगी और उन्हें अधिक प्रतिस्पर्धात्मक मैच खेलने का अवसर मिलेगा। अकादमी प्रबंधन के अनुसार इससे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतर मंच मिलेगा। अकादमी द्वारा जल्द ही अंडर-12 व अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट कराने की भी योजना है। जिससे उभरते खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इस दौरान कमल दोसर, अजीत सिंह, प्रसून दोसर, शिवकुमार, ललित, अभिषेक शुक्ला आदि मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

फीता काटकर क्रिकेट की पिच का उद्घाटन करते अध्यक्ष अजय त्रिवेदी।

इंटर स्कूल स्टोरी राइटिंग में सांची अव्वल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने उन्नाव सहोदया स्कूल द्वारा आयोजित यूएसएस इंटर स्कूल इंग्लिश स्टोरी राइटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। ग्रुप ए (कक्षा 6 से 8) में विद्यालय की छात्रा सांची गौतम ने उत्कृष्ट लेखन कौशल दिखाते हुए प्रथम स्थान पाया। उनकी रचनात्मकता व भाषा पर पकड़ ने निर्णायकों को प्रभावित किया। वहीं ग्रुप बी (कक्षा 9 से 12) में प्रियंका सोनी ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने छात्राओं की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे मेहनत व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम बताया। इसमें शिक्षिका शाइस्ता फातिमा व स्मिता चटर्जी को भी उनके मार्गदर्शन के लिए सराहा गया। विद्यालय परिवार ने प्रतिभागियों को बधाई दी।

इंटर स्कूल में स्थान पाने वाली छात्रा के साथ शिक्षिकाएं।

300 यूनिट मुफ्त बिजली की उठाई मांग

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: ट्रांस गंगा सिटी क्षेत्र के गांव मुरलीपुर में किसानों ने एक बैठक की। इसमें 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग उठाई गई।

बैठक में किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने कहा कि अन्य राज्यों की तरह उत्तर प्रदेश के लोगों को भी मुफ्त बिजली का लाभ मिलना चाहिए। यह उनका अधिकार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, बिहार व राजस्थान जैसे राज्यों में, जहां भाजपा की सरकारें हैं वहां लोगों को मुफ्त बिजली मिल रही है। जबकि उत्तर प्रदेश के लोग इससे वंचित हैं। उन्होंने इसे प्रदेश वासियों के साथ भेदभाव बताते हुए सरकार से जल्द निर्णय लेने की मांग

किसानों को संबोधित करते किसान नेता अजय अनमोल। ● अमृत विचार

- किसानों ने ट्रांस गंगा सिटी क्षेत्र के गांव मुरलीपुर में की बैठक

की। उन्होंने कहा कि 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने से आम जनता को राहत मिलेगी व स्मार्ट मीटर को लेकर चल रहा विरोध भी स्वतः समाप्त हो सकता है। बैठक में ट्रांस गंगा सिटी में किसानों को मिलने वाले निशुल्क प्लाटों और क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुधार को लेकर चल रही कार्रवाई की भी जानकारी दी गई। इसमें पुनीत अवस्थी, प्रदीप निषाद, लल्लन शर्मा, राजीव वर्मा, कल्याण सिंह राजपूत, संजय निषाद, अमरेश रावत, रणजीत पाल, कपिल कुमार, मेवा लाल, दिनेश राजपूत सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की हुई मौत

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर कुशुंभी गांव के सामने सोमवार शाम करीब 4 बजे लखनऊ जा रही ट्रेन से गिरकर युवक गंभीर घायल हो गया। सिर व शरीर में आई घातक चोटों से उसकी कुछ ही देर में मौत हो गई। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस शव ट्रैक से हटवाकर रूट क्लियर कराया। जामातलाशी में उसके पास मिले फोन के लास्ट डायल नंबर से संपर्क किया गया तो उसके फुफेरे भाई से बात हुई। जिसने उसकी पहचान लखनऊ के मोहनलालगंज थानाक्षेत्र के कुंदन खेड़ा गांव निवासी विक्रम (30) पुत्र भवरेश्वर के रूप में की। बताया कि विक्रम गुजरात में प्राइवेट नौकरी करता था। पति की मौत से पत्नी रिंकी सहित परिजन बेहाल हैं। कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि शव मोर्चरी भेजा है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कर्ज से परेशान राजमिस्त्री ने फंदे से लटककर दी जान

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार: कर्ज से परेशान राज मिस्त्री का शव सोमवार सुबह उसके कमरे में फंदे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसकी हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के पाली गांव के मजरा बाबाखेड़ा निवासी संजय (36) पुत्र स्व. रामप्रसाद खेती करने के साथ राजमिस्त्री भी था। चर्चा रही कि वह शराब का लती था। इसी से उस पर गांव के कुछ लोगों का कर्ज भी था। इससे कर्ज देने वाले उसे अक्सर परेशान करते थे। इससे घर में भी विवाद होता था। रविवार देरशाम भी वह शराब पीकर लौटा तो पत्नी सीमा से कहासुनी हुई। इसके बाद वह कमरे में चला गया। आहट न मिलने पर भोरपहर पत्नी ने खिड़की से झांककर देखा तो पति फंदे से लटक रहे थे। यह देख उसकी चीख निकल गई। शोर सुन पहुंचे परिजन दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे और पड़ोसियों की मदद से उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। उसकी मौत से पत्नी, बच्चे विमल, सोनम, दीपांशी व दीपांशु बेहाल रहे। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

अस्पताल की सफाई व्यवस्था से नाराज दिखे डीएम

उन्नाव, अमृत विचार : डीएम ने सोमवार शाम जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए सुधार लाने का अल्टीमेटम दिया। डीएम घनश्याम मीना सोमवार शाम जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। महिला व पुरुष वार्ड, इमरजेंसी, जनरल वार्ड, एसएनसीयू व ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीजों से बात कर उनका हाल जाना। मरीजों से दवा, भोजन व इलाज से जुड़ी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने हर भर्ती मरीजों से उनकी परेशानी जानी। इस दौरान अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न मिलने व कई स्थानों पर डस्टबिन न होने पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने सीएमएस से सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के आदेश दिए।

प्रगणकों व सुपर वाइजरों को दिया गया जनगणना का प्रशिक्षण

उन्नाव, अमृत विचार : जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मचारियों ने स्वर्ण लता स्मारक इंटर कॉलेज बड़ादेव बहमना में प्रगणकों व सुपर वाइज़रों को जनगणना का प्रशिक्षण दिया। गांव सालहे नगर में जाकर क्षेत्र प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल तकनीक से होगी। इससे डेटा संग्रह की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी व त्रुटिरहित बनेगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा इंट्री, सेल्फ इम्यूमरेसन की प्रक्रिया व साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। बता दें कि 7 से 21 मई तक स्वगणना अभियान चलेगा। इसमें कोई भी नागरिक पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए निर्धारित पोर्टल पर जाकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी। प्रशिक्षण स्थल पर नायब तहसीलदार दिनेश कुमार, विश्वनाथ तिवारी, राहुल वर्मा, सत्य प्रकाश द्विवेदी, आशुतोष श्रीवास्तव, सत्यम पाल, आलोक बाजपाई, सूर्यकांत, दिनेश भारतीय मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान लोगों के साथ मौजूद प्रगणक।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 को लेकर हुआ फील्ड सर्वे

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के तहत सोमवार को दिल्ली से आए फील्ड पर्यवेक्षक कलीम अहमद ने गंगाघाट क्षेत्र के श्रीनगर मोहल्ले में घर-घर जाकर स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से सूखा व गीला कूड़ा अलग-अलग निस्तारण, डस्टबिन की उपलब्धता व कूड़ा गाड़ी के समय पर आने की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि पिछले सर्वेक्षण में गंगाघाट नगर पालिका को सातवां स्थान मिला था। जबकि इस बार इसे प्रथम स्थान पर लाने का लक्ष्य है। बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 3 मानकों पर आधारित होता है। इसमें अर्बन स्वच्छता रैंकिंग, खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्टार रेटिंग और गार्बेज फ्री सिटी के तहत स्टार रैंकिंग शामिल हैं। बताया कि सर्वेक्षण की अंतिम रिपोर्ट 2 अक्टूबर को प्रस्तुत होगी।

आयोजन

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट स्थित कार्यालय में किया गया जनता दर्शन का आयोजन

जनता दर्शन में 55 शिकायतों में से पांच का मौके पर किया निस्तारण

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जनमानस की समस्याओं के त्वरित व प्रभावी समाधान के लिए कलक्ट्रेट स्थित कार्यालय में डीएम घनश्याम मीना ने जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं को डीएम के समक्ष रखा। डीएम ने 55 शिकायतों को सुना। जिनमें 5 का मौके पर निस्तारण कर दिया।

जनता दर्शन में मुख्य रूप से जमीन पर अवैध कब्जे व दबंगों द्वारा उत्पीड़न के मामले रहे। गांधी नगर निवासी स्वाती तिवारी ने

लोगों की समस्याएं सुनते डीएम घनश्याम मीना। ● अमृत विचार

सड़क पर जबरन कब्जे व अराजक तत्वों द्वारा मानसिक उत्पीड़न की शिकायत की। पुरवा बछौलिया की रश्मि तिवारी ने अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की समस्या रखी। शंकरपुर सरायं के शिव गोपाल ने रास्ते पर अतिक्रमण की शिकायत दर्ज की। बांगरमऊ के दिवारी लाल ने अपने प्लॉट पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जे की बात कही। मोती नगर निवासी प्रकाश नारायण अवस्थी ने वृद्धावस्था पेंशन न मिलने की बात बताई। डीएम ने शिकायतों को सुनकर तत्काल संबंधित अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जनगणना का कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो, कोई डाटा छूटने न पाए: डीएम

उन्नाव : देश की जनगणना 2027 के द्रष्टिगत प्रथम चरण मकान सूचीकरण व मकानों की गणना 22 मई से 20 जून 2026 तक व स्वगणना 7 से 21 मई 2026 तक होगी। द्वितीय चरण 9 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक होगा। इसे लेकर डीएम घनश्याम मीना ने कहा कि 7 मई से 21 मई तक स्व जनगणना कराई जाएगी। इसकी तैयारी समय से कर ली जाए। कहा कि स्व जनगणना के तहत कोई भी सामान्य निवासी पोर्टल के माध्यम से गणना प्रश्नावली भर सकता है। स्व गणना हेतु सामान्य निवासी जिस स्थान/मकान के लिए गणना कर रहा है उसकी ऑनलाइन लोकेशन पोर्टल पर टैग करना होगा। स्व जनगणना फ्लो चार्ट दिखाकर जनगणना से संबंधित अफसरों को जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिये कि आशा व एनम के साथ बैठक कर उन्हें जानकारी दें। इसी प्रकार उपायुक्त उद्योग द्वारा जिले की फैक्ट्रियों में कार्यरत कार्मिकों को स्व जनगणना के प्रति ट्रेंड किया जाए। इसमें एडीएम सुशील कुमार गोंड, पीडी तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी घनश्याम मीना।

दुखी मत हो, तुम जो भी खोते हो, वह किसी और रूप में वापस आ जाता है।
–रूमी, सूफी

परिवर्तन की नई बयार

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक उर्वर भूमि ने एक बार फिर इतिहास रचा है। चुनाव परिणामों ने न केवल सत्ता का केंद्र बदल दिया है, बल्कि पिछले डेढ़ दशक से चले आ रहे एकक्षत्र राजनीतिक विमर्श पर भी विराम लगा दिया है। पिछले 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के अभेद्य दुर्ग में 'कमल' का यह उदय भारतीय लोकतंत्र की उस अंतर्निहित शक्ति का प्रमाण है, जहां जनता की खामोशी बड़े-बड़े किलों को ढहाने का माद्दा रखती है। किसी भी लोकतंत्र में 15 साल का समय एक लंबा कालखंड होता है।

टीएमसी के शासनकाल के शुरुआती वर्षों में जो परिवर्तन' का उत्साह था, वह धीरे-धीरे 'सत्ता विरोधी लहर में तब्दील होता गया। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने महिला सुरक्षा के दावों पर सवाल खड़े किए, तो वहीं शिक्षक भर्ती घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के मामलों ने राज्य के शिक्षित युवाओं और मध्यम वर्ग के भरोसे को हिलाकर रख दिया। भाजपा ने इन जख्मों को पहचानकर अपनी चुनावी रणनीति बुनी और भ्रष्टाचार मुक्त बंगाल के नारे को सीधे जन-जन तक पहुंचाया। इस जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू मतों का ध्रुवीकरण और सामाजिक समीकरणों का बदलाव है। बंगाल की राजनीति पारंपरिक रूप से पहचान और अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। टीएमसी का मजबूत आधार माना जाने वाला मुस्लिम मतदाता वर्ग इस बार कुछ क्षेत्रों में बिखरे हुए नजर आए, वहीं दूसरी ओर मतुआ समुदाय और आदिवासी बेल्ट में भाजपा की पकड़ और अधिक मजबूत हुई। यह इस बात का संकेत है कि मतदाता अब केवल लोकलुभावन योजनाओं के सहारे नहीं, बल्कि स्थायी बुनियादी ढांचे और रोजगार के ठोस अवसरों की तलाश में हैं। बंगाल की राजनीति का एक काला पक्ष हमेशा चुनावी हिंसा रहा है। इस बार के चुनावों में भी हिंसा की खबरें सुर्खियों में रहीं, लेकिन जनता ने भारी मतदान के जरिए यह संदेश दे दिया कि वे भयमुक्त वातावरण चाहते हैं। ममता बनर्जी की हार के पीछे एक बड़ा कारण उनके कैडरों पर लगे दबंगई के आरोप भी रहे। भाजपा के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती इस राजनीतिक हिंसा के चक्र को तोड़कर एक शांतिपूर्ण शासन व्यवस्था स्थापित करना होगा। 15 साल बाद सत्ता में आए इस बदलाव को संभालना नई सरकार के लिए आसान नहीं होगा। बंगाल पर चढ़ा भारी कर्ज, औद्योगिक पिछड़ापन और केंद्र के साथ राज्य के रिश्तों को पटरी पर लाना प्राथमिकता होगी।

ममता बनर्जी ने विपक्ष में रहकर जिस आक्रामकता की राजनीति की है, वही आक्रामकता अब वे एक सशक्त विपक्षी नेता के तौर पर सदन में दिखाएंगी। ऐसे में नई सत्ता को सुशासन की कसौटी पर खुद को हर दिन साबित करना होगा। जनादेश से स्पष्ट है बंगाल विकास की एक नई पटकथा लिखना चाहता है। यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि उस आम बंगाली मानस की है, जिसने बदलाव के लिए अपना मत दिया। सत्ता का यह हस्तांतरण केवल कुर्सियों का बदलाव नहीं होना चाहिए, बल्कि यह बंगाल के गौरव और आर्थिक पुनरुद्धार की नई शुरुआत होनी चाहिए।

प्रसंगवश

रिश्तों के ताने-बाने में पनपती विकृतियां

हाल ही में कानपुर में एक पिता ने अपनी 11 साल की दो मासूम जुड़वां बेटियों की निर्मम हत्या कर दी। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन समाज में पनपती विकृतियां अब आपसी रिश्तों पर भी हावी होती प्रतीत हो रही हैं। यह बर्बादी की एक नई कहानी है, जो अब धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है। ये अपने-आप में पहली घटना नहीं है, बल्कि ऐसे सैकड़ों मामले दरकते रिश्तों की अपनी दास्तां बयान करते हैं। जिन रिश्तों और संबंधों को किसी समय प्रेम, विश्वास और सुरक्षा से बांधा जाता था, वही अब स्वार्थपरक अनैतिक आचरण में लिप्त हो, कलयुग कहे जाने वाले समय की कालिख बनने का काम कर रहे हैं। यह हमें सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि आखिर ये समाज कहा जा रहा है और हम कहां जा रहे हैं?

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कानपुर घटनाक्रम में हत्या के पीछे तनाव और नशे को जांच का आधार बनाया गया है, लेकिन देश का कोई भी कोना ऐसे मामलों से शायद ही अब अछूता हो। इससे पहले दिल्ली के नोएडा में आरुषि तलवार और गुरुग्राम में राधिका यादव की अपने ही पिता द्वारा जघन्य हत्या जैसे मामले भरोसे के इन रिश्तों की कहानी बयां करते हैं। राजस्थान के अलवर और मेरठ में पत्नी के प्रेमी संग पति की हत्या, लखनऊ में बेटे द्वारा कारोबारी पिता की हत्या कर टुकड़े ड्रम में रखने जैसे दिल दहला देने वाले प्रकरणों ने जनमानस को हिला कर रख दिया है।

असल में अब समाज में रिश्तों का कत्ल एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, जिनके स्वरूप अलग-अलग देखे जा सकते हैं। जहां आपसी विवाद, प्रॉपर्टी और पैसा, अनैतिक संबंध, अहंकार और भरोसे की कमी के कारण भाई-भाई, बेटे-पिता, पिता-बेटी और पति-पत्नी के रिश्ते तार-तार हो रहे हैं। पिछले सालों में बढ़ने वाला नशे का प्रचलन भी इसका एक बड़ा कारण बन रहा है, जिसमें व्यक्ति अपराध करने से पहले यह नहीं समझ पाता कि सामने सगे-संबंधी हैं या कोई और। ऐसा लगता है जैसे कि रिश्तों का कत्ल करने की होड़ मची हुई है। ऐसा करने में कोई भी रिश्ता किसी भी रिश्ते से पीछे नहीं है।

इस तरह की अनैतिक घटनाएं जैसे सगे-संबंधियों को मार देना या संपत्ति के लिए अपनों की हत्या सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं। अत्यधिक स्वार्थ, लालच और अहंकार के कारण व्यक्ति अपनों के प्रति संवेदनहीन हो रहा है। रिश्तों में प्यार और भरोसे की कमी के कारण वे बोझ बन कर अंततः टूट जाते हैं। आपसी सम्मान और प्रेम में कमी आ रही है, जिससे रिश्तों की परिभाषा बदल रही है और सामाजिक सौहार्द खत्म हो रहा है। परिणाम स्वरूप परिवार तबाह हो रहे हैं और समाज शर्मसार हो रहा है। इस तरह के मामले बताते हैं कि भौतिक सुख-सुविधाओं की चाह में इंसानियत खत्म हो रही है।

देश में हर रोज कहीं न कहीं हो रही इस तरह की घटनाएं बता रही हैं कि परिवार और समाज में सुरक्षा का भाव दिनों-दिन कम हो रहा है। तनाव के चलते रिश्तों में खटास होने से व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। मानवता पर सवाल उठने लगे हैं। प्यार और स्नेह की जगह अब नफरत ले रही है, जो समाज के लिए खतरनाक है। यह आवश्यक है कि हम अपने रिश्तों में आपसी विश्वास, समझ और प्रेम को बहाल करें, ताकि समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहे।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

बीजेपी का विस्तार और क्षेत्रीय क्षत्रपों का नया स्वरूप

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि ये देश की राजनीतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है, बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल पर अपना निर्णय सुना रहा है।

पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनीतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि 'भगवा' राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है, जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनीतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे, क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी 'परिवर्तन की आंधी' का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

> 2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम देश की राजनीतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए 'महाभूकंप' को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दर्शाता है कि बंगाल की जनता 'सिंडिकेट राज' और 'कट मनी' की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने 'बंगाली अस्मिता' के साथ 'राष्ट्रीय विकास' के समन्वय को स्वीकार किया है।

संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'जल जीवन मिशन' जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया 'लाभार्थी वर्ग' तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है।

असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न, लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की 'हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है, तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया।

दक्षिण भारत के राजनीतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनीतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनीतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया।

केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां 'एक बार इधर, एक बार उधर' की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की प्रचंड वापसी दर्शाती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकोषीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। विभिन्न घोटालों ने एलडीएफ की साख को जो चोट पहुंचाई, उसकी भरपाई उसकी जनहितैषी योजनाओं से भी नहीं हो सकी। राहुल गांधी की वायनाड में सक्रियता और 'न्याय' जैसी योजनाओं के वादे ने कांग्रेस नीत यूडीएफ के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाया। महत्वपूर्ण बात यह रही कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाइयों और मुस्लिमों के बीच उपजे असंतोष ने सत्ता के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया।

पुडुचेरी जैसे छोटे केंद्र शासित प्रदेश ने भी यह दिखाया कि राजनीति में स्थिरता और केंद्र के साथ तालमेल का कितना महत्व है। एन रंगासामी की सहज छवि और भाजपा के साथ उनके गठबंधन ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि विकास के लिए केंद्र और स्थानीय सरकार का एक पटरी पर होना जरूरी है। नतीजों ने साबित किया कि छोटे क्षेत्रों में व्यक्तिगत संपर्क और सामाजिक समीकरण ही हार-जीत की रेखा खींचते हैं। यहां का मतदाता प्रशासनिक गतिरोध के बजाय स्थिरता को अधिक महत्व देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

बंगाल और असम में जनादेश को प्रभावित किया गया है। ED, CBI, चुनाव आयोग, पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर चुनाव को प्रभावित किया गया। भारी संख्या में केंद्रीय बल तैनात कर पहली बार इस तरह जनादेश 'चुराया' गया है। चुनाव प्रक्रिया को बीजेपी के पक्ष में मोड़ा गया है।
–दीपक बैज
छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष

देश की नजर इन चुनाव परिणामों पर है। पश्चिम बंगाल की जनता ने बदलाव का संकेत दिया है। बंगाल में टीएमसी को जनता ने नकार दिया है। असम में कांग्रेस के तमाम प्रयासों के बावजूद बीजेपी सरकार बना रही है। साथ ही पुडुचेरी और तमिलनाडु में भी बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई है।
–अरुण साव
उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मौसम का दोष जलवायु परिवर्तन पर मत मढ़ो!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और बैसाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना, अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है।

जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हज़ारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं, जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48C के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है।

इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है, जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8% हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है।

> गर्मी का घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं।

बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5C से 7C तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं, जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है।

गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15% से 25% तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है।

छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40% तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है, जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था।

वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल वृक्षारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे, जो फसलों को झुलसने से बचाती थी।

हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

'गोल्डन फ्यूचर' की ओर

जब कोई राष्ट्र भविष्य की तकनीक और विज्ञान के बजाय 'मिथकों' और 'विभाजन' की राजनीति में अपनी ऊर्जा झोंक देता है, तो वह आत्मघाती रास्ते पर होता है। क्या हम केवल अतीत के गौरव में ही जिंदा रहेंगे? टीके अरुण का हाल में छपा लेख 'Enough With Mythologies' हमारे गाल पर एक तमाचा है। वे सही कहते हैं कि भारत की युवा ऊर्जा आज 'सांप्रदायिक नफरत' और 'प्रतिगमन की विचारधारा' (Ideology of Regression) में बर्बाद की जा रही है। हम एक ऐसे 'स्वर्ण युग' की कल्पना में पीछे की ओर भाग रहे हैं, जिसका अस्तित्व ही संदिग्ध है, जबकि दुनिया 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' के युद्ध जीत रही है।

ज्ञानेंद्र अवस्थी
डाटा एनालिस्ट

भारत के पास 24.5 करोड़ युवाओं (20-30 वर्ष) की वह शक्ति है, जो दुनिया में किसी के पास नहीं है, लेकिन हकीकत क्या है? हमारे बेहतरीन दिमाग या तो विदेशों में बस रहे हैं या फिर 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' (GCCs) में विदेशी कंपनियों के लिए 'मजदूरी' कर रहे हैं। जो युवा हाथ तकनीक और नवाचार (Innovation) के लिए होने चाहिए थे, वे आज सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने और डिजिटल पहरों का हिस्सा बनने में खर्च हो रहे हैं।

एक लीटर एथेनॉल के लिए 10,000 लीटर पानी फूंकना विकास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के खिलाफ युद्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चा तेल तीन वर्षों के औसत 45/लीटर उपलब्ध रहा है, लेकिन 'सेठों' के मुनाफे के लिए हम रुपये -65/लीटर का एथेनॉल बना रहे हैं और वह भी अपने मुख्य भोजन (चावल) को जलाकर।

जहां हम 'मिथकों' की राजनीति में उलझे रहे, चीन ने अपनी नींव पत्थर की कर ली। चीन का रणनीतिक तेल भंडार 1,397 मिलियन बैरल पहुंच गया, जबकि भारत मात्र 21 मिलियन बैरल (0% वृद्धि) पर खड़ा है। हमारा चीन के साथ व्यापार घाटा 155% बढ़कर $112.1 बिलियन हो गया है। दुखद यह है कि हम चीन से खिलौने नहीं, बल्कि अपनी इंडस्ट्री के लिए 'ऑर्गेनिक केमिकल्स' और 'मशीनरी' मांग रहे हैं। हम उत्पादन के लिए पूरी तरह चीन के 'तकनीकी गुलाम' बन चुके हैं।

हमें तकनीक चाहिए, हमें पानी चाहिए और हमें वह 'विजन' चाहिए, जो हमें 21वीं सदी का नेतृत्व दिला सके, न कि वह विचारधारा जो हमें 11वीं सदी में वापस ले जाए।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ग्रामीण स्वास्थ्य की चुनौतियां व जरूरत

उत्तराखंड के दूर-दराज़ पहाड़ी गांव दिखने में जितने सुंदर होते हैं, वहां का जीवन उतनी ही जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घुमावदार रास्तों के बीच सीमित संसाधनों के साथ यहां के लोगों का जीवन अपनी रफ्तार से चलता है। वैसे तो यहां के दूर-दराज गांवों में लगभग सभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव दिख जाता है, लेकिन जब बात स्वास्थ्य सुविधाओं की आती है, तो यह मुश्किल पहाड़ जैसी बड़ी नजर आती है। खासकर महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आज भी यहां के कई ग्रामीण क्षेत्रों में एक संघर्ष की तरह है, हालांकि बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार भी हुए हैं, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। इसका सबसे अधिक असर महिलाओं और किशोरियों पर पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच और प्रसव के लिए दूर जाना पड़ता है, जिससे उनका स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाता है।

कविता बिष्ट
एक्टिविस्ट

अगर पिछले पांच वर्षों पर नज़र डालें, तो उत्तराखंड के ग्रामीण स्वास्थ्य तंत्र में कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्तमान में उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में लगभग 250 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 60 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत हैं। इसके अलावा उप-केंद्रों की संख्या भी हजारों में है, जो गांव-स्तर पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। पिछले पांच वर्षों में संस्थागत प्रसव दर में वृद्धि हुई है और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट आई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाई है। टीकाकरण अभियान और पोषण कार्यक्रमों ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्ष 2026-27 के बजट में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है, जिसमें ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया है। वहीं उत्तराखंड सरकार ने भी अपने बजट में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इसमें ग्रामीण अस्पतालों के उन्नयन, नए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना और चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता पर ध्यान दिया गया है।

नई योजनाओं के तहत 'आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' को और मजबूत किया जा रहा है, जिससे गांव स्तर पर ही प्राथमिक उपचार और जांच की सुविधा उपलब्ध हो सके। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और डिजिटल हेल्थ मिशन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं और किशोरियों के स्वास्थ्य पर केंद्रित कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। जब एक महिला को अपने स्वास्थ्य के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, तो यह केवल उसकी शारीरिक परेशानी नहीं होती, बल्कि यह उसके अधिकारों की भी अनदेखी होती है। एक सशक्त समाज वही होता है, जहां हर व्यक्ति को बुनियादी सुविधाएं समान रूप से उपलब्ध हों, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में क्यों न रहता हो।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अंतस

सा धना का सार है समाधि। सर्वस्व है, उपसंहार है। निष्कर्ष है। फल है। प्रतिफल है। परिणाम है। समाधि दो शब्दों से मिलकर बना है– सम और धी। सम यानी सम्यक या एक जैसा होना। धी यानी बुद्धि या प्रज्ञा। इस प्रकार समाधि का अर्थ हुआ बुद्धि का एक समान स्तर पर होना। समत्व की स्थिति में होना। समदर्शी होना। समदृष्टि होना। स्थिर बुद्धि होना। इसका एक अर्थ है समय आधि अर्थात समय के पार जाना। योग–साधना की चरम अवस्था है समाधि, लेकिन ध्यान रहे समाधि मंजिल नहीं है, यह केवल एक पड़ाव है। आध्यात्म की असली यात्रा इसके बाद शुरू होती है।

आचार्य प्रदीप द्विवेदी
आध्यात्मिक लेखक

योग–साधना की चरम अवस्था है समाधि

त्रिगुणात्मक प्रकृति के प्रभाव से परे

यदि कोई साधक समाधि की अवस्था को उपलब्ध है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि साधक सम अवस्था में है। वह सुख-दुख, हानि-लाभ, मान-अपमान आदि द्वंदों से मुक्त है, परे है। उस स्थिति में साधक का कोई पृथक अस्तित्व नहीं रहता। साधक का ब्रह्म में अवस्थान हो जाता है। भगवान की सत्ता, चैतन्य और आनंद अपने आप साधक की वाणी, भाव और कार्य के द्वारा पूर्ण रूप से प्रस्फुटित होने लगते हैं। समाधि की अवस्था में प्रमाण, विपर्यय, विकल्प, निद्रा, स्मृति आदि चित्तवृत्तियां मिट जाती हैं। समाधि की अवस्था को पा लेने पर साधक जीवमात्र को जीवन-मरण और संसारचक्र में घुमाने वाले दुःखदायक अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश आदि पंचक्लेशों से मुक्त हो जाता है, पर यह अवस्था पाना आसान नहीं है। कई पड़ाव पार करने होते हैं। एक लंबी अवधी की प्रक्रिया है। आत्मा के ऊपर से अविद्या, अज्ञान का आवरण हट जाता है। जिस प्रकार बादलों के आवरण से मुक्त होते ही सूर्य का तेज प्रकट हो जाता है, वैसे ही अविद्या, अज्ञान का आवरण हटते ही, मिटते ही आत्मा अपने यर्थास्वरूप को पहचानकर परमात्मा में स्थित हो जाती है। साधक सत, रज, तम आदि त्रिगुणात्मक प्रकृति के प्रभाव से परे हो जाता है। वह शब्द, रूप, रस, गंध आदि तन्मात्राओं के प्रभाव से भी परे हो जाता है।

समाधि के चरण

- समाधि के दो चरण या स्तर बताए गए हैं– संप्रज्ञता व असंप्रज्ञता। संप्रज्ञता समाधि के 4 प्रकार हैं– पहला है सवितर्क समाधि। यह समाधि का वह रूप है, जिसमें स्थूल विषय पर ध्यान लगाया जाता है। उदाहरणस्वरूप मूर्ति पर ध्यान जमाने को सवितर्क समाधि कहा जाता है। दूसरी है सविचार समाधि। यह समाधि का वह रूप है, जिसमें सूक्ष्म विषय पर ध्यान लगाया जाता है। इस समाधि में कभी–कभी तन्मात्रा भी ध्यान का विषय होती है। तीसरी है सानंद समाधि। इस समाधि में ध्यान का विषय इंद्रियां रहती हैं। हमारी इंद्रियां 11 हैं– 5 ज्ञानेन्द्रियां, 5 कर्मेन्द्रियां और मन। इन्हीं पर ध्यान लगाया जाता है। चौथी है सस्मित समाधि। इस अवस्था में ध्यान का विषय अहंकार है। अहंकार को अस्मिता कहा जाता है। कुछ विद्वानों का कहना है कि संप्रज्ञता समाधि वैराग्य से धुले हुए निर्मल चित्त की परिणीति है। इस समाधि में चित्त शुद्ध तो होता है, पर चित्त में कर्मों के संस्कारों के बीज अभी भी शेष रहते हैं। इसलिए इसे सबीज समाधि भी कहते हैं। इसलिए इस सबीज को निर्बीज करने के लिए समाधि के अगले चरण में प्रवेश करना होता है, जिसे असंप्रज्ञता या निर्बीज समाधि कहते हैं। असंप्रज्ञता समाधि में सारी मानसिक क्रिया की समाप्ति हो जाती है। मन केवल अप्रकट संस्कारों को धारण किए रहता है।

- इस प्रकार समाधि का पहला चरण अर्थात संप्रज्ञता समाधि–शुचिता का है। समाधि का दूसरा चरण अर्थात असंप्रज्ञता समाधि– विलीनता का है। समाधि के प्रथम चरण अर्थात संप्रज्ञता समाधि में साधक के मन की सारी अशुद्धि तिरोहित हो जाती है। सभी विकार व बुराइयां मिट जाती हैं। पर चित्त में कर्म संस्कारों के बीज बने रहते हैं। समाधि के दूसरे चरण अर्थात असंप्रज्ञता समाधि में कर्म संस्कारों के बीज भी नष्ट हो जाते हैं और चित्तवृत्तियों का पूर्णत: निरोध हो जाता है। असंप्रज्ञता समाधि की अवस्था में बुराई भी गिर जाती है और अच्छाई भी। यहां तक कि अच्छाई या शुद्ध अवस्था को धारण करने वाला मन भी समाप्त हो जाता है। यह अ–मन की अवस्था है। मन की यह समाप्ति प्रकारांतर से देहबोध की समाप्ति है। इस अवस्था में देह के पृथक होने का एहसास होता है। इस अवस्था में आत्मा अपने यथार्थस्वरूप को पहचान लेती है और आत्मा का संपर्क विभिन्न विषयों से छूट जाता है। यही मोक्ष की अवस्था है। नियत समय, नियम स्थान, नियमित साधना व सात्विक आहार–विहार व संयम का पालन करते हुए कोई भी साधक इस परम आनंद, परम सुख की अवस्था को पा सकता है। बशर्ते उसे पूर्णगुरू का सानिध्य मिले तब। अन्यथा भटकाव निश्चित है।

पौराणिक कथा

गांधारी को 100 पुत्रों का वरदान

हस्तिनापुर समय के साथ आगे बढ़ रहा था। माता सत्यवती और पितामह भीष्म अब अतीत की स्मृतियों को पीछे छोड़ वर्तमान में स्थिर हो चुके थे। भीष्म ने अपनी महान प्रतिज्ञा के अनुसार स्वयं को पूरी तरह हस्तिनापुर और उसके सिंहासन की रक्षा में समर्पित कर दिया था, वहीं सत्यवती भी इस गौरवशाली कुरुवंश की मर्यादा और सुरक्षा में तल्लीन थीं। धृतराष्ट्र और पांडु दोनों का विवाह संपन्न हो चुका था और अब राजवंश में नई पीढ़ी के आगमन की आशा जाग उठी थी।

वैशंपायन ने वर्णन किया कि महाराज पांडु ने अपनी पत्नियों कुंती और माद्री के साथ कुछ समय सुखपूर्वक व्यतीत किया, किंतु शीघ्र ही उन्होंने राज्य की बागडोर भीष्म के संरक्षण में सौंपकर दिग्विजय के लिए प्रस्थान किया। वे जिस दिशा में गए, वहां के अनेक राज्यों को अपने पराक्रम से जीत लिया। कहीं उन्होंने मैत्री संधियां स्थापित कीं, तो कहीं अन्यायी राजाओं को हटाकर न्यायपूर्ण शासन की स्थापना की। कई महीनों तक चले इस अभियान के बाद वे अपार धन-संपदा, स्वर्ण और रत्न लेकर हस्तिनापुर लौटे।

उनके लौटने पर नगर में उत्सव का वातावरण था। भीष्म ने उन्हें स्नेहपूर्वक आलिंगन किया, विदुर ने आशीर्वाद दिया और धृतराष्ट्र ने उनके पराक्रम की सराहना की। माताओं ने स्नेह बरसाया और कुंती-माद्री ने आरती उतारकर उनका स्वागत किया। पांडु द्वारा लाया गया धन राजकोष को समृद्ध कर गया। उन्होंने बड़ों को आभूषण भेंट किए और प्रजा में भी उदारता से दान वितरित किया। इसके बाद पांडु अपनी पत्नियों के साथ वन की ओर चले गए, जहां वे सरल और शांत जीवन व्यतीत करने लगे। उन्हें शिकार का विशेष शौक था और जब वे धनुष-बाण तथा शस्त्रों से सुसज्जित होकर वन में निकलते, तो उनका तेज किसी देवता के समान प्रतीत होता। नगरवासी और वनवासी दोनों ही उनसे अत्यंत प्रेम और सम्मान करते थे। धृतराष्ट्र की अनुमति से उन्हें वन में सभी आवश्यक सुख-सुविधाएं भी भेजी जाती थीं।

इधर हस्तिनापुर में भी घटनाएं चलती रहीं। भीष्म ने एक सुशील कन्या से विदुर का विवाह कराया, जिनसे आगे चलकर बुद्धिमान संतानों का जन्म हुआ। उसी समय गांधारी भी गर्भवती हुईं। उनके विषय में कहा जाता है कि उन्हें शिव से सौ पुत्रों का वरदान प्राप्त था। एक दिन जब वे इस वरदान के विषय में चिंतन कर रही थीं, तभी महर्षि वेदव्यास महल में पधारे। थकान और कष्ट के बावजूद गांधारी ने उनकी अत्यंत श्रद्धा से सेवा की। प्रसन्न होकर व्यास ने उन्हें वर मांगने को कहा। तब गांधारी ने अपने पति के समान सौ पुत्रों की कामना व्यक्त की। व्यास के आशीर्वाद से उन्होंने गर्भ धारण किया और अपने सौ पुत्रों के जन्म की प्रतीक्षा करने लगीं।

पीपल के नीचे दीपक जलाने से जीवन में आती है समृद्धि

पीपल के पेड़ के नीचे पांच मुखी (पंचमुखी) दीपक जलाना ज्योतिषीय और धार्मिक रूप से अत्यंत शुभ माना जाता है, जो मुख्य रूप से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करता है। यह शनिवार को धन-समृद्धि, सुख-शांति और पितृ दोष से मुक्ति पाने का एक उपाय है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

शनि दोष और साढ़ेसाती में राहत – पीपल को शनिदेव का प्रतीक माना जाता है, इसलिए शनिवार को सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और मानसिक शांति मिलती है।

धन और सुख–समृद्धि– मान्यता है कि पीपल के पेड़ के नीचे नियमित या शनिवार को दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती। पितृ दोष से मुक्ति, पीपल के नीचे शाम के समय दीपक जलाने से पितर शांत होते हैं और पितृ दोष दूर हो सकता है।

पंच तत्वों का संतुलन– पंचमुखी दीपक (5 मुखी) पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) का प्रतीक माना जाता है, जो जीवन में संतुलन लाता है।

दीपक जलाने के नियम

समय– शाम के समय (गोधूलि बेला) दीपक जलाना सबसे उत्तम है।
तेल– सरसों के तेल या घी का उपयोग करें।
परिक्रमा– दीपक जलाने के बाद पीपल के पेड़ की 7 बार परिक्रमा करना शुभ माना जाता है।
पीपल के पेड़ के नीचे पंचमुखी दीपक जलाना एक बेहद असरदार उपाय माना गया है, दीपक की लौ सिर्फ रौशनी नहीं देती, ये सूर्य तत्व का प्रतीक है। यही लौ जब पीपल के नीचे जलती है, तो ये सूर्य, शनि, राहु–केतु जैसे ग्रहों के बीच संतुलन बनाती है। इससे जीवन में स्थिरता और शांति आती है। हिंदू धर्म में पंचमुखी दीपक (पांच मुख वाला दीपक) का विशेष आध्यात्मिक और वास्तु महत्व है। यह पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) और दिशाओं का प्रतीक है। इसे जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार, वास्तु दोष का निवारण, सुख–समृद्धि की वृद्धि और शत्रु–बाधा से मुक्ति मिलती है।

पंचमुखी दीपक का महत्व और लाभ

- **लक्ष्मी और बरकत :** यह दीपक अष्ट लक्ष्मी (धन, समृद्धि आदि) को आकर्षित करता है, जिससे घर में धन–धान्य की कोई कमी नहीं रहती।
- **वास्तु दोष दूर करना :** घर के मुख्य द्वार पर या पूजा घर में इस दीपक को जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।
- **हनुमान जी की कृपा :** विशेष रूप से मंगलवार या शनिवार को हनुमान जी के सामने पंचमुखी दीपक जलाने से हनुमान जी के पंचमुखी अवतार की कृपा प्राप्त होती है, जिससे कष्ट दूर होते हैं और साहस व सुरक्षा मिलती है।
- **पांच दिशाओं की सुरक्षा :** यह दीपक पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और ईशान कोण, इन पांचों दिशाओं से आने वाली बाधाओं को दूर करता है।
- **प्रयोग विधि :** इसे आमतौर पर शाम के समय (प्रदोष काल) में गाय के शुद्ध घी या सरसों के तेल में जलाना सबसे उत्तम माना जाता है।
- **सावधानी :** पंचमुखी दीपक को जलाते समय ध्यान रखें कि सभी पांचों मुख अलग–अलग दिशाओं में हों।
- **सरसों का तेल :** पीपल की जड़ में या उसके नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना सबसे महत्वपूर्ण है, इसमें कुछ काले तिल भी डालें।
- **काला कपड़ा :** पीपल के पेड़ में काला कपड़ा या मौली (कलावा) बांधने से पितृ दोष, शनि और राहु–केतु के अशुभ प्रभाव कम होते हैं। काले तिल और उड़द की दाल : जल में काले तिल मिलाकर अर्पित करें।
- **गुड़ :** गुड़ मिला जल या गुड़ का भोग अर्पित करने से सूर्य–शनि का दोष कम होता है।

कच्चा सूत : पीपल के पेड़ के चारों ओर 5 या 7 बार कच्चा सूत लपेटें।
धूप/अगरबत्ती : सुगंधित धूप से नकारात्मकता दूर होती है।

बोध कथा

पत्थर और बांसुरी

एक बहुत ही कुशल मूर्तिकार था, जो पहाड़ों से पत्थर चुनकर सुंदर मूर्तियां बनाया करता था। एक दिन वह जंगल में गया और उसे दो बड़े पत्थर मिले। उसने सोचा, इनसे मैं दो महान कलाकृतियां बनाऊंगा। उसने पहले पत्थर पर अपनी छेनी से वार करना शुरू किया। जैसे ही पहली चोट पड़ी, पत्थर के भीतर से एक दर्द भरी कराह निकली- "रुको! मुझे बहुत दर्द हो रहा है। कृपया मुझ पर वार मत करो, मुझे वैसे ही रहने दो जैसा मैं हूं।" मूर्तिकार दयालु था, उसने उस पत्थर को छोड़ दिया। वह दूसरे पत्थर के पास गया। जब उसने उस पर काम शुरू किया, तो वह पत्थर भी कांप रहा था, लेकिन उसने एक शब्द नहीं कहा। मूर्तिकार ने उसे तराशना जारी रखा। हफ्तों की कड़ी मेहनत, चोट और घर्षण के बाद, उस साधारण पत्थर ने एक अत्यंत सुंदर बांसुरी बजाते हुए बालक की मूर्ति का रूप ले लिया।

कुछ समय बाद, उस जंगल के पास एक भव्य मंदिर बना। मूर्तिकार ने वह 'बांसुरी बजाते बालक' की मूर्ति मंदिर के गर्भगृह में स्थापित कर दी। लोग दूर-दूर से उस मूर्ति की सुंदरता देखने और दर्शन करने आने लगे। तभी मंदिर के कर्मचारियों को अहसास हुआ कि मंदिर के द्वार पर एक ऐसे पत्थर की जरूरत है, जिस पर लोग अपने जूते-चप्पल उतार सकें। मूर्तिकार को याद आया कि जंगल में एक पत्थर उसने बीच में ही छोड़ दिया था। वह उसे उठा लाया और मंदिर की सीढ़ियों के पास रख दिया।

एक रात, जब मंदिर के पट बंद हो गए, तो नीचे रखे उस पत्थर ने ऊपर विराजमान मूर्ति से पूछा-"यह कैसा अन्याय है? हम दोनों एक ही पहाड़ के टुकड़े थे, एक ही दिन यहां लाए गए, लेकिन आज लोग तुम्हारी पूजा कर रहे हैं, तुम्हें फूलों का हार पहना रहे हैं और मुझ पर धूल-मिट्टी झाड़कर निकल जाते हैं। ऐसा क्यों?"

मूर्ति ने बड़ी शालीनता से उत्तर दिया- "मित्र, याद करो वह दिन जब कलाकार ने पहली चोट तुम पर की थी। तुमने दर्द से बचने के लिए संघर्ष को ठुकरा दिया और उसी अवस्था में रहना चुना, जिसमें तुम थे। मैंने उस हर चोट को सहा, हर घाव को अपनी प्रगति माना और खुद को तराशने दिया। आज मैं इसलिए पूजा जा रहा हूं, क्योंकि मैंने 'चोट' सहने का साहस दिखाया और तुम इसलिए पैर रखने के काम आ रहे हो, क्योंकि तुमने आराम को विकास से ऊपर रखा।"

कथा से सीख मिलती है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयां और संघर्ष वास्तव में ईश्वर की 'छेनी और हथौड़ी' हैं, जो हमें एक बेहतर इंसान के रूप में तराश रही होती हैं। यदि हम आज के संघर्ष से भागेंगे, तो हम कल की ऊंचाई कभी नहीं छू पाएंगे।

-प्रमोद श्रीवास्तव

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	77,269.40	24,119.30
बढ़त	355.90	121.75
प्रतिशत में	0.46	0.51

सोना 1,52,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,49,000 प्रति किलो

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

उम्मीदों के अनुरूप चुनाव परिणाम और कंपनियों के बेहतर नतीजों ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई, एजेंसी

प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया से जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज करते हुए पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के अनुकूल रुझान और चौथी तिमाही के बेहतर नतीजों से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए जबकि जापान में अवकाश के कारण कारोबार बंद रहा। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

घरेलू शेयर बाजार महाराष्ट्र दिवस पर शुक्रवार को बंद थे। गुरुवार को सेंसेक्स 582.86 अंक गिरकर 76,913.50 और निफ्टी 180.10 घटकर 23,997.55 अंक पर बंद हुए थे।

निफ्टी भी 122 अंक चढ़कर 24100 के पार

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर : सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

नुकसान में रहे शेयर : भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

स्मॉलकैप में 0.79, मिडकैप में 0.75 प्रतिशत की तेजी

बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.79 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.75 प्रतिशत की तेजी रही। रियल्टी खंड, सेवा, पूंजीगत उत्पाद और औद्योगिक खंड एक प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, आईटी और बैंक खंड में गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध शेयरों में से 2,607 शेयर बढ़कर बंद हुए जबकि 1,735 शेयरों में गिरावट रही।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 % बढ़कर 109.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
- विदेशी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 8,047.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,487.10 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

आगे भी बढ़त का रुख रहने की उम्मीद

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि बाजार में आगे भी बढ़त का रुख बने रहने की उम्मीद है। यह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, मजबूत घरेलू आंकड़े और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक स्पष्टता पर आधारित रहेगा।

चांदी 6,800 रुपये उछली, सोना 2,000 रुपये टूटा

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमत 6,800 रुपये चढ़कर 2.49 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही। विदेशी बाजारों में कीमतों पर दबाव के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की तरफ से मजबूत खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में भाव में तेजी रही। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये, यानी 1.3 प्रतिशत टूटकर 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। गुरुवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच सोमवार को कम कारोबार वाले सत्र में सोने की कीमत में गिरावट आई। तेल की बढ़ती कीमतों ने इस आशंका को और मजबूत किया है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं।

बिजनेस ब्रीफ

एचएफसीएल को मिला निजी कंपनी से 84 करोड़ रुपये का ठेका

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को एक प्रमुख घरेलू निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी से 84.23 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह ठेका 'ऑप्टिकल फाइबर केबल' की आपूर्ति के लिए है और इसे कंपनी की अनुषंगी एचटीएल लिमिटेड के साथ मिलकर प्राप्त किया गया है। हालांकि, कंपनी ने संबंधित दूरसंचार संचालक का नाम उजागर नहीं किया है। कंपनी के अनुसार इस घरेलू अनुबंध को अगस्त 2026 तक पूरा किए जाने की योजना है।

बजाज ऑटो ने अप्रैल में बेचे 5,13,792 वाहन

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल में कुल बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 5,13,792 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 3,65,810 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी। निर्यात में 83 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई और यह 2,65,582 इकाई रहा। अप्रैल 2025 में यह 1,45,195 इकाई रहा था। घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 1,88,615 इकाई थी।

बीएचईएल का शुद्ध लाभ ढाई गुना हुआ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ ढाई गुना से अधिक होकर 1,290.47 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 504.45 करोड़ रुपये रहा था। बीएचईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 12,553.50 करोड़ रुपये हो गई जो 2024-25 की इसी तिमाही में 9,142.64 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बिजली क्षेत्र से राजस्व 9,509.85 करोड़ रुपये रहा जो जनवरी-मार्च 2025 में 6,192.41 करोड़ रुपये था।

एक्साइड का शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बैटरी विनिर्माता कंपनी एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 15% बढ़कर 216.73 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 187.91 करोड़ रुपये रहा था। एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 4,735.13 करोड़ रुपये रही जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 4,335.42 करोड़ रुपये थी।

अशोक लेलैंड की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। अशोक लेलैंड की अप्रैल 2026 में कुल बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 14,646 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष इसी महीने 13,421 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 14,242 इकाई रही जबकि अप्रैल 2025 में यह 12,509 इकाई थी। घरेलू बाजार में मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 7,977 इकाई रही जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 7,406 इकाई थी।

निवेश की पाठशाला

सावधान! आपका ATM कार्ड भी हो सकता है कॉपी

कारोबार डेस्क

डिजिटल दौर में बैंकिंग आसान है, लेकिन इसके खतरे भी उतने ही अधिक हैं। एटीएम से कैश निकालना हो, पेट्रोल पंप पर पेमेंट करनी हो या रेस्टोरेंट में बिल चुकाना हो, हम इस सबके लिए डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं। लेकिन इसी कार्ड को कॉपी करके अपराधी आपका बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं। इसे कार्ड क्लोनिंग कहते हैं। जरा सी लापरवाही बड़ी चोट पहुंचा सकती है। ऐसे में जानते हैं बचाव के तरीके और जरूरी सावधानियां ...

क्यों बढ़ रहे मामले

ज्यादा ट्रांजेक्शन का अर्थ है अपराधियों के लिए ज्यादा मौके। साइबर ठग फ्रॉड के लिए नित नए तरीके ढूंढ रहे हैं। इसमें कार्ड क्लोनिंग से लेकर डार्क वेब पर आपका डेटा बेचा जाना तक शामिल है। वहां से इस डेटा का गलत इस्तेमाल करके ये अपराधी आपके अकाउंट में सेंधमारी करते हैं। आपकी सावधानी ही मुख्य बचाव है।

क्या है कार्ड क्लोनिंग?

- अंतरराष्ट्रीय असल में आप किसी भी स्वाइप मशीन या एटीएम मशीन में कार्ड यूज करते हैं तो कार्ड कापी हो जाता है। कार्ड क्लोनिंग में ठग एटीएम या स्वाइप मशीन पर छोटा डिवाइस लगा देते हैं। इसको ही डिवाइस को 'स्किमर' कहा जाता है।
- जब आप मशीन में कार्ड डालते या स्वाइप करते हैं, तो यह डेटा कॉपी कर लेता है। यह आपकी मैग्नेटिक स्ट्रिप की जानकारी चुरा लेता है। साथ में छिपा कैमरा या नकली कीपैड लगाया जाता है। इससे आपका एटीएम पिन भी रिकॉर्ड कर लिया जाता है।

कहां-कहां है जोखिम

- एटीएम मशीन
- पेट्रोल पंप
- रेस्टोरेंट
- पीओएस या स्वैप मशीन
- अनजान भीड़भाड़ वाले स्थान

इन संकेतों से पहचानें खतरा

- बिना ट्रांजेक्शन किए पैसे कटने का मैसेज
- खाते से अचानक बड़ी रकम निकलना
- एटीएम के कार्ड स्लॉट में ढीलापन
- मशीन के आसपास अजीब-सा छोटा डिवाइस या वायर
- कीपैड पर एक्स्ट्रा परत या चिपका हुआ हिस्सा
- मशीन देखकर जरा भी शक हो, तो इस्तेमाल न करें

कैसे बचें कार्ड क्लोनिंग से

- पिन डालते समय कीपैड हाथ से ढकें।
- अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर कार्ड डिटेल शेयर न करें।

3. बैंक की SMS और ईमेल अलर्ट सर्विस हमेशा एक्टिव रखें।
4. जरूरत न हो तो इंटरनेशनल और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बंद रखें।
5. अपना एटीएम पिन बदलते रहें।
6. मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड हो तो बदलकर चिप कार्ड जारी करवा लें।

काम की बात

- अगर आपके खाते से बिना अनुमति पैसे निकल जाएं, तो घबराएं नहीं, तुरंत बैंक के कस्टमर केयर पर कॉल कर कार्ड ब्लॉक कराएं।
- तत्काल नजदीकी ब्रांच में लिखित शिकायत दें।
- राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल ([www.cybercrime.gov.in] (http://www.cybercrime.gov.in)) पर शिकायत दर्ज करें।
- ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट और मैसेज सुरक्षित रखें। रिपोर्ट जल्दी करने से पैसे वापस मिलने के चांस रहते हैं।

कमोडिटी डेरिवेटिव्स में बैंकों, बीमा कंपनियों की एंट्री के पक्ष में नहीं सेबी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के नियामक अपने विनियमित संस्थानों को जिंस डेरिवेटिव खंड में निवेश की अनुमति देने के पक्ष में नहीं हैं।

श्री पांडेय ने यहां 'आईएमसी कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस 2026' में एक संवाद सत्र के दौरान कहा कि संबंधित नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) बैंकों और बीमा कंपनियों को जिंस डेरिवेटिव में निवेश की अनुमति देने को लेकर बहुत सकारात्मक नहीं हैं और इसके पीछे उनके पास ठोस कारण हैं।

सेबी प्रमुख ने कहा कि भारत में पेंशन कोष विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने भी पेंशन कोष को जिंस डेरिवेटिव में निवेश की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार किया है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय का खुलासा नहीं किया है। जिंस डेरिवेटिव खंड वित्तीय बाजार का वह हिस्सा है जहां सोना, चांदी, कच्चा तेल या कृषि उत्पादों जैसी वस्तुओं की भविष्य की कीमतों पर आधारित वायदा एवं विकल्प अनुबंधों में कारोबार होता है। सेबी इस खंड का नियमन करता है।

सेबी चेयरमैन बोले- जल्दी ही एंथ्रोपिक माइथोस जैसे एआई टूल की वजह से उभर रहे जोखिमों को लेकर परामर्श जारी करेंगे

उन्होंने कहा कि सेबी जल्द ही बाजार मध्यस्थों के लिए एंथ्रोपिक माइथोस जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) टूल की वजह से उभर रहे जोखिमों को लेकर परामर्श जारी करेगा।

पांडेय ने कहा कि हमने इस संबंध में सभी संबंधित पक्षों के साथ बातचीत की है और जल्द ही हम यह सलाह जारी करेंगे कि संभावित कमजोरियों के प्रति सतर्क रहने और सक्रिय रूप से जोखिम प्रबंधन करने की आवश्यकता है।

पूंजी बाजार विनियामक के मुखिया ने कहा कि भारत को दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत है और बाजार-आधारित वित्त को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को बेहतर विकल्प देने के लिए बाजार के विकास और निवेशक संरक्षण को साथ-साथ आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) उद्योग के लिए समयबद्ध तरीके से कोष जारी करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए हाल में बदलाव किए गए हैं, जिसमें पर्याप्त निगरानी भी सुनिश्चित की गई है।

एनसीएलएटी ने जेपी मामले में खारिज की अदाणी के खिलाफ वेदांता की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने उद्योगपति अनिल अग्रवाल नीत वेदांता लिमिटेड की दो याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं।

कंपनी ने इनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए गौतम अदाणी नीत अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बोली के चयन को चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने वेदांता द्वारा उठाए गए मुद्दों में कोई आधार नहीं पाया और उसकी दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने पाया कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने जेएएल के लिए वेदांता की समाधान योजना के मुकाबले अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को प्राथमिकता देकर सही फैसला किया था। इस फैसले को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंजूरी दे दी थी, जिसके खिलाफ वेदांता ने एनसीएलएटी में अपील दायर की थी।

एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि अपीलकर्ता (वेदांता) द्वारा ऐसा कोई आधार नहीं बनाया गया है जिससे एनसीएलटी के निर्णय में हस्तक्षेप किया जा सके। अपील में कोई दम नहीं है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं। कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है।

टाटा समूह की कंपनियों के निदेशक करें टाटा संस की सूचीबद्धता की पहल

- संस्थागत निवेशकों को परामर्श देने वाली कंपनी इनगवर्न रिसर्च ने किया आग्रह
- कंपनी के निजी बने रहने पर जोखिम पैदा कर सकते हैं आरबीआई के नियामकीय बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। संस्थागत निवेशकों को परामर्श देने वाली इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने टाटा समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशकों से टाटा संस को सूचीबद्ध कराने के लिए पहल करने का आग्रह किया है, ताकि शेयरधारकों के हितों की रक्षा हो सके।

इनगवर्न रिसर्च के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक श्रीराम सुब्रमण्यन ने टाटा समूह की सात कंपनियों के स्वतंत्र निदेशकों एवं बोर्ड सदस्यों को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के 2026 के नियामकीय बदलाव टाटा संस के निजी बने रहने पर प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकते हैं। यह पत्र टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा केमिकल्स, टाटा पावर, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन को संबोधित है, जिनकी टाटा संस में संयुक्त हिस्सेदारी करीब 12 प्रतिशत है। पत्र में कहा गया है कि बोर्ड (निदेशक मंडल) का यह दायित्व है कि वह टाटा संस की सूचीबद्धता के लिए प्रयास करे और इस पर स्पष्ट रुख सार्वजनिक रूप से रखे। इनगवर्न ने तीन-स्तरीय रणनीति सुझाते हुए कहा कि कंपनियां सूचीबद्धता के लिए स्पष्ट रूपरेखा की मांग करें, टाटा संस में अपनी हिस्सेदारी का बाजार आधारित पुनर्मूल्यांकन कराएं और कंपनी संचालन सुधारों को आगे बढ़ाएं। टाटा संस को सूचीबद्ध करना न केवल नियामकीय जरूरत है, बल्कि समूह के विस्तार में निवेश करने वाले शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदारी भी है।

इनगवर्न रिसर्च ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में रिजर्व बैंक से आग्रह किया था कि वह टाटा संस को उच्चस्तरीय एनबीएफसी के रूप में मार्च 2027 तक सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी करे।

भारत कमजोरियां पहचान कर जोखिम प्रबंधन करे: ईएसी-पीएम चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी

- आपूर्ति बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनानी जरूरी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने सोमवार को कहा कि देश को भविष्य में पश्चिम एशिया जैसे संकट का असर कम करने के लिए ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक, धातु एवं महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपनी आर्थिक कमजोरियों को चिह्नित कर उन पर निगाह रखनी चाहिए। देव ने बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने जोखिम प्रबंधन के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनानी जरूरी है।

देव ने कहा कि इसके लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के विस्तार और आवश्यक वस्तुओं के भंडारण जैसी भौतिक सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। केवल विदेशी मुद्रा भंडार और खाद्यान्न भंडार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक, धातु और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रमुख आर्थिक कमजोरियों की पहचान कर उनकी निगरानी करनी चाहिए और आपूर्ति में बाधाओं एवं कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रियता दिखाते हुए कदम उठाने चाहिए।

ईएसी-पीएम के प्रमुख ने आयात पर अत्यधिक निर्भरता को घटाने पर जोर देते हुए कहा कि आपूर्ति स्रोतों और व्यापार मार्गों में विविधता लाने के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी उपयोग करना जरूरी है। दीर्घावधि में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना स्थायी समाधान होगा।

यूपीआई के जरिए अप्रैल में हुए 22.35 अरब लेनदेन: डीएफएस

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये लेनदेन इस साल अप्रैल सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 22.35 अरब रहा। वित्तीय सेवा विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। वित्तीय सेवा विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि अप्रैल 2026 में यूपीआई के जरिये 22.35 अरब लेनदेन हुए। यूपीआई के उपयोग में आसानी के साथ मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी है। इसके तहत आरबीआई के दो-स्तरीय प्रमाणीकरण नियम है। इसमें पहला स्तर उपयोगकर्ता के बैंक खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर और दूसरा यूपीआई पिन होता है, जिससे लेनदेन तेज और सुरक्षित बनते हैं। वर्तमान में भारत में कुल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इसका प्रभाव देश की सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय पर डिजिटल भुगतान में करीब 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यूपीआई संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ देशों में सक्रिय है, जिससे वहां रहने या यात्रा करने वाले भारतीयों को बिना किसी अतिरिक्त जटिलता के भुगतान करने की सुविधा मिलती है।

भारत-कनाडा ने फिर शुरू की एफटीए पर दूसरे दौर की वार्ता, यात्रा पर जाएंगे गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- मार्च में हुई थी पहले दौर की बातचीत, द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य

भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर सोमवार को शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते को आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं तथा अन्य पारस्परिक रूप से सहमत नीतिगत क्षेत्रों में व्यापार पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि पांच दिवसीय वार्ता चार मई से यहां शुरू हुई। वार्ता का पहला दौर मार्च में आयोजित किया गया था।

यह दौर महत्वपूर्ण है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस माह के अंत तक वार्ता को गति देने के लिए कनाडा की यात्रा करेंगे। यह वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू होने का संकेत भी है क्योंकि कनाडा ने 2023 में वार्ता को रोक दिया था। हालांकि अब दोनों ने बातचीत को नए सिरे से शुरू करने का निर्णय लिया है। यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

भारत से कनाडा को प्रमुख निर्यात में दवाइयां, लोहा एवं इस्पात, समुद्री उत्पाद, सूती परिधान, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन शामिल हैं। वहीं प्रमुख आयात में दालें, मोती एवं अर्ध-कीमती पत्थर, कोयला, उर्वरक, कागज तथा कच्चा पेट्रोलियम शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट

उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव ने अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में कहा

बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही।

उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम जानते हैं कि कीमतें बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है...। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। श्री शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और स्थिर बनी हुई है।

मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं। इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं। उनके लिए गैस की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। यूरिया के आयात के लिए एक वैश्विक निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और मई-जून तक इसकी आपूर्ति होने की उम्मीद है। उर्वरकों की बढ़ती मांग पूरा करने के लिए 19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात हेतु एक अलग वैश्विक निविदा भी जारी किया गया है।

खरीफ सत्र में 390 लाख टन उर्वरकों की जरूरत

कृषि विभाग ने खरीफ 2026 सत्र के लिए उर्वरकों की आवश्यकता 390.54 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इसके मुकाबले, राज्यों ने पहले ही 195.71 लाख टन उर्वरक का स्टॉक जमा कर लिया है। यह कुल आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार यह 'बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने' की रणनीति है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

केन्या में बाढ़ से 18 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

हंता वायरस से दंपति समेत तीन की मौत

केपटाउन। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑर्बिटल डेटा सेंटर उपग्रह को साझेदारी

नई दिल्ली। अमेरिकी-भारतीय अंतरिक्ष कंपनी पिक्सल ने बेंगलुरु स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी सर्वम के साथ मिलकर एक ऑर्बिटल डेटा सेंटर सैटेलाइट बनाने के लिए साझेदारी की है। पिक्सल उपग्रह को डिजाइन, निर्माण, प्रक्षेपण और संचालित करेगा, जबकि सर्वम कक्षा में सीधे प्रशिक्षण और इन्फरेंस दोनों संभालेगा। सोमवार को पिक्सल के सीईओ अवैस अहमद ने कहा कि जमीन पर आधारित डेटा सेंटर ऊर्जा, भूमि, विनियमन और पैमाने के संबंध में बढ़ती बाधाओं का सामना कर रहे हैं और वर्तमान मॉडल को पर्यावरण की दृष्टि से बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑर्बिटल डेटा सेंटर एक नया आयाम खोलते हैं।

नेपाल ने लिपुलेख दर्रे पर अपना क्षेत्रीय दावा दोहराया

काठमांडू, एजेंसी

● **नेपाल की सरकार ने की भारत से बातचीत करने की मांग**

नेपाल ने लिपुलेख पर अपने क्षेत्रीय दावे को सोमवार को दोहराया और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए भारत के साथ बातचीत की वकालत की। एक दिन पहले भारत ने इस क्षेत्र पर नेपाल के रुख को दृढ़ता से खारिज कर दिया था।

भारत ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से दशकों से आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति को रविवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा एकतरफा कृत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है। भारत की इस प्रतिक्रिया के पहले नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित करने की योजना पर आपत्ति जताई और दावा किया कि यह उसका क्षेत्र है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने कहा कि नेपाल का अपनी सीमा बढ़ाने का इरादा नहीं है, यह क्षेत्र नेपाल का है।

भारत-जमैका संबंधों में निरंतरता और परिवर्तन जैसी विशेषता

किंग्स्टन, एजेंसी

● **कैरिबियाई देश की पहली यात्रा पर बोले विदेशमंत्री जयशंकर**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और जमैका के बीच संबंध 'निरंतरता और बदलाव' से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध साझा इतिहास पर आधारित हैं जो वर्तमान सहयोग से मजबूत हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर अग्रसर है।

जमैकन ग्लीनर अखबार में रविवार को प्रकाशित एक लेख में जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों को एक गहरी और अधिक लचीली साझेदारी बनाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए जो दोनों देशों के लोगों के लिए काम करे और एक अधिक न्यायपूर्ण विश्व के निर्माण में योगदान दे। भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयशंकर शनिवार को कैरेबियाई देश की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का जमैका के साथ 180 वर्षों से संबंध है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का यही रिश्ता हमारे संबंधों को एक विशेष रंग प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि कई भारतीयों के लिए जमैका का नाम सुनते ही माइकल होल्डिंग और क्रिस गेल का क्रिकेट, बॉब मार्ले और जिमी क्लिफ का संगीत, उसेन बोल्ट और एलेन थॉम्पसन-हेराह का एथलेटिक्स तथा सांस्कृतिक हस्ती मिस लू के लेखन की याद आ जाती है।

जयशंकर ने कहा कि ये संबंध दोनों देशों के बीच गहरे जुड़ाव को दर्शाते हैं, जिसमें ग्लोबल साउथ और राष्ट्रमंडल की सदस्यता शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत और जमैका दोनों बहुलवादी समाज, राजनीतिक लोकतंत्र और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह रिश्ता अंततः निरंतरता और परिवर्तन की एक कहानी है, जो एक साझा अतीत में निहित है, वर्तमान सहयोग से प्रगाढ़ हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर उन्मुख है। भारत और जमैका के संबंधों की कहानी 19वीं और 20वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में भारतीय गिरमिटिया श्रमिकों की इस भूमि की यात्रा से शुरू हुई। उन्होंने कहा कि 1845 में 'ब्लंडेल हंटर' जहाज पर सवार होकर भारतीयों का पहली बार 'ओल्ड हार्बर बे' में उतरना इस यात्रा की शुरुआत थी। उन्होंने कहा कि आज, लगभग 70,000 भारतीय मूल के लोगों का एक समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु का काम करता है। जयशंकर ने कहा कि भारतीय-जमैका समुदाय एक सक्रिय और गतिशील शक्ति है जो दोनों देशों के संबंधों को आधार प्रदान करती है और आगे बढ़ाती है। जब दोनों देशों के बीच 1962 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए तो हमने उस चीज को औपचारिक रूप दिया जिसकी नींव दोनों देशों के लोग पहले ही डाल चुके थे।

जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अमेरिका ने होर्मुज में बनाया अलग मार्ग

ईरान द्वारा समुद्र में बिछाए गए बारूदी सुरंगों के चलते जहाजों से मार्ग बदलने को कहा

दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने सोमवार को ईरान के प्रभाव वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन देने के प्रयास की शुरुआत की, ताकि क्षेत्र में जारी आर्थिक व्यवधान को कम किया जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक दिन पहले घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम के बाद ज्वाइंट मैरीटाइम इंफॉर्मेशन सेंटर ने बताया कि अमेरिका ने मुख्य शिपिंग मार्गों के दक्षिण में एक उन्नत सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किया है और समुद्री यात्रियों से ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय करने को कहा है।

सेंटर ने चेतावनी दी कि सामान्य यातायात मार्ग के पास से गुजरना अत्यंत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि वहां बारूदी सुरंगों की मौजूदगी की आशंका है। अमेरिका के नेतृत्व वाले समुद्री कार्य बल की यह घोषणा जलमार्ग पर वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने और विश्वास बहाल करने के प्रयास की शुरुआत मानी जा रही है। इस जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग 20 फीसदी तेल का परिवहन होता है, लेकिन यह युद्ध के बाद गंभीर रूप से बाधित हुआ है। इस युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा की गई थी, जिसके बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस अभियान को प्रोजेक्ट फ्रीडम बताते हुए कहा कि अमेरिका तटस्थ और बेकसूर देशों के जहाजों को सुरक्षित मार्ग देगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार इस अभियान में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से अधिक विमान और लगभग 15,000 सैनिक शामिल होंगे। हालांकि पेंटागन ने तैनाती को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी। खबरों के अनुसार कई जहाज, विशेषकर तेल और गैस टैंकर, युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं। चालक दल ने मिसाइलों और ड्रोन हमलों के बीच पानी, भोजन और अन्य आवश्यकताओं की कमी की स्थिति का सामना करने की बात कही है। ट्रंप ने इसे मानवीय पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य ईरान सहित पश्चिम एशिया के देशों की मदद करना है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ईरान के सरकारी मीडिया ने ट्रंप की घोषणा को भ्रमपूर्ण बताया है। ईरान के संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने भी चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य में किसी भी हस्तक्षेप को संघर्षविराम का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं, ईरान ने यह भी कहा है कि वह युद्ध समाप्त करने के उसके प्रस्ताव पर अमेरिका के जवाब की समीक्षा कर रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाज पर मिसाइल से हमला

दुबई। ब्रिटेन की सेना ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया। ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव के बीच कुछ ही घंटों में इस तरह का यह दूसरा हमला है। ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि रविवार रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर जलडमरूमध्य में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा के पास एक टैंकर को निशाना बनाया गया था। सेना ने कहा कि टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ है। सेना के केंद्र ने कहा कि चालक दल सुरक्षित हैं। पर्यावरण पर कोई असर नहीं पड़ा है। रविवार को जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला हुआ था।

अमेरिकी पोत पर ईरानी हमले के दावे खारिज

दुबई। अमेरिकी सेना ने सोमवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान ने उसके नौसैन्य पोत पर हमला किया है। अमेरिका फारस की खाड़ी के निकटवर्ती क्षेत्र में सक्रिय है और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को रास्ता देने तथा ईरान द्वारा उन जहाजों पर नाकेबंदी को हटाने की पेशकश कर रहा है जिन्हें नौवहन की अनुमति प्राप्त नहीं है। ईरानी समाचार एजेंसियों ने दावा किया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण-पूर्व में अमेरिकी नौसेना के एक पोत पर हमला किया, और उस पर समुद्री सुरक्षा और नौवहन मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

अमेरिकी झंडे वाले दो जहाज होर्मुज से गुजरे

दुबई। अमेरिकी सेना ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के झंडे वाले दो वाणिज्यिक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सफलतापूर्वक गुजरे हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई, जब होर्मुज से वाणिज्यिक जहाजों के सुरक्षित आवागमन को लेकर तनाव बढ़ गया है।

जब्त ईरानी जहाज के चालक दल को पाकिस्तान पहुंचाया

इस्लामाबाद। अमेरिका ने अपने सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए एक ईरानी जहाज पर हिरासत में रखे गए चालक दल के 22 सदस्यों को विश्वास-बहाली उपाय के तहत पाकिस्तान भेज दिया है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स समूह के जहाज एमवी टौस्का को 19 अप्रैल को ओमान की खाड़ी में ईरान के चाबहार बंदरगाह के तट पर अमेरिकी सेना ने अपने कब्जे में ले लिया। इस जहाज पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा, अमेरिका द्वारा विश्वास बढ़ाने के उपाय के रूप में, जब्त किए गए ईरानी कंटेनर जहाज एमवी टौस्का पर बंधक बनाए गए चालक दल के 22 सदस्यों को पाकिस्तान लाया गया है।

एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

● **कई छात्रों के परिवारों से लिए थे 20 से 30 लाख रुपये**

दिल्ली पुलिस ने एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो नीट अभ्यर्थियों और उनके परिवारों को एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के नाम पर कथित रूप से ठगी करता था। इस बाबत संदिग्ध सरगना और एक डॉक्टर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि तीन मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 परीक्षा से पहले कुछ नाबालिग समेत 18 विद्यार्थियों को इन ठगों के चंगुल से बचाया। आरोपी उन्हें प्रश्न उपलब्ध कराने के बहाने अज्ञात स्थानों पर ले जा गए थे।

आरोप है कि फर्जी प्रश्न पत्र पिछले वर्षों की सामग्री और कोचिंग संस्थानों की सामग्री का उपयोग करके बनाए गए थे। आरोपियों ने छात्रों के परिवारों से कथित रूप से 20 से 30 लाख रुपये की मांग की और मेडिकल कॉलेजों में सीट दिलाने की गारंटी देते हुए कुछ पैसा ले भी लिया। अधिकारी ने बताया कि सूरत पुलिस से दो मई को सूचना मिली कि दिल्ली में एक संदिग्ध गिरोह नीट के माध्यम से मेडकिल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने का दावा कर रहा है जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई और तकनीकी निगरानी के आधार पर जांचकर्ता महिपालपुर एक्सटेंशन के कई होटलों की तलाशी ली। होटल में ठहरे चार आरोपियों को पकड़ा।

तेजाब हमले चिंता का विषय, सजा बढ़ाने पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

● **सुप्रीम कोर्ट ने तेजाब पीड़िता की जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार को दिए निर्देश**

उच्चतम न्यायालय ने बर्बर तेजाब हमलों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि को देखते हुए सोमवार को केंद्र से ऐसे अपराधों के लिए सजा बढ़ाने पर विचार करने और बेगुनाही साबित करने का भार आरोपी पर डालने का सुझाव दिया। आपराधिक न्यायशास्त्र के तहत, जब तक कानून में अन्य प्रावधान नहीं हों, आरोपी के खिलाफ दोष साबित करने का भार अभियोजन पक्ष पर होता है।

न्यायालय ने निर्देश दिया कि उपयुक्त संशोधन होने तक, जिन लोगों को जबरन तेजाब पिलाया गया हो या जिन्हें बाहरी विकृति के बिना आंतरिक चोटें आई हों, वे दिव्यांग व्यक्तियों का अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत तेजाब हमलों के पीड़ितों के दायरे में आएंगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह स्पष्टीकरण 2016 के अधिनियम के लागू होने के समय से ही शामिल माना जाएगा। पीठ ने कहा कि यदि संबंधित मंत्रालय औपचारिक रूप से इस संशोधन को अधिसूचित करता है तो इसका स्वागत किया जाएगा।

अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेंगे भारत-बांग्लादेश

● **बांग्लादेश के विदेशमंत्री से मिले भारतीय उच्चायुक्त**

ढाका। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को यहां विदेश मंत्री कहलिलुर रहमान से भेंट की जिसमें उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने की उम्मीद जतायी। भारतीय उच्चायोग के बयान का हवाला देते हुए सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने कहा है कि भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से ढाका में विदेश मंत्रालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बेहतर संबंधों को लेकर उम्मीद जतायी। दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत करने और आगे बढ़ाने पर भरोसा जताया। वर्मा ने भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया कि वह बांग्लादेश की जनता और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा ताकि दोनों देशों के विकास की प्राथमिकताओं और आपसी हित तथा लाभ के आधार पर सभी क्षेत्रों में जन केंद्रित सहयोग को और मजबूत किया जा सके। एजेंसी की खबरों में कहा गया है कि रहमान ने 21 सितंबर, 2022 को बांग्लादेश में उच्चायुक्त का पद संभालने वाले वर्मा का धन्यवाद किया और उनके कार्यकाल के दौरान दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की।

पक्षियों का जीपीएस

क्रिप्टोक्रोम के सहारे करते मीलों का सटीक सफर

हर साल, करोड़ों पक्षी बिना नक्शे या स्मार्टफोन के हजारों मील का सफर तय करते हैं और ठीक उसी जगह पहुंचते हैं जहां उनके पूर्वज गए थे। वर्षों तक वैज्ञानिकों के लिए यह एक पहेली थी कि ये नन्हे जीव समुद्रों, पहाड़ों और घने जंगलों के ऊपर से उड़ते हुए अपना रास्ता कैसे खोज लेते हैं। हालिया शोधों ने एक क्रांतिकारी सच्चाई को उजागर किया है। पक्षी केवल दिशा का अनुमान नहीं लगाते, बल्कि वे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अपनी आंखों से देख सकते हैं। इस अद्भुत क्षमता के पीछे क्रिप्टोक्रोम नामक विशेष प्रोटीन है। यह प्रोटीन पक्षियों की रेटिना में पाया जाता है और नीली रोशनी के प्रति संवेदनशील होता है।

नेविगेशन के अन्य सहयोगी कारक

● सौर और नक्षत्र नेविगेशन : दिन में सूरज और रात में तारों की स्थिति ● घ्राण शक्ति : कुछ पक्षी गंध के जरिए अपने घोंसले पहचानते हैं। ● चोंच में आयरन : कई पक्षियों की चोंच में मैग्नेटाइट के कण पाए जाते हैं, जो चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता मापने में मैग्नेटोमीटर की तरह काम करते हैं।

यह कोई साधारण दृष्टि नहीं

यह क्वांटम भौतिकी के सिद्धांतों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। जब प्रकाश की किरणें पक्षी की आंख में प्रवेश करती हैं, तो क्रिप्टोक्रोम सक्रिय हो जाता है, जिससे उनके मस्तिष्क में एक दृश्य मानचित्र उभरता है। यह मानचित्र उन्हें उत्तर और दक्षिण दिशा के बीच के सूक्ष्म चुंबकीय अंतर को पहचानने में मदद करता है। कल्पना कीजिए कि आपके चश्मे पर एक ऐसी परत चढ़ी हो जो आपको हवा में तैरती अदृश्य रेखाएं दिखा दे, पक्षियों के लिए पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र ठीक वैसा ही है। यह क्षमता उन्हें घने कोहरे या अंधेरी रातों में भी रास्ता भटकने नहीं देती। पक्षियों का यह 'जैविक जीपीएस' न केवल जीव विज्ञान, बल्कि भविष्य की नेविगेशन तकनीक के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

क्रिप्टोक्रोम क्या है

● क्रिप्टोक्रोम प्रोटीन का एक परिवार है जो पौधों से लेकर मनुष्यों तक लगभग सभी जीवित जीवों में पाया जाता है। पौधों में यह प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया देता है, जबकि मनुष्यों में यह हमारी सर्कैडियन रिदम (सोने-जागने का चक्र) को नियंत्रित करता है। हालांकि पक्षियों (विशेषकर प्रवासी पक्षियों जैसे 'यूरोपीय रॉबिन') में क्रिप्टोक्रोम 4 नामक एक विशेष संस्करण विकसित हुआ है जो चुंबकीय संवेदनशीलता के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

यह कैसे काम करता है

● क्वांटम एंटैंगलमेंट का खेल पक्षियों की दृष्टि साधारण कैमरों जैसी नहीं होती। क्रिप्टोक्रोम के भीतर होने वाली प्रक्रिया को रैडिकल पेयर मैकेनिज्म कहा जाता है। ● प्रकाश का प्रभाव : जब नीली रोशनी पक्षी की आंख पर पड़ती है, तो वह क्रिप्टोक्रोम के एक इलेक्ट्रॉन को उत्तेजित कर देती है। ● रैडिकल पेयर का निर्माण : यह उत्तेजना दो अलग-अलग अणुओं के बीच एक क्वांटम संबंध बनाती है। ● चुंबकीय प्रतिक्रिया : ये अणु पृथ्वी के अत्यंत कमजोर चुंबकीय क्षेत्र के प्रति भी बहुत संवेदनशील होते हैं। चुंबकीय क्षेत्र के कोण के आधार पर, इन अणुओं के रासायनिक गुणों में बदलाव आता है। ● दृश्य संकेत : मस्तिष्क इन रासायनिक परिवर्तनों को 'प्रकाश और छाया' के पैटर्न के रूप में पढ़ता है, जिससे पक्षी को दिशा का आभास होता है। है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र

● पृथ्वी के ध्रुवों से निकलने वाली चुंबकीय रेखाएं पूरे ग्रह को घेरे रहती हैं। पक्षी इन रेखाओं की 'तीव्रता' और 'झुकाव' दोनों को महसूस कर सकते हैं। ● इन्क्लिनेशन कंपास : पक्षी यह पहचान लेते हैं कि चुंबकीय रेखाएं सतह के सापेक्ष किस कोण पर हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज दिन की शुरुआत अच्छी होगी। धन-संबंधी परेशानियों में घिरे रहेंगे। रात के समय सड़क यात्रा करने से बचें।

वृष – आज कार्यक्षेत्र के विघ्नों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण की भावना में वृद्धि होगी। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

मिथुन – आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। विदेश यात्रा से धन लाभ मिलेगा। पाचन तंत्र में कुछ परेशानी हो सकती है।

कर्क – आज व्यर्थ के प्रपंचों से आपको दूर रहना चाहिए। शेयर और जोखिम भरे निवेशों से थोड़ी परेशानी होगी। यात्रा के कारण थकान रहेगी।

सिंह – आज व्यावसायिक क्षेत्र में नए विरोधी उभर सकते हैं। प्रेम संबंधों में शंका की भावना न पनपने दें। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – आज मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। सरकारी नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

तुला – आज आपके जीवनस्तर में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन में प्रेमभाव बढ़ेगा। विरोधी भी आपकी प्रतिभा का उत्साह बढ़ाएंगे।

वृश्चिक – आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। संपत्ति के मामलों में विजय प्राप्त हो सकती है।

धनु – आज स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की संभावना बन रही है। नए दोस्तों पर अधिक विश्वास न करें। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें।

मकर – आज नकदी की समस्या दूर होने की संभावना है। व्यवसाय में धन-लाभ प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें।

कुंभ – आज आपकी सलाह दूसरों के लिए हितकारी रहेगी। आपकी कलात्मक क्षमताओं का विकास होगा। बच्चों के लिए कुछ उपहार ले सकते हैं।

मीन – आज नए कार्यों को आरंभ करने की योजना बना सकते हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। आपकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय astrompandey@gmail.com

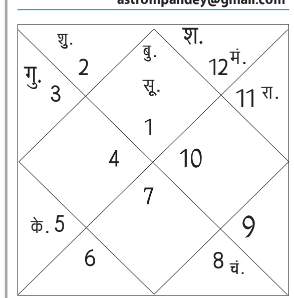

आज की ग्रह स्थिति : 5 मई, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी पूर्ण रात्रि।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म। **चन्द्रबल**- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ। **ताराबल**-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**-ज्येष्ठा 12.55 तक तत्पश्चात मूल।

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

सुडोकू -140

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

प्रतिरक्षा तैयारी

प्रयागराज के न्यू कैंट क्षेत्र में नॉर्थ टेक सिंपोजियम के उद्घाटन कार्यक्रम में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाई भारत की सैन्य क्षमताएं

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तरी कमान के जेओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से कुछ दिन पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभियान को भारतीय सेना द्वारा उन्नत तकनीक का उपयोग करके आतंकी समूहों और उनके आकाओं पर निर्णायक प्रहार करने का एक अद्वितीय उदाहरण बताया।

प्रयागराज में न्यू कैंट क्षेत्र में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने धैर्य दिखाते हुए आतंकी ढांचे को नष्ट करने में दक्षता दिखाई। इस अभियान ने पूरी दुनिया को भारतीय सेना की क्षमताओं का एहसास कराया। भारत ने पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाना था। इन हमलों के कारण चार दिन तक भीषण सैन्य संघर्ष हुआ और इसे 10 मई को रोकने पर सहमति बनी। सिंह ने कहा कि हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को जो निर्णायक जवाब दिया, उससे पूरा देश गौरवान्वित हुआ। अच्छी बात थी कि हमने धैर्य दिखाया और केवल आतंकवादियों को तबाह किया, अन्यथा, पूरी दुनिया जानती है कि हमारे सशस्त्र बल क्या करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को तकनीक के उपयोग का एक अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आकाश और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। सिंह ने कहा कि इससे साबित होता है कि हमारी सेनाएं बदलावों को समझती हैं और आत्मविश्वास के साथ उनका उपयोग करती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में प्रद्योगिकी जबरदस्त ढंग से बदल रही है और मानव इतिहास में शायद ही कभी इतनी अधिक तेजी से प्रौद्योगिकी बदली है।

अमेरिका में पार्टी में हुई गोलीबारी 12 लोग घायल

एडमंड। अमेरिका के ओक्लाहोमा सिटी के पास एक झील पर आयोजित पार्टी में रविवार रात हुई गोलीबारी में कम से कम 12 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडमंड पुलिस की प्रवक्ता एमिली वार्ड ने बताया कि रात करीब नौ बजे आर्केडिया झील के पास युवाओं के एक जमावड़े में गोली चलने की सूचना मिली। उन्होंने रविवार देर रात बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, यह बेहद भयावह स्थिति है और हम जनता तथा प्रभावित लोगों की चिंता को समझते हैं।

"गुजरात टाइटंस ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।
–जेसन होल्डर

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार, 5 मई 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

दिल्ली कैपिटल्स
बनाम
चेन्नई सुपर किंग्स

समय - शाम 7:30 बजे

रोहित-रिकेल्टन की तूफानी पारियों से मुंबई ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया

आईपीएल-2026 : नॉकआउट में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों को रखा जीवंत

मुंबई, एजेंसी

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा।

इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है। सुपर जाएंट्स की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। सुपर जाएंट्स के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन, 44 गेंद, छह चौके, सात छक्के) और रिकेल्टन (83 रन, 32 गेंद, छह चौके, आठ छक्के) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिससे सुपर जाइंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए। हिम्मत सिंह (नाबाद 40, 31 गेंद, दो चौके, दो छक्के) और एडेन मारक्रम (नाबाद 31, 25 गेंद, एक छक्का, एक चौका) ने अंत में छठे विकेट के लिए 49 गेंद में 68 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया लेकिन दोनों रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहे। मुंबई की ओर से कोर्बिन बॉश सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 20 रन देकर दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई इंडियंस को रिकेल्टन और रोहित ने शानदार शुरुआत दिलाई। रिकेल्टन ने मोहम्मद शमी पर दो चौकों के साथ शुरुआत की जबकि मोहसिन खान पर भी छक्का जड़ा। रिकेल्टन और रोहित ने शमी के अगले ओवर में भी छक्के मारे। रोहित ने आवेश की लगातार गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर बिना विकेट खोए 71 रन तक पहुंचाया। रोहित और रिकेल्टन ने एम सिद्धार्थ (47 रन पर दो विकेट) का स्वागत भी छक्के के साथ किया। रिकेल्टन ने आवेश पर छक्के और एक रन के साथ 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि रोहित ने अगले ओवर में सिद्धार्थ पर छक्के के साथ 27 गेंद में अर्धशतक जड़ने के साथ नौवें ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा भी पूरा किया।

रिकेल्टन ने 11वें ओवर में मोहसिन की दो छक्के और एक चौका मारा लेकिन इसी ओवर में जोश इंग्लिस को कैच दे बैठे जिससे सुपर जाएंट्स को पहली सफलता मिली। रिकेल्टन के आउट होने के बावजूद रोहित ने आक्रामक रुख जारी रखा और शमी तथा आवेश पर छक्के जड़े। वह हालांकि इसके बाद बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ की गेंद पर शमी को कैच दे बैठे।

मुंबई इंडियंस के लिए तूफानी पारी के दौरान रोहित शर्मा (बाएं) और रेयान रिकेल्टन। एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स

228/5 (20 ओवर)

मिचेल मार्श का नमन बो बॉश	44
जोश इंग्लिस का सूर्यकुमार बो गजनफर	13
निकोलस पूरन का रिकेल्टन बो बॉश	63
ऋषभ पंत का रिकेल्टन बो जैक्स	15
एडेन मार्करम नाबाद	31
अक्षत रघुवंशी का एवं बो रघु	11
हिम्मत सिंह नाबाद	40

अतिरिक्त : 11, **विकेट पतन :** 1-29, 1-123, 3-125, 4-148, 5-160, **गेंदबाजी :** चाहर 4-0-43-0, बुमराह 4-0-45-0, गजनफर 4-0-50-1, जैक्स 2-0-34-1, बॉश 2-0-20-2, रघु 4-0-36-1

मुंबई इंडियंस

229/4 (18.4 ओवर)

रेयान रिकेल्टन का इंग्लिस बो मोहसिन	83
रोहित शर्मा का शमी बो सिद्धार्थ	84
तिलक वर्मा का मारक्रम को सिद्धार्थ	11
सूर्यकुमार यादव का पूरन बो शमी	12
नमन धीर नाबाद	23
विल जैक्स नाबाद	10

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन :** 1-143, 2-177, 3-189, 4-213, **गेंदबाजी :** शमी 4-0-53-1, मोहसिन 4-0-47-1, प्रिंस 3-0-24-0, आवेश 3.4-056-0, सिद्धार्थ 4-0-47-2

हमने 10 से 15 रन कम बनाए : ऋषभ पंत

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने जिस तरह से हमने शुरुआत की थी हमें निश्चित रूप से और अधिक रन बनाने चाहिए थे। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। निश्चित रूप से हम 10 से 15 रन पीछे रह गए।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	9	6	2	1	13	0.855
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	10	6	4	0	12	0.644
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	10	6	4	0	12	-0.147
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	9	4	5	0	8	0.005
7.	दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	-0.895
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	9	3	5	1	7	-0.539
9.	मुंबई इंडियंस	10	3	7	0	6	-0.649
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	9	2	7	0	4	-1.076

ऑरेंज कैप

- **अभिषेक शर्मा** हैदराबाद -440 रन
- केएल राहुल दिल्ली-433 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-425 रन

पर्पल कैप

- **भुवनेश्वर कुमार** बेंगलुरु-17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-17 विकेट
- कगिसो रबाडा गुजरात-16 विकेट

मुंबई इंडियंस ने बीच में बदला कप्तान पंड्या की छुट्टी! रोहित शर्मा की वापसी

मुंबई, एजेंसी

खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या सोमवार को पीठ में जकड़न के कारण लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी टीम के करो या मरो के इंडियन प्रीमियर लीग मैच से बाहर हो गए जबकि रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई है। भारत के टी20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए आए और बताया कि वह बीमार पंड्या की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। टीम के बयान में कहा गया हार्दिक पंड्या पीठ में खिंचाव के कारण अस्वस्थ हैं इसलिए आज के मैच के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर पंड्या के लिए आईपीएल 2026 भुला देने वाला रहा है क्योंकि पिछले साल ग्रुप चरण में चौथे स्थान पर रहने के बाद मुंबई इंडियन्स अब टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। मुंबई ने

अब तक अपने नौ मैच में से दो जीते हैं और सात गंवाए हैं। पंड्या ने मौजूदा सत्र में अब तक 186 रन बनाए हैं और चार विकेट लिए हैं। बीमार होने के कारण पंड्या इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी एक मैच नहीं खेल पाए थे जिसमें टीम की कप्तानी सूर्यकुमार ने की थी। इस बीच रोहित का नाम टीम सूची में पांच 'इम्पैक्ट सब' खिलाड़ियों में शामिल है। रोहित 12 अप्रैल के बाद पहली बार टीम में वापसी कर रहे हैं।

हाईलाइट

मियामी फॉर्मूला वन ग्रैंड प्रिक्स ऑटो रेस के बाद विनर्स पोडियम पर दूसरे स्थान पर रहने वाले ब्रिटेन के मैकलारेन ड्राइवर लैंडो नोरिस (बाएं), पहले स्थान पर रहने वाले इटली के मर्सिडीज ड्राइवर किमी एंटोनेली (दाएं से दूसरे) और तीसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैकलारेन ड्राइवर ऑस्कर पियास्त्री (दाएं)। एजेंसी

चोटिल फिल साल्ट स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।

भारतीय मुक्केबाजों की अच्छी शुरुआत

ताशकंद। भारत के युवा मुक्केबाजों ने सोमवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। अंडर-17 लड़कों की प्रतियोगिता में यश यादव (50 किग्रा) ने तुर्कमेनिस्तान के सुलेमान अहमदोव पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की जबकि करुणा अल्बर्टसन कोम (60 किग्रा) ने ताजिकिस्तान के अली नजरॉव के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल कर सभी को प्रभावित किया। गोपाल रामेश्वर गणेशे (52 किग्रा) का मुकाबला काफी कड़ा रहा और वे ताजिकिस्तान के नजरॉव दामिर से 2-3 के मामूली अंतर से हार गए। प्रशांत मिश्रा (57 किग्रा) को भी चीन के तांगजी लियू के खिलाफ 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-15 लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में खुशी राणा (49 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वियतनाम की थी नगोक ट्रुक गुयेन के खिलाफ पहले ही दौर में रैफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) से जीत हासिल की।

भारतीय तीरंदाजों के सामने शंघाई विश्व कप में कड़ी चुनौती

- **खराब योजना, दिशाहीनता और पूर्णकालिक विदेशी कोच की अनुपस्थिति से जूझ रही टीम**

शंघाई, एजेंसी

भारतीय तीरंदाज मंगलवार से यहां शुरू होने वाले विश्व कप के दूसरे चरण में खराब योजना, दिशाहीनता और पूर्णकालिक विदेशी कोच की अनुपस्थिति से घिरे माहौल में उतर रही है। इस विश्व कप में मजबूत टीमों की मौजूदगी और इस साल होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जापान के ऐची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेल तेजी से नजदीक आ रहे हैं, लेकिन भारत की तैयारी बिल्कुल भी भरोसेमंद नहीं दिख रही है।

सत्र की शुरुआत मेक्सिको में हुए विश्व कप के पहले चरण से हुई, जहां भारतीयों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारत के लिए एकमात्र सकारात्मक पहलू महिलाओं की कंपाउंड टीम का स्वर्ण पदक था। दक्षिण कोरिया जैसी दिग्गज टीम की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय रिकर्व तीरंदाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। यह प्रदर्शन हकीकत का आईना साबित हुआ, जहां तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा, दीपिका कुमारी और अंकिता भकत जैसे बड़े नाम भी पदक दौर तक नहीं पहुंच सके। पुरुष रिकर्व टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई। महिला टीम ने शुरुआती मुकाबला जीता, लेकिन क्वार्टर फाइनल में तुर्की से हार गई। व्यक्तिगत स्पर्धा में देश की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी दूसरे दौर में ही बाहर हो गईं, जबकि अंकिता, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहोड़ तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद भारतीय तीरंदाजी महासंघ ने शुरुआती विश्व कप के इस चरण के लिए भी वही टीम बरकरार रखी है। एशियाई खेलों और आगामी विश्व कप चरणों के लिए चयन ट्रायल 15 मई से सोनीपत में प्रस्तावित हैं। शंघाई में एक बार फिर भारत को अनुभवी लेकिन फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों पर निर्भर रहना होगा।

भारतीय टीम

रिकर्व पुरुष : तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे। **रिकर्व महिला :** दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहोड़। **कंपाउंड पुरुष :** अभिषेक वर्मा, कुशल दलाल, ओजस देवताले और साहिल जाधव। **कंपाउंड महिला :** ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी, प्रगति और मधुरा धमांगांवकर।

घरेलू मैदान का लाभ लेना चाहेगा दिल्ली

- **चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबला आज**

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के नौ मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके पांच मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी।

कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। सीएसके के खिलाफ मैच से पहले दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अपनी लय में आ गए हैं। केएल राहुल अच्छी फॉर्म में हैं, जबकि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के आने से उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

जयपुर में अपने आखिरी ओवर में तीन छक्के खाने के बाद कुलदीप यादव अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे। वह अभी तक टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने नौ मैचों में केवल सात विकेट लिए हैं और प्रति ओवर 10.26 रन लुटाए हैं। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ टी नटराजन का भी इकोनॉमी रेट अच्छा नहीं है। उन्होंने नौ मैचों में केवल पांच विकेट लिए हैं। उतार-चढ़ाव भरे दौर के बावजूद कप्तान अक्षर पटेल शांत और व्यावहारिक बने रहने में कामयाब रहे हैं। अक्षर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद कहा था, आपको हर दिन अभ्यास करते रहना होगा। आप हमेशा परिस्थितियों को बदल सकते हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिज़वी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, अमन खान।

विशेष शिविर | आयरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेविड विलियम्सन ने दिए टिप्स

महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों का निखरा कौशल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसरी सोलंकी और माधुरी किंडो ने आयरलैंड के डेविड विलियम्सन द्वारा आयोजित एक विशेष गोलकीपिंग शिविर में हिस्सा लिया।

यह शिविर मुख्य कोच शोर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित किया गया था और दो मई को यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में समाप्त हुआ। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के 'आनंदना' के सहयोग से आयोजित यह 11 दिवसीय शिविर 22 अप्रैल को शुरू हुआ था जिसमें गोलकीपरों को केंद्रित और उच्च-प्रदर्शन वाला प्रशिक्षण दिया गया। विलियम्सन उत्तरी आयरलैंड के एक अत्यंत अनुभवी फील्ड हॉकी कोच और पूर्व खिलाड़ी हैं। वह एक जाने-माने गोलकीपिंग विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अमेरिकी महिला राष्ट्रीय टीम के साथ बड़े पैमाने पर काम किया है। सीनियर गोलकीपरों सविता, बिचू देवी, बंसरी और माधुरी ने इन सत्र में भाग लिया जिससे उन्हें तकनीकी बुनियादी बातों, निर्णय लेने की क्षमता, रक्षात्मक पहलुओं और मैच की स्थितियों में रणनीतिक जागरूकता पर गहनता से ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला।

यह ऐसे समय में हुआ जब टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही है।

बहुत कुछ सीखने को मिला : सविता

गोलकीपरों के लिए ऐसे केंद्रित शिविरों के लाभ के बारे में बात करते हुए सविता ने कहा, एक गोलकीपर होने के नाते मैंने हमेशा यह अनुभव किया है कि इस तरह के शिविर आपको बहुत कुछ सीखने में मदद करते हैं। साथ ही आपके कौशल को निखारते और बेहतर बनाते हैं। हम ट्रेनिंग के दौरान मैच जैसी स्थितियां बनाते हैं और उन पर खूब चर्चा करते हैं। इसलिए ये विशेष शिविर हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं। शिविर में अपने अनुभव को साझा करते हुए सविता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उन्होंने युवा गोलकीपरों का मार्गदर्शन करने की भूमिका को किस तरह अपनाया।

इंटर मिलान ने इटालवी लीग का खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालवी लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया।

इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है।

इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा।

शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन की पुरस्कार राशि पर नाखुशी जताई

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, एरीना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर 'अपनी गहरी निराशा' व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं।

खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (72.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है। फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वालों को सात लाख 50 हजार यूरो जबकि पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 87000 यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल विजेताओं को 600,000 यूरो और मिश्रित युगल चैंपियन को 122,000 यूरो मिलेंगे। खिलाड़ियों ने हालांकि बयान में कहा असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

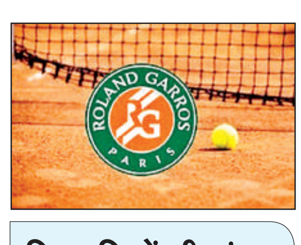

खिलाड़ियों की मांग

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी बयान में कहा फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।